ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हाईकोर्ट ने चित्तपुर में आरएसएस के जुलूस की अनुमति दी @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 20 अक्टूबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-288

लाखों निष्पादन-याचिकाएं लंबित : सुप्रीम कोर्ट नाराज

तामील ही नहीं हुए अदालत के नौ लाख फैसले

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। अदालतों में लंबित पड़े करोड़ों मामलों से देश की न्याय व्यवस्था पहले से सवालों के घेरे में है। अब तो यह भी सामने आया है कि अदालतों से जारी करीब नौ लाख आदेश कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं। यानि, जिन मामलों में अदालतें अपना फैसला सुना चुकी हैं और उस पर कार्रवाई का आदेश जारी कर चुकी हैं, वे भी शासन के गलियारे में लंबित हैं। यह शासनिक और न्यायिक अराजकता की हद है। अब इन नौ लाख फैसलों के लंबित रहने के दुखद और आश्चर्यजनक तथ्य के साथ उन पांच करोड़ मामलों को भी जोड़ लें, जो देश की विभिन्न अदालतों में लंबित पड़े हैं। और तो और देश की शीर्ष अदालत सुप्रीम कोर्ट तक में एक लाख से अधिक मुकदमे लंबित हैं। वहीं सुप्रीम कोर्ट जिसे बेमानी मुद्दों पर न्यायिक सक्रियता दिखाने और हिंदू देवी-देवताओं पर फूहड़ टिप्पणियां करने से फुर्सत नहीं है।

सनद रहे, देश की विभिन्न अदालतों में 8,82,578 निष्पादन याचिकाएं (अदालती आदेशों को लागू करवाने के लिए दाखिल याचिकाएं) लंबित हैं। मार्च 2024 से अब तक लगभग 3.38 लाख मामलों का निपटारा हुआ, लेकिन बाकी अब भी अंटके हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सभी उच्च न्यायालयों (हाईकोर्ट) से कहा है कि वे जिला अदालतों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दें ताकि पुराने मामलों को जल्द निपटाया जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने इतनी भारी संख्या में निष्पादन याचिकाओं के लंबित रहने पर गहरी नाराजगी और चिंता जताई है। उल्लेखनीय है कि जब किसी नागरिक विवाद में अदालत कोई फैसला दे देती है और हारने वाला पक्ष उस आदेश को मानने से इन्कार कर देता है, तब विजेता पक्ष अदालत में निष्पादन याचिका दाखिल करता है ताकि आदेश लागू हो सके। यानि यह प्रक्रिया अदालत के आदेश को जमीन पर उतारने की होती है।

सुप्रीम कोर्ट के जजों ने खुद कहा, न्याय है या मजाक!

सुप्रीम कोर्ट में लंबित लाखों मामलों पर न्यायाधीश चुप

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जेबी पारदीवाला और न्यायाधीश पंकज मित्तल की पीठ ने कहा, अदालत का आदेश अगर वर्षों तक लागू ही न हो सके, तो फिर ऐसे आदेश का कोई मतलब नहीं रह जाता। यह न्याय का मजाक बन जाएगा। अदालत ने बताया कि कुल 8,82,578 निष्पादन याचिका लंबित हैं। मार्च 2024 से अब तक लगभग 3.38 लाख मामलों का निपटारा हुआ, लेकिन बाकी अब भी अटके हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट के रवैये पर भी नाराजगी जाहिर की, जिसने लंबित निष्पादन याचिकाओं के आंकड़े सुप्रीम कोर्ट नहीं भेजे। सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती से कहा कि रजिस्ट्रार जनरल दो हफ्तों में जवाब दें कि जानकारी क्यों नहीं दी गई। 6 मार्च को ही सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि सभी हाईकोर्ट सर्कुलर जारी करें। निष्पादन याचिका छह महीने में निपटाई जाए। अगर कोई देरी होती है तो संबंधित जज जिम्मेदार माने जाएंगे। लेकिन हाईकोर्ट सुप्रीम कोर्ट की नहीं सुनता और नीचे की अदालतें हाईकोर्ट की नहीं सुनतीं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि न्याय में देरी न्याय से इन्कार के बराबर है। निष्पादन आदेशों को वर्षों तक लागू न कर पाना व्यवस्था पर ही सवाल उठाता है। अदालत चाहती है कि हाईकोर्ट और जिला अदालतें इस ढर्रे को तुरंत बदलें।

देश की विभिन्न अदालतों में लंबित मामलों पर नजर डालें तो नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड (एनजेडीजी) की रिपोर्ट पर ध्यान जाता है। एनजेडीजी ने निचली अदालतों में लंबित पांच करोड़ मामलों में से 1.78 करोड़ मुकदमों के कारण भी बताए हैं। इनमें से ज्यादातर आपराधिक मामले हैं। इनमें 81 प्रतिशत आपराधिक मामले हैं। बाकी 19 प्रतिशत सिविल मामले हैं। इससे पता चलता है कि आपराधिक मामलों में देरी ज्यादा हो रही है। लगभग 3 करोड़ मामलों के लंबित होने का तो कोई कारण भी नहीं है। बस यूं ही लंबित पड़ा है। इन पर न्यायिक प्रक्रिया का कोई ध्यान नहीं है। एनजेडीजी कहता है कि इसका एक बड़ा कारण वकीलों का उपलब्ध न होना भी है। 62 लाख से ज्यादा मामलों में वकील मौजूद नहीं हुए। इससे सुनवाई आगे नहीं बढ़ पाई। दूसरा बड़ा कारण अदालतों द्वारा तारीख पर तारीख देना है। जजों का आए दिन छुट्टी पर जाना और देखते ही देखते स्थानांतरित होना न्यायिक प्रक्रिया की बहुत बड़ी बाधा है। आरोपियों का फरार होना भी मामलों के लंबित रहने का बड़ा कारण है। 35 लाख से ज्यादा मामलों में आरोपी फरार हैं। जब आरोपी ही नहीं होता, तो केस कैसे चले। लगभग 27 लाख मामलों में गवाह गायब हैं। गवाहों के बिना सबूत पेश करना मुश्किल बताया जाता है। 23 लाख से ज्यादा मामलों पर अलग-अलग अदालतों ने रोक लगा रखी है। यह रोक भी मामलों को आगे बढ़ने से रोकती है। 14 लाख से ज्यादा मामलों में दस्तावेजों का इंतजार है। लगभग 8 लाख मामलों में पार्टियों का दिलचस्पी न लेना बताया गया है। यह देश की न्यायिक व्यवस्था का हाल है।

तेलंगाना समेत देशभर के हथकरघा और वस्त्र उद्योग संकट में

मिलों में काम ठप्प, छंटनी के शिकार लाखों कारीगर

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी टैरिफ से निपटने के लिए भारत सरकार रूस से तेल खरीदने और चीन से संबंध साधने का काम कर रही है, लेकिन अमेरिकी टैरिफ के कारण भारत के कपड़ा उद्योगों पर जो असर पड़ रहा है, उसके समाधान के लिए कोई उपाय नहीं किए जा रहे हैं। हालत यह है कि भारत के करीब 3400 कपड़ा मिलों पर बंद होने का खतरा मंडरा रहा है और इन कपड़ा मिलों में काम करने वाले करोड़ों कारीगरों और मजदूरों के बेरोजगार होने का भयानक परिणाम सामने दिखने लगा है।

अमेरिकी टैरिफ ने भारत के उन क्षेत्रों को बुरी तरह प्रभावित किया है, जो अमेरिका को किए जाने वाले निर्यात पर बहुत अधिक निर्भर हैं, जिसके परिणामस्वरूप हजारों मजदूरों की नौकरियां खत्म होने की आशंका है। देश के सबसे बड़े निर्यात क्षेत्रों में से एक, कपड़ा और परिधान उद्योग विशेष रूप से टैरिफ बढ़ने से प्रभावित हुए हैं। कपड़ा उद्योग भारत के सबसे बड़े, संगठित एवं व्यापक उद्योगो में से एक है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कपड़ा उत्पादक देश है, जिसके पास 3400 से अधिक कपड़ा मिलें हैं। यह देश के औद्योगिक उत्पादन का 14 प्रतिशत, सकल घरेलू उत्पाद का लगभग

भारत के 3400 कपड़ा मिलों के बंद होने का खतरा

न राज्य सरकारें ध्यान दे रही हैं, न ही केंद्र सरकार

2.3 प्रतिशत, कुल विनिर्मित औद्योगिक उत्पादन का 13 प्रतिशत व कुल निर्यात के 12 प्रतिशत की आपूर्ति करता है। साथ ही वैश्विक वस्त्र एवं परिधान व्यापार में भारत के कपड़ा उद्योग की 4 प्रतिशत हिस्सेदारी है। आंकड़ों के मुताबिक कपड़ा उद्योग में करीब 4.5 करोड़ मजदूर कार्यरत हैं।

ट्रंप के टैरिफ का तेलंगाना के हथकरघा, वस्त्र और हस्तशिल्प उद्योगों पर गहरा असर पड़ा है। हजारों मजदूर बेरोजगार हो गए हैं, लेकिन न तो राज्य सरकार इस तरफ ध्यान दे रही हैं और न केंद्र सरकार। टैरिफों के कारण निर्यात में तेज गिरावट आई, जिससे उत्पादन घटा और हजारों मजदूरों की रोजी-रोटी पर संकट आ गया।

तेलंगाना के हथकरघा एवं वस्त्र उद्योगों से जुड़े तथ्य बताते हैं कि टैरिफ लागू होने के दो महीने के भीतर ही अमेरिका से आने वाले ऑर्डरों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। इससे वारंगल, सिरसिला, करीमनगर, नलगोंडा और मेडचल जैसे प्रमुख उत्पादन केंद्रों में कामकाज ठप्प होता जा रहा है। कोठावाड़ा हथकरघा सहकारी समिति के अध्यक्ष येलुगम भद्रैया ने कहा, देश में हथकरघा उत्पादों की लोकप्रियता कम हो रही है। वर्तमान में निर्यात ही लाभदायक है, इसलिए केंद्र और राज्य सरकारों को इसे बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास करने चाहिए।

तेलंगाना में हथकरघा, वस्त्र और हस्तशिल्प क्षेत्रों में लगभग 75,000 लोग कार्यरत हैं। इनमें से करीब 20 हजार मजदूर हाल के दो महीनों में बेरोजगार हो गए। दिहाड़ी मजदूरों के लिए भी काम की कमी हो गई है। तेलंगाना से हर साल लगभग 150 करोड़ रुपए मूल्य के वस्त्र अमेरिका को निर्यात किए जाते रहे हैं, जिनमें साड़ियों, कपड़ों और रेडीमेड गारमेंट्स की हिस्सेदारी प्रमुख है। यह ऑर्डर अधिकतर मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद जैसे शहरों की एजेंसियों या सीधे अमेरिकी कंपनियों के जरिए आते थे। लेकिन अब टैरिफ की वजह से ये कंपनियां बांग्लादेश जैसे सस्ते देशों की ओर रुख कर रही हैं। केआरडी टेक्सटाइल्स के मालिक चरन रेड्डी ने कहा, कई कपड़ा उद्योग पहले ही बंद हो चुके हैं। भारत के कपड़ा उद्योग के लिए अमेरिका सबसे बड़े बाजारों में से एक है। यूएस इंटरनेशनल ट्रेड कमीशन के अनुसार 2024 में भारत से करीब 20,740 करोड़ के वस्त्र अमेरिका निर्यात किए गए।

▶10 पर

लैंड-जेहाद से मुक्त कराई गई 9000 एकड़ जमीन

देवभूमि की डेमोग्राफी नहीं बदलने देंगे: धामी

देहरादून, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड सरकार ने राज्य की 9000 एकड़ जमीन लैंड-जेहादियों के कब्जे से मुक्त करा दी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब कोई भी हरी नीली पीली या किसी भी रंग की चादर डालकर सरकारी जमीन पर कब्जा नहीं कर सकता है।

मुख्यमंत्री धामी ने बताया कि 250 अवैध मदरसों को सील किया गया और 500 से अधिक अवैध ढांचे तोड़े गए। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तराखंड की डेमोग्राफी से कोई छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिए, यह केवल उनका नहीं बल्कि पूरी देवभूमि का संकल्प है। सीएम धामी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने धर्मांतरण विरोधी और दंगा विरोधी कड़े कानून बनाए हैं। इसके अलावा, ऑपरेशन कालनेमी के तहत ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, जो अपनी असली पहचान छिपाकर हिंदू संत बन कर सनातन धर्म की बदनामी करते हैं। उन्होंने कहा कि इसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश में सख्त धर्मांतरण विरोधी और दंगा विरोधी कानून लागू किया गया है और इसके साथ ही लैंड-जेहाद, लव-जेहाद और थूक-जेहाद जैसी विकृत मानसिकताओं के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई शुरू की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य में मदरसा बोर्ड को खत्म कर दिया जाएगा और सभी मदरसों में राज्य शिक्षा बोर्ड का सिलेबस लागू होगा। इससे पहले उत्तराखंड में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) भी लागू हो चुका है। पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह कदम किसी विशेष समुदाय को निशाना बनाने के लिए नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के बीच समानता सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार उत्तराखंड में वन भूमि पर एक हजार अवैध मजारें बना दी गई थीं, जिसे वन विभाग ने चिन्हित किया था। वक्फ बोर्ड के दावों के अनुसार भी उत्तराखंड में लगभग पांच हजार धर्मस्थल पंजीकृत हैं। तमाम धार्मिक संगठन सरकारी जमीनों पर कब्जा कर बनाई गई मजारों को हटाने की लगातार मांग कर रहे थे। सबसे ज्यादा मजारें रिजर्व फॉरेस्ट क्षेत्र में बनाई गई थीं। जिन इलाकों में लकड़ी उठाने तक पर पाबंदी है, वहां मजारें बनाकर जमीनें कब्जा ली गईं, लेकिन वन विभाग और कॉर्बेट टाइगर रिजर्व खामोश रहा। आंकड़ों के मुताबिक राजाजी टाइगर रिजर्व क्षेत्र में 14 मजारें, एक मस्जिद और तीन कब्रिस्तान बना लिए गए थे। कार्बेट टाइगर रिजर्व में 20 मजारें, एक कब्रिस्तान और एक समाधि बना ली गई। जंगलों में इन अवैध धार्मिक स्थलों की संख्या 292 बताई गई थी। संरक्षित क्षेत्रों में इतनी भारी तादाद में अवैध कब्जा आंतरिक सुरक्षा के नजरिए से खतरनाक बताया गया था। ▶10 पर

इसरो को मिली बड़ी सफलता

चंद्रयान-2 ने दी सूरज की जानकारी

चेन्नई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। चंद्रयान मिशन ने एक बार फिर इतिहास रचा है। इसरो का कहना है कि चंद्रयान-2 ने चंद्रमा पर सूर्य के प्रभाव का पहली बार अवलोकन किया है। चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर उतरकर इतिहास रचने वाले चंद्रयान-2 ने एक बार फिर नई जानकारी जुटाई है। सूर्य के चांद पर पड़ने वाले असर का चंद्रयान-2 ने पता लगाया है। इसरो ने कहा कि इस अवलोकन से चंद्रमा के बाह्यमंडल, चंद्रमा के अत्यंत विरल वायुमंडल और उसकी सतह पर अंतरिक्ष मौसम के प्रभाव को समझने में मदद मिलेगी।

इसरो ने बताया कि भारत के महत्वाकांक्षी मिशन चंद्रयान-2 के लूनर ऑर्बिटर ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में एक बहुत बड़ी और पहली बार देखी गई घटना दर्ज की है। चंद्रयान-2 पर लगे वैज्ञानिक उपकरण चेस-2 ने सूर्य से निकलने वाले कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) के प्रभावों को चंद्रमा के बाह्यमंडल यानी उसके बेहद पतले वायुमंडल पर सीधे देखा है।

चंद्रयान-2 के अवलोकनों से पता चला है कि जब सूर्य का यह विशाल तूफान चंद्रमा से टकराया, तो चंद्रमा के दिन के समय के बाह्य मंडल का कुल दबाव अचानक बढ़ गया। इसरो के मुताबिक चेस-2 ने रिकॉर्ड किया कि वातावरण में परमाणुओं और अणुओं का घनत्व दस गुना से भी अधिक बढ़ गया था। चंद्रयान-2 पहला मिशन है जिसने इसे वास्तव में होते हुए देखा है। यह घटना 10 मई, 2024 को हुई जब सूर्य ने सीएमई की एक शृंखला अंतरिक्ष में फेंकी। चूंकि चंद्रमा के पास पृथ्वी की तरह कोई सुरक्षात्मक चुंबकीय क्षेत्र या सघन वायुमंडल नहीं है, इसलिए सीएमई के आवेशित कण सीधे चंद्रमा की सतह पर टकराए। ▶10 पर

ई-वाहनों पर यूपी सरकार देगी 440 करोड़ की सब्सिडी

जापान-जर्मनी की कंपनियां लगाएंगी ईवी यूनिट

लखनऊ, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ई-वाहनों पर 440 करोड़ की सब्सिडी देगी। अगले दो वर्ष में प्रदेश ई-वाहनों का सबसे बड़ा बाजार बनकर उभरेगा। यहां जापान और जर्मनी की कंपनियां भी ईवी इकाइयां लगाने जा रही हैं। पिछले तीन साल में इस मद में केवल 85 करोड़ ही दिए गए थे। 355 करोड़ अगले दो साल में देने का लक्ष्य रखा गया है। माना जा रहा है कि इतनी भारी सब्सिडी से यूपी ई वाहनों का सबसे बड़ा बाजार बन जाएगा। अभी देश में बिकने वाले कुल ई वाहनों में यूपी की हिस्सेदारी 18 फीसदी है। उच्च स्तरीय प्राधिकृत ई व्हीकल समिति की बैठक में प्रदेश में ई वाहनों की बिक्री के साथ निर्माण पर खास फोकस किया है। उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन एवं गतिशीलता नीति-2022 के अंतर्गत प्रथम तीन वर्ष में उत्तर प्रदेश में पंजीकृत सभी ई वाहनों पर पंजीकरण शुल्क और रोड टैक्स में 100 प्रतिशत छूट का प्रावधान था। इसकी वैधता 13 अक्टूबर 2025 तक थी। नीति में चौथे एवं पांचवें वर्ष में राज्य में ही बनने वाले और पंजीकृत वाहनों पर वित्तीय प्रोत्साहन प्रभावी था। ▶10 पर

राहुल-तेजस्वी का याराना भंग

मोदी और नीतीश रहे संग-संग

पटना, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में पहले चरण के मतदान से पहले कई दिलचस्प समीकरण सामने आ रहे हैं। कांग्रेस के राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के तेजस्वी यादव का याराना भंग होता दिख रहा है। बिहार के चुनावी माहौल में यह सवाल सब तरफ उछल रहा है कि दोनों दलों के बीच फ्रेंडली फाइट है या खुली जंग। दूसरी तरफ पीएम मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार संग-संग हैं। अमित शाह एनडीए के सहयोगी दलों में दरार नहीं पड़ने दे रहे हैं। बिहार के सियासी चौसर पर शह-मात की चाल में भाजपा नीत एनडीए गठबंधन बढ़त बनाता जा रहा है।

बिहार की सियासत में दोस्ती-दुश्मनी की नई इबारत लिखी जा रही है। महागठबंधन की युवा जोड़ी राहुल गांधी-तेजस्वी यादव टिकट बंटवारे के पहले पायदान पर ही भिड़ गई। दोनों कुछ नहीं बोल रहे, लेकिन दोनों दलों के सूरमा एक-दूसरे को जख्मी कर गए। यूं कहें कि नेट प्रैक्टिस में ही महागठबंधन के खिलाड़ी ऐसा भिड़े कि

मुकाबले से पहले तमाम खिलाड़ी रिटायर्ड हर्ट होते दिख रहे हैं। वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम नीतीश कुमार की जोड़ी और टीम एकजुट है।

कांग्रेस-राजद के बीच सीट बंटवारे की खींचतान अब खुली जंग में बदल चुकी। करीब दर्जनभर सीटों पर दोनों दलों ने एक-दूसरे के खिलाफ उम्मीदवार उतार दिए। वैशाली से लालगंज, कहलगांव से राजापाकड़ तक दोस्ती में कुश्ती का नजारा साफ है। कांग्रेस के दलित नेता राजेश राम के मुकाबले राजद ने सुरेश पासवान को टिकट थमा दिया। पासवान ने साफ कहा, कई सीटों पर फ्रेंडली फाइट होगी। वहीं राजेश राम ने साफ कहा फाइट में फ्रेंडली कुछ नहीं होता। लड़ाई तो लड़ाई है। ▶10 पर

दीपावली की बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं

सभी सुधी पाठकों, एजेंटों, हॉकरों, विज्ञापनदाताओं, विज्ञापन एजेंसियों व शुभचिंतकों को **शुभ-लाभ** की ओर से **दीपावली** की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

संपादक

अवकाश-सूचना

दीपावली के उपलक्ष्य में **शुभ-लाभ** कार्यालय में सोमवार दिनांक 20 अक्टूबर, 2025 को **अवकाश** रहेगा। **शुभ-लाभ** का अगला अंक बुधवार दि. 22 अक्टूबर 2025 को आपके समक्ष प्रस्तुत होगा।

-प्रबंधक

श्री देवेन्द्र मुनि जी की जन्म जयंती मनाई

पुरुषार्थ के बिना जीवन में कुछ भी मिलना संभव नहीं: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के सानिध्य में रविवार को श्रमण संघीय तृतीय आचार्य सम्राट 1008 श्री देवेन्द्र मुनि जी की जन्म जयंती मनाई गई। गुरुदेव ने फरमाया कि प्रभु महावीर की अनंत कृपा सभी पर बरस रही है। प्रभु देवों के देव और भगवंतों के भी भगवंत हैं। ऐसे प्रभु ने सभी को मोक्ष जाने से पूर्व ज्ञान का खजाना दिया है। इस ज्ञान के खजाने से मानव जीवन का कल्याण निश्चित है। प्रभु ने हमे जो दिया उसका रसा स्वादन करना चाहिए। उत्तराध्ययन का 29वां अध्ययन सम्यक्त पराक्रम है। जो पुरुषार्थ की प्रेरणा देता है। ऐसा पुरुषार्थ करना चाहिए जिससे भवों भवों का कर्म कट जाए। अन्य अध्ययनों में पद्य है, लेकिन इसमें गद्य भाग है। पूरे उत्तराध्ययन का विषय इस एक अध्ययन में समाहित है। जब मनुष्य पुरुषार्थ करता है तो उसका उद्धार संभव हो जाता है। पुरुषार्थ के बिना जीवन में कुछ भी मिलना संभव नहीं है। बिना पुरुषार्थ के अगर कुछ उम्मीद की जाए तो वह असंभव है। मनुष्य ने खाना, पिना, बोलना समेत सब सिख लिया, लेकिन धर्म नहीं सिखा तो सब बेकार है। धर्म के बिना किसी चीज का महत्व नहीं होता है। जो धर्म नहीं जानता और धर्म की ओर सन्मुख नहीं है तो सारी कृया बेकार है। इस अध्ययन में प्रश्न के साथ उत्तर भी है। गुरु का मिलना ही लाभ है, और समय से चूक जाना ही हानि है। जब मानव कोई काम करता है तो उसके फायदा के बारे में सोचता है। उसी प्रकार धर्माचरण के सभी फायदे के बारे में इस अध्ययन में उल्लेख है। सामायिक करने से सभी पाप के कर्म छूट जाते हैं। कोई भी काम हो अगर सच्चे मन से पुरुषार्थ नहीं किया जाएगा, तो समय व्यर्थ करने के अलावा कुछ हासिल नहीं होगा।

श्रद्धा के साथ अगर मनुष्य स्वाध्यय करे तो उसका कल्याण संभव है। स्वाध्याय करने से कर्म कटते हैं और पाप के मार्ग बंद होते हैं। 30वां अध्ययन तपों मार्ग गति है। जिसमें कर्मों को रोकने का उपाय करना शामिल है। इस अध्ययन में तप का महत्व बतलाया गया है। लोगों की सेवा करना भी तप है। स्वाध्याय करना भी एक तरह का तप है। अगर बड़ी तपस्या नहीं हो पाती तो स्वाध्याय करें, गलती होने पर लोगों से क्षमायाचना करें। गुरुदेव ने फरमाया कि आज एक महान श्रमण संघीय तृतीय आचार्य सम्राट 1008 श्री देवेन्द्र मुनि की जन्म जयंती है। उनका जन्म उदयपुर में हुआ था। चार तत्व दृष्टि में पवित्रता, आंख में निर्मलता, व्यवहार में कुशलता और मन में पवित्रता होने पर मनुष्य महान बन जाता है। ऐसे ही आचाश्री का वचन मधुर था। वे कभी किसी को कटु नहीं बोलते थे। वे बहुत ही मिठा बोलते थे। धनतेरस के दिन ही उनका जन्म हुआ था। इसलिए उनका नाम धन्नालाल रखा गया था। 4 साल के होने पर उनके पिता श्री दिवंगत हो गए। जिसके बाद दादा ने पोते को संभाला था। उदयपुर महान संतों की भूमि है।

उपाध्याय पुष्कर मुनि के सानिध्य में उन्होंने दीक्षा ली। दीक्षा लेने के बाद वे संयम के मार्ग पर चलने लगे। उनकी बुद्धि बहुत ही तीव्र थी। देवेन्द्र मुनि जी बहुत विद्वान थे। कथा, लेख समेत 300 से अधिक विषयों पर उन्होंने किताब लिखी थी। जब गुरु मिलते हैं तभी शिष्य खुद गुरु बन जाता है। ऐसे ही आचार्य श्री देवेन्द्र मुनि थे, जो विद्वान और ज्ञानी बनें। वे बहुत ही अनुभवी, सौम्य और शांत स्वाभाव के मुनि थे। उनके बताए मार्गो पर चलने वाला अपने जीवन का कल्याण कर लेगा। बुधवार को नववर्ष के दिन सुबह 6 बजे मंदिरजी का द्वारोद्घाटन होगा। उसके बाद आराधना भवन में भक्तांबर का पाठ एवं उत्तराध्ययन सूत्र का अंतिम वांचन होगा। उसके बाद महामांगलिक होगा। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

गर्भ के संस्कार शिशु के भविष्य निर्माण में सहायक: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गर्भ में आते ही शिशु को हम अच्छे संस्कार और अच्छा वातावरण देने का प्रयास करें। गर्भ के संस्कार शिशु के भविष्य निर्माण में सहायक होते हैं। मानव भव दुर्लभ हैं। इसलिए कभी भी गर्भपात नहीं कराएं। यदि आपको संतान नहीं चाहिए तो संघ समाज शासन को सौंप दें। शासन बहुत सक्षम हैं, ऐसे शिशुओं के पालन में। यह बात साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने महावीर भवन अलसूर में साध्वी श्री सुगनकंवर जी के जन्म शताब्दी महोत्सव के प्रसंग पर कहते हुए कहा कि धन तेरस को जन्मी सुगनकंवर ने इसे धन्य तेरस बना दिया। मात्र 11 वर्ष की उम्र में दीक्षा लेकर उन्होंने स्वाध्याय से स्वयं को ज्ञान संपन्न बनाया। धर्म को जीवन में उतारा और पार्श्वचन्द्र जी को भी प्रेरणा देकर जिनशासन में दीक्षा दिलाई और आज वे आचार्य पार्श्वचंद बनकर शासन की प्रभावना कर रहे हैं। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि पिता तेजाराम और माता राजीबाई की संतान सुगनकंवर जी का संयमी जीवन प्रेरणा की पुस्तक है। कठोर अनुशासन में रहकर ज्ञान प्राप्त कर जीवन में सादगी और सेवा का गुण पल्लवित किया। उन्होंने प्रमाद मुक्त रह कर पूरा जीवन तप से अलंकृत किया। उनका मानना था कि हम आवश्यकता से जिए, इच्छाओं से नहीं। सहनशीलता की मूर्ति सुगनकंवर जी ने बचपन से ही संस्कृत प्राकृत आदि भाषाओं को सीखकर आगम का शोधन किया और अंत में समाधि मरण को प्राप्त किया। साध्वी श्री निपुणप्रभा जी ने उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन किया।

रिद्धिप्रभा जी ने गुरु गुण गायन प्रस्तुत किया। सरोज देवी फूलफगर ने 6 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। अलसूर संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने साध्वी सुगनकंवर एवं श्रमण संघ के आचार्य देवेंद्र मुनि जी का संघ की ओर से गुणानुवाद किया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

समाचार इस ई-मेल पर भेजें
sl.newsblr1@gmail.com
विज्ञप्ति के साथ सम्पर्क सूत्र का उल्लेख भी करें...

मंत्री प्रियांक खड़गे के लिए बड़ी शर्मिंदगी

हाईकोर्ट ने चित्तपुर में आरएसएस के जुलूस की अनुमति दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उच्च न्यायालय ने कलबुर्गी जिले के चित्तपुर में 2 नवंबर को आरएसएस के जुलूस निकालने की सशर्त अनुमति दे दी है, जो जिला प्रभारी और ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे के लिए एक बड़ी शर्मिंदगी की बात है। आरएसएस ने रविवार को चित्तपुर में एक जुलूस निकालने का फैसला किया था। वहीं, भीम आर्मी ने भी शहर में एक और जुलूस निकालने का फैसला किया था। चित्तपुर तालुक के तहसीलदार नागैया ने इस आधार पर अनुमति देने से इनकार कर दिया था कि अगर दो संगठन एक साथ जुलूस निकालेंगे, तो इससे कानून-व्यवस्था भंग होगी। तहसीलदार के आदेश को चुनौती देते हुए, अशोक ने कलबुर्गी सर्किट कोर्ट में सुनवाई के लिए एक तत्काल याचिका दायर की थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद, कलबुर्गी सर्किट बेंच के न्यायाधीश ए.जी.एस. कमल ने 2 नवंबर को आरएसएस के जुलूस की अनुमति दे दी। हालाँकि, अदालत ने रविवार को ही जुलूस निकालने की आरएसएस की याचिका पर विचार नहीं किया। 2 नवंबर को आरएसएस के जुलूस की अनुमति देने वाली अदालत ने याचिकाकर्ता के वकीलों को सख्त निर्देश दिया कि वे किसी भी तरह से कानून-व्यवस्था और जनता को परेशान न करें। इससे सहमति जताते हुए याचिकाकर्ता के वकील अरुण श्याम ने कहा

कि राज्य में अब तक 250 से ज्यादा जुलूस निकाले जा चुके हैं। कहीं भी कानून-व्यवस्था में कोई गड़बड़ी नहीं हुई है। हमने हर जगह शांतिपूर्ण तरीके से जुलूस निकाला है। हमने वचन दिया है कि हम यहाँ भी ऐसा ही करेंगे। जिला कलेक्टर के पास जुलूस निकालने के लिए एक नया आ-वेदन दायर करने का आदेश देते हुए न्यायाधीश ने कहा कि जनहित और कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखा जाना चाहिए। इससे पहले, उच्च न्यायालय में तीखी बहस हुई। आरएसएस की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अरुण श्याम और सरकार की ओर से अधिवक्ता शशिकिरण शेट्टी पेश हुए। याचिकाकर्ता की ओर से बहस करते हुए अरुण श्याम ने कहा कि हमने पहले ही रविवार को चित्त-पुर में आरएसएस का जुलूस निकालने का फैसला कर लिया था। संबंधित जिला कलेक्टर, चित्तपुर तहसीलदार, सर्किल इंस्पेक्टर और नगर निगम अधिकारियों को भी एक याचिका सौंपी गई थी। लेकिन तहसीलदार ने अचानक अनुमति देने से इनकार कर दिया। उन्होंने आदेश में कहा था कि इससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होगी। हम बिना किसी को परेशान किए जुलूस निकालेंगे। वकील ने न्यायाधीश का ध्यान इस ओर दिलाया कि तहसीलदार का कदम असंवैधानिक है। हम यह नहीं कह रहे हैं कि भीम आर्मी को मार्च करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्हें अनुमति मिलने के बाद ही जुलूस निकालने दें। हमें इस पर कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन अनुमति न देना किस हद तक सही है? सरकार की ओर से पेश हुए महाधिवक्ता शशिकरण शेट्टी ने इस पर आपत्ति जताई और कहा कि आरएसएस और भीम आर्मी चित्तपुर में एक ही समय पर सांप्रदायिक जुलूस निकालने की योजना बना रहे हैं। हालाँकि, अगर दोनों संगठन एक ही समय पर एक ही रास्ते पर जुलूस निकालेंगे, तो कानून-व्यवस्था प्रभावित होगी।

इसलिए, तहसीलदार ने अनुमति देने से इनकार कर दिया है। उन्होंने अपने कदम को सही बताया। अगर दो संगठनों को एक साथ अनुमति दी जाती है, तो पुलिस कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सक्षम नहीं होगी। तहसी-लदार, जो एक मजिस्ट्रेट हैं, ने अदालत को आश्वस्त किया है कि उन्होंने अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए सही फैसला लिया है। न्यायाधीश ने एजे से पूछा कि जुलूस की अनुमति किसे देनी चाहिए? अनुमति देने वाला प्राधिकारी कौन है? क्या इस संबंध में कोई स्पष्ट नियम हैं? क्या दोनों संगठनों को अलग-अलग दिन जुलूस निकालने की अनुमति दी जा सकती है? उन्होंने जुलूस निकालने से किस कारण से इनकार किया? इस पर, अरुण श्याम ने कहा कि उनका इरादा जुलूस को बिगाड़ना था। हमने 15 दिन पहले ही अनुमति माँगी थी। अब अचानक वे हमसे भी अनुमति माँग रहे हैं। जब 250 जगहों पर जुलूस निकाला गया, तो कहीं भी कानून का उल्लंघन नहीं हुआ। अंत में, दलीलें सुनने के बाद, अदालत ने जिला प्रशासन को दोनों संगठनों के लिए जुलूस निकालने के लिए अलग-अलग समय निर्धारित करने का निर्देश दिया। चित्तपुर विधायक प्रियांक खड़गे को जान से मारने की धमकी के विरोध में बंद और विरोध प्रदर्शनों के बीच, तालुका प्रशासन ने आरएसएस संगठन द्वारा आयोजित जुलूस की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। चित्तपुर तालुका तहसीलदार नागैया ने कहा था कि अनुमति नहीं दी गई क्योंकि जुलूस के लिए अनुमति देने से कानून-व्यवस्था बिगड़ने की संभावना थी। भीम आर्मी संगठन और भारतीय दलित पैंथर संघ के सदस्यों ने आरएसएस के जुलूस के विरोध में उसी रास्ते से मार्च करने की अनुमति मांगी थी। अगर रविवार को सभी संगठन एक ही रास्ते से मार्च करेंगे, तो भ्रम और कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका है। इसलिए, तहसीलदार नागैया ने कहा था कि किसी भी संगठन को मार्च करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

आरएसएस-भाजपा नेताओं को अपने बच्चों को लाठी-बंदूक चलाने की ट्रेनिंग देनी चाहिए: एमएलसी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद सदस्य मंजूनाथ भंडारी ने सवाल किया कि भाजपा नेताओं को सिर्फ दो बातें पता हैं - पाकिस्तान और मुसलमान। इसके अलावा उन्हें कुछ नहीं पता। अपने दस साल के शासन की वे क्या उपलब्धियाँ बता सकते हैं? अगर मंत्री प्रियांक खड़गे आरएसएस के बारे में कोई बयान देते हैं, तो वे उन्हें देशद्रोही करार दे देते हैं।

प्रियांक खड़गे ने जो कहा, उसमें क्या गलत है? पिछड़े समुदायों के बच्चों को डंडे और बंदूकें देकर आरएसएस किस तरह का प्रशिक्षण दे रहा है? यहाँ आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा सरकार ने साफ तौर पर कहा है कि आरएसएस और अन्य निजी संगठनों को सरकारी मैदानों, स्कूलों या सड़कों पर गतिविधियाँ आयोजित करने से पहले अनुमति लेनी होगी। अनुमति लेने में क्या समस्या है? आरएसएस सौ साल पुराना होने का दावा करता है और देश भर में परेड आयोजित करता है, लेकिन अभी तक इसे आधिकारिक संगठन के रूप में पंजीकृत क्यों नहीं किया गया है? अपंजीकृत संगठन को अपना धन कहाँ से मिलता है? उनके खातों में कितना पैसा है? संविधान के तहत इन मामलों पर सवाल क्यों नहीं उठाया जा सकता?

उन्होंने कहा आरएसएस कानूनी तौर पर एक संगठन भी नहीं है। अगर होता, तो उसे कुछ मानकों का पालन करना पड़ता - मुख्यतः पंजीकरण। चूँकि पंजीकरण नहीं है, इसलिए ऐसे निजी समूहों के सार्वजनिक कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगाने का सरकार का फैसला सही है। मंत्री प्रियांक खड़गे और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सही फैसला लिया है और हम, जिले के सभी कांग्रेसी नेताओं सहित, इसका पूरा समर्थन करते हैं। भंडारी ने कहा अपने छात्र जीवन से ही, मैं आरएसएस और भाजपा के खिलाफ लड़ता रहा हूँ। मैंने येदियुरप्पा से भी सीधे तौर पर बात की। तटीय क्षेत्र का हर कांग्रेसी नेता खड़गे के साथ खड़ा है। जो लोग यह चिल्ला रहे हैं कि आरएसएस पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, वे जनता को गुमराह कर रहे हैं। यह नियम केवल आरएसएस पर ही नहीं, बल्कि सभी निजी संगठनों पर लागू होता है, उन्हें सार्वजनिक स्थानों का उपयोग करने की अनुमति लेनी होगी। हम सभी ने देखा कि मदिकेरी में बच्चों को बंदूक चलाने की ट्रेनिंग कैसे दी जाती थी। क्या यह उचित है कि भाजपा और आरएसएस के नेता अपने बच्चों को शिक्षा और नौकरी के लिए विदेश भेजते हैं, जबकि यहाँ गरीब और पिछड़े समुदाय के बच्चों को हथियारों के लिए उकसाते हैं? हाल के आरोपों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा जैसा कि दिनेश अमीन मट्टू ने दावा किया है, हमारे कॉलेज में कभी भी आरएसएस का कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं हुआ। सृष्टि नामक एक प्रोजेक्ट कार्यक्रम, राज्य के सभी इंजीनियरिंग कॉलेजों के संयुक्त विज्ञान मॉडल कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया गया था, जिसमें एबीवीपी ने भी भाग लिया था। मैं उस कार्यक्रम में इसलिए गया था क्योंकि तत्कालीन मुख्यमंत्री सदानंद गौड़ा ने भी इसमें भाग लिया था। जो लोग आरोप लगाते हैं कि वहाँ एबीवीपी की बैठकें आयोजित की गई थीं, उन्हें सबूत दिखाने चाहिए। ऐसे लोगों ने किस नैतिक आधार पर कांग्रेस एमएलसी का टिकट माँगा? उन्होंने इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के बारे में लिखा, लेकिन कांग्रेस के सिद्धांतों को समझे बिना, अब वे टिकट मांग रहे हैं। अगर ऐसे निराधार आरोप लगते रहे, तो मैं मानहानि का मुकदमा दायर करूँगा।

गृह मंत्री परमेश्वर सड़कों पर नमाज अदा करने की अनुमति न दिए जाने की समीक्षा करेंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि सड़क पर नमाज पढ़ने की अनुमति न देने के मुद्दे की समीक्षा की जाएगी। निजी संगठनों ने तय किया है कि सरकारी जमीन पर उनकी गतिविधियाँ नहीं होनी चाहिए। स्वाभाविक रूप से, मुसलमानों से पूछा जा रहा है कि क्या उन्हें सड़क पर नमाज पढ़ने की अनुमति नहीं दी जा रही है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार एक नियम के लिए दूसरा नियम नहीं बना सकती। सड़क पर गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए समीक्षा की जाएगी। आरएसएस कोई नया संगठन नहीं है। इसका 100 साल पुराना इतिहास है। तब से देश में भ्रम की स्थिति रही है। इस पर बार-बार चर्चा होती रही है। उन्होंने कहा कि सरकारों ने समय-समय पर कदम उठाए हैं। 2013 में जब जगदीश शेट्टर मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने अपनी ही पार्टी के सहयोगी संगठन, आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया था। अगर कांग्रेस सरकार ने कोई आदेश जारी किया होता, तो वे हंगामा मचा देते। जगदीश शेट्टर उस आदेश की अनदेखी कर देते। उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है कि कोई अनावश्यक उकसावे की कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने के बारे में फिलहाल कोई चर्चा नहीं चल रही है। आरएसएस के जुलूस में शामिल पीडीओ का निलंबन उचित है। उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारी निजी संगठनों की गतिविधियों में भाग नहीं ले सकते, सदस्यता प्राप्त नहीं कर सकते और भ्रम की स्थिति में भी उनका जुलूस में शामिल होना उचित नहीं है। हमने पिछली कैबिनेट में निर्णय लिया था कि सरकारी संपत्तियों पर निजी संगठनों की गतिविधियों के लिए कोई जगह नहीं है। इस संबंध में शनिवार शाम एक आधिकारिक आदेश जारी किया गया। इसी के मद्देनजर कलबुर्गी जिले के चित्त-पुर तालुका में आरएसएस के जुलूस को अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि यह नियम सभी संगठनों पर लागू होगा और चाहे वह भीम आर्मी हो या कोई भी संगठन, नियमों का पालन करते हुए अनुमति दी जाएगी। व्यापारी किरण मजूमदार शाह का यह बयान कि हमने खुद बेंगलूरु में गड्ढों को बंद किया है, आपत्तिजनक है। वह काफी प्रभावशाली हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उनकी पहचान है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने बयानों के परिणामों पर ध्यान देना चाहिए। अगर कोई समस्या है, तो उन्हें मुख्यमंत्री से बात करनी चाहिए और उसका समाधान करना चाहिए। इसे छोड़कर, मीडिया से बात करना उचित नहीं है।

हसनम्बा दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालुओं को नियंत्रित करने के लिए पुलिस कर रही कड़ी मशक्कत

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

हसनम्बा में सार्वजनिक दर्शन उत्सव के लिए अब केवल तीन दिन शेष रह गए हैं, और रविवार को यहाँ भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। शुक्रवार सुबह से शनिवार सुबह तक 3.70 लाख से ज्यादा भक्तों ने माता के दर्शन किए हैं, जो एक नया रिकॉर्ड है। जिला प्रभारी मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने बताया कि रविवार को भी यहाँ भक्तों का सैलाब उमड़ रहा है और दर्शन के लिए प्रतीक्षा अवधि और बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग और जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए हैं और बारिश की संभावना को देखते हुए एहतियाती कदम उठाए गए हैं। दिवाली और नवरात्रि के त्योहारों के दौरान हसनम्बा दर्शन उत्सव में हजारों लोग आते हैं और पूरा शहर धार्मिक उत्सव में डूबा हुआ सा लगता है। हसनम्बा में दर्शन के लिए भक्तों का सैलाब उमड़ रहा है और इस बीच, जिला प्रशासन ने दर्शन के शिष्टाचार में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं ताकि भक्तों को दर्शन में कोई बाधा न आए।

इससे मंत्री के पत्र के साथ प्रोटोकॉल के तहत दर्शन के लिए आने वालों पर रोक लग गई है और किसी गणमान्य व्यक्ति का पत्र लेकर आने वाले परिवार के सदस्यों को देवी के दर्शन की अनुमति नहीं है। हसनम्बा मंदिर प्रशासक मारुति ने आदेश दिया है कि केवल मंत्री के साथ आने वालों को ही प्रोटोकॉल के तहत दर्शन दिए जाएँगे और यह बदलाव मंत्री के निर्देशानुसार किया गया है। हसनम्बा दर्शन उत्सव के लिए बेंगलूरु से बड़ी संख्या में परिवहन बसें आ रही हैं, जिससे छात्रों को समय पर मंदिर पहुँचने में कठिनाई हो रही है। दर्शन के लिए कतार लंबी थी और लोगों को दर्शन के लिए दो से तीन घंटे तक इंतजार करना पड़ा। प्रतिदिन तीन से साढ़े तीन लाख श्रद्धालुओं के आने के कारण, श्रद्धालुओं को नियंत्रित करना जिला प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती है।

सुचारू दर्शन व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए चाहे कितने भी उपाय किए जाएं, यह अभी भी मुश्किल है। इससे पहले एसपी मोहम्मद सुजीता ने डिप्टी कमिश्नर के.एस. लताकुमारी को हासन के हसनम्बा मंदिर में आने वाले लोगों की संख्या कम करने के उपाय करने के लिए पत्र लिखा है। उन्होंने आगाह किया है कि श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या से भगदड़ मच सकती है। अपने पत्र में, एसपी ने कहा कि बड़ी संख्या में लोग भगवान के दर्शन के लिए मंदिर आ रहे हैं।

यहाँ तक कि 1,000 और 300 के टिकट खरीदने वालों के लिए भी कतारें कई किलोमीटर लंबी थीं। उन्होंने अपने पत्र में कहा आने वाले दिनों में, त्योहारों की छुट्टियों के कारण मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ सकती है। हासन एक छोटा शहर है और मंदिर के आसपास का इलाका भीड़भाड़ वाला है। अगर लोग इसी संख्या में आते रहे, तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो सकती है, जिससे भगदड़ और अप्रिय घटनाएँ हो सकती हैं। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अन्य जिलों से श्रद्धालुओं को लाने वाली केएसआरटीसी बसों की संख्या सीमित की जानी चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि अगर श्रद्धालुओं की संख्या पर प्रतिबंध लगाने के लिए कोई उपाय न होने के कारण भगदड़ मचती है, तो पुलिस विभाग जिम्मेदार नहीं होगा। मंदिर 10 अक्टूबर को श्रद्धालुओं के लिए खोला गया था। तब से, हर दिन लाखों लोग मंदिर में दर्शन के लिए आ रहे हैं। केएसआरटीसी ने इस मांग को पूरा करने के लिए विशेष बसें शुरू की हैं। श्रद्धालु भगवान के दर्शन के लिए कई घंटों से इंतजार कर रहे हैं। शनिवार सुबह से पहले के 24 घंटों में, 3.7 लाख से ज्यादा लोगों ने मंदिर में दर्शन किए। राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा, जो हासन जिले के प्रभारी मंत्री भी हैं, वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भीड़ को संभालने में लगे हुए हैं। मंदिर 23 अक्टूबर को बंद रहेगा।

विजयेंद्र ने चित्तपुर में जुलूस के लिए उच्च न्यायालय की अनुमति पर खुशी व्यक्त की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने चित्तपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जुलूस को अनुमति देने वाले सर्वोच्च न्यायालय के फैसले पर खुशी जताई है और इसे लोकतंत्र की जीत बताया है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया कि कलबुर्गी संचारी पीठ ने दो नवंबर को चित्तपुर में आरएसएस के जुलूस को अनुमति दी। उन्होंने

कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने लोकतंत्र के अधिकार को छीनने की कोशिश कर रही कांग्रेस सरकार को करारा तमाचा मारा है और संविधान की गरिमा को बरकरार रखा है। जिन्होंने चित्तपुर में आरएसएस के जुलूस को रोकने की कोशिश की, उन्हें अपमानित किया गया है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि अदालत के फैसले ने न केवल यह स्पष्ट संदेश दिया है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में तानाशाही शासन के लिए कोई जगह नहीं है, बल्कि संविधान के बारे में दिनदहाड़े बकवास करने वालों को भी करारा सबक सिखाया है। कानून-व्यवस्था की स्थिति में सांस्कृतिक और जनजागरण कार्यक्रमों की अनुमति देना सरकार का कर्तव्य है, लेकिन फैसले ने यह संदेश दिया है कि अगर कानून-व्यवस्था के नाम पर लोकतांत्रिक व्यवस्था का गला घोंटा जाएगा, तो देश का संविधान इसकी इजाजत नहीं देगा। उन्होंने कहा कि देशभक्त संगठनों को कुचलने की कांग्रेस की कुटिल नीति का न्यायालय के फैसले से अंत हो गया है।

लाठी पकड़ने से सिर्फ डर पैदा होता है, उम्मीद नहीं: हरिप्रसाद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस विधान परिषद सदस्य बी.के. हरिप्रसाद ने पलटवार करते हुए कहा है कि हाथ में डंडा लेकर लोगों में डर पैदा किया जा सकता है, लेकिन उम्मीद जगाकर नहीं। इस बारे में सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय संगठन सचिव बी.एल. संतोष पर पलटवार किया। उन्होंने कहा बाबा साहब द्वारा दिए गए संविधान की बदौलत ही देश के लोगों में आत्मविश्वास, साहस

और उम्मीद का संचार हुआ है। नफरत की गली में जहां जुलूस निकल रहे हों, वहाँ प्यार कैसे पैदा हो सकता है? उन्होंने कहा कि लाठी, लाठियों और बूटों से जुलूस निकालकर समाज में डर और नफरत का माहौल बनाया जा रहा है। यह स्पष्ट है कि इन जु-लूसों का उद्देश्य डर का माहौल बनाना है। अगर आरएसएस कोई पैसा देकर बनाया गया संगठन नहीं है, तो फिर देश-विदेश से आने वाले पैसे का जिम्मेदार कौन है? आरएसएस न तो कोई सरकारी संगठन है और न ही कोई गैर-सरकारी संगठन, कम से कम पंजीकृत तो नहीं, जो समाज की सेवा करता हो। तो क्या यह एक भूमिगत संगठन नहीं है? क्या सिर्फ आरएसएस को विदेश से पैसा मिलने की वजह से ही एनजीओ के लिए विदेशी चंदा बंद कर दिया गया है? अपने सौ साल के इतिहास में लाठी लेकर किए गए पथ संचलन से समाज को क्या फायदा हुआ है। क्या पथ संचलन में लाठी लेकर शांति-व्यवस्था भंग करना कोई उपलब्धि है? लाठी लोगों के हाथ में न आने दें और उनकी सेवा करें। अगर आप जल्द नहीं जागे तो संघ जिंदा नहीं बचेगा।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

आरएसएस के खिलाफ कार्रवाई लक्षित नहीं, बल्कि सार्वजनिक अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए है: मंत्री

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उच्च शिक्षा मंत्री एम. सी. सुधाकर ने स्पष्ट किया है कि आरएसएस की गतिविधियों से संबंधित हालिया नियामक कार्रवाई विशेष रूप से संगठन पर लक्षित नहीं है, बल्कि सार्वजनिक स्थानों के उपयोग में व्यवस्था और अनुशासन स्थापित करने के लिए है। उन्होंने कहा कि ये नियम सभी संगठनों पर समान रूप से लागू होते हैं और अनधिकृत या संभावित रूप से विघटनकारी सार्वजनिक आयोजनों से बचने के लिए आवश्यक हैं। उडुपी में मीडिया से बात करते हुए, सुधाकर ने कहा सार्वजनिक स्थानों पर सभी जातियों और धर्मों के लोग आते हैं। कुछ गतिविधियां विरोध को आमंत्रित कर सकती हैं या अव्यवस्था पैदा कर सकती हैं। इसलिए, किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम के आयोजन

से पहले अनुमति लेनी आवश्यक है। यह केवल आरएसएस पर लक्षित नहीं है। यह सभी संगठनों पर लागू होता है। इसका उद्देश्य सार्वजनिक गतिविधियों में व्यवस्था और अनुशासन लाना है। मंत्री ने स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा एसएसएलसी और पीयूसी परीक्षाओं के लिए न्यूनतम उत्तीर्ण अंक 35 से घटाकर 33 करने के हालिया फैसले पर भी प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि इस मामले की गहन जाँच की आवश्यकता है। उन्होंने कहा उत्तीर्ण प्रतिशत में गिरावट को लेकर चर्चाएँ जारी हैं। हालाँकि स्कूल शिक्षा मंत्री ने उत्तीर्णांक कम करने का आदेश जारी किया है, लेकिन इसके निहितार्थों को समझने के लिए और विचार-विमर्श की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री को इस मुद्दे से अवगत करा दिया गया है। मेरे विचार से, इस तरह का निर्णय विस्तृत अध्ययन के बाद लिया जाना चाहिए।

सुधाकर ने कहा हमें स्कूल शिक्षा मंत्री के इस कदम के पीछे के तर्क के बारे में पूरी जानकारी नहीं है। बिना गहन विश्लेषण के न्यूनतम अंक कम करना उचित नहीं लगता। इस मामले पर कैबिनेट बैठक में चर्चा हुई और मुख्यमंत्री ने शिक्षा मंत्री को आगे विचार-विमर्श करने का निर्देश दिया है।

सुधाकर ने कर्नाटक सरकार द्वारा कराई जा रही जाति जनगणना के संबंध में इंफोसिस से जुड़े लोगों द्वारा हाल ही में दिए गए बयानों पर भी अपनी राय दी। उन्होंने बताया हम इंफोसिस और राज्य, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर आईटी क्षेत्र में सुधा मूर्ति और नारायण मूर्ति के योगदान का गहरा सम्मान करते हैं। जाति सर्वेक्षण शैक्षणिक, आर्थिक और सामाजिक प्रकृति का है। इस प्रक्रिया के तहत, सभी से अपनी जाति और धर्म बताने के लिए कहा जाता है। उन्होंने सर्वेक्षण के खिलाफ उठाई गई आपत्तियों के समय और प्रकृति पर सवाल उठाए।

उन्होंने पूछा कांग्रेस सरकार अभी जाति जनगणना करा रही है। लेकिन अगले साल, केंद्र सरकार भी ऐसा ही करेगी। क्या तब भी विरोध होगा? प्रभावशाली लोगों से अपने सार्वजनिक प्रभाव के प्रति सचेत होकर काम करने का आग्रह करते हुए, सुधाकर ने कहा बड़ी संख्या में लोग आपकी ओर देखते हैं। युवा देख रहे हैं और मार्गदर्शन चाहते हैं। बेहतर होता अगर ऐसे बयान सोच-समझकर दिए जाते।

महावीर इंटरनेशनल द्वारा मिठाई का वितरण

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। दीपावली के पावन अवसर पर महावीर इंटरनेशनल हुब्बल्ली शाखा द्वारा एक सराहनीय सेवा कार्य के अंतर्गत केशवपुर सब्जी मंडी में कार्यरत सब्जी विक्रेताओं को 160 मिठाई पैकेटों का वितरण किया गया। यह पहल समाज में सकारात्मक ऊर्जा, भाईचारे और सेवा भावना का संदेश देती है। इस सेवा परियोजना के सफल आयोजन में शाखा अध्यक्ष रमेश ओस्तवाल के नेतृत्व में नरेंद्र रांका, गौतम बागरेचा, अशोक ओस्तवाल, प्रकाश पारेख, सुनील लड्ढा और ललित जैन सहित कई सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। साथ ही, वीर और वीरा सदस्यों की उपस्थिति और सहभागिता ने इस आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। सब्जी विक्रेताओं द्वारा दी गई शुभकामनाएं और आशीर्वाद इस बात का प्रतीक हैं कि सेवा कार्य का मूल्य भले ही मापा न जा सके, पर उसका प्रभाव अत्यंत गहरा और अमूल्य होता है। इस अवसर पर महावीर पालरेचा, विजय गोलेछा, दिनेश संघवी, सुरेश मेहता, अनिल सुराना सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

जैन संस्कार विधि फिजूल खर्ची एवं हिंसा से बचने का बेजोड़ मार्ग: साध्वी संयमलता जी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अभातेयुप निर्देशित दीपावली पूजन कार्यशाला जैन संस्कार विधि से तेरापंथ भवन विजयनगर में साध्वी श्री संयम लता जी के पावन सानिध्य में मनाई गई। साध्वी श्री संयमलता जी ने कहा आचार्य श्री तुलसी जैनाचार्य परंपरा के ऐसे हस्ताक्षर थे, जिन्होंने अपने बहुआयामी आयामों से समग्र मानवीय चेतना को सकृत किया। जैन परंपरा व संस्कृति को समृद्धि प्रदान करने हेतु अपने विविध मुखी प्रयत्न किये, उन प्रयत्नों में से एक सशक्त प्रयत्न है जैन संस्कार विधि। धर्म क्षेत्र समाज पर्व एवं त्योहार में सांस्कृतिक मूल्य प्रतिबिंबित होने का अच्छा अवसर है। जैन संस्कार विधि फिजूल खर्ची एवं हिंसा से बचने का बेजोड़ मार्ग है। अतः सभी लोग इस विधि से अपने त्योहारों को मना कर आत्मा एवं देश विकास में योग भूत बने। तेयुप विजयनगर ने दीपावली पूजन कार्यशाला में अच्छी विधि एवं मंत्रों का महत्व बताया। श्री संस्कारक राकेश दूधोड़िया, भंवरलाल मांडोत एवं आशीष सिंघी ने उपस्थित सम्पूर्ण श्रावक समाज को दीपावली पूजन जैन संस्कार विधि से कैसे बनाएं इसकी संपूर्ण जानकारी दी। इस अवसर पर तेयुप विजयनगर प्रबंध मंडल से प्रदीप बाबेल, पवन बैद, करण मांडोत सहित कार्यकारिणी सदस्य एवं विजयनगर समाज के लोग उपस्थित थे।

धन के लोभ में अंधे बने व्यक्ति को न्याय नीति नहीं दिखती: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि देव देवालयों की अद्भुत भूमि भारत वर्ष की पुण्य धरा पर त्योहारों का अपना एक विरल महत्व और इन पर्वो से जुड़ी है भिन्न भिन्न मान्यताएँ है।

जी हा आज स्वयं का आत्ममंथन कर सही अर्थों में दीपावली पर्व को मनाने की उल्लासित आत्मानंद की प्राप्ति करनी है।

दीपावली पर्व में धन्य तेरस के पश्चात हम चौदस के दिन को रूप चौदस, यम चतुर्दशी, या नर्क चतुर्दशी और छोटी दीवाली के नाम से जानते है। दीपावली में

लक्ष्मी माता, सरस्वती माता की साधना के विधान है तो दूसरी ओर जैन परम्परा में महावीर प्रभुजी ने आज ही के दिन 16 प्रहर (48 घंटे) की देशना दी थी, जिसकी प्रतिकृति रूप आज उतराध्ययन सूत्र आगम में विद्यमान है। वीरजी ने ये देशना देकर भव्य जीवों पर महान उपकार किया। लक्ष्मी माँ की साधना धन सम्पदा हेतु, सरस्वती माँ की साधना ज्ञान प्राप्ति हेतु है। महावीर प्रभु ने अपनी देशना में कहा था कि

इस संसार में जीवात्मा के चार प्रकार के पुरुषार्थ प्रसिद्ध हैं धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष ये चार पुरुषार्थ कहलाते हैं, परतु इन चारों में अर्थ और काम तो नाम के ही पुरुषार्थ है। परिणामस्वरूप ये तो अनर्थ पैदा करने वाले हैं। आज व्यक्ति ज्यादा से ज्यादा धन कमाना चाहता है। येन केन उपाय से धनोपार्जन करना चाहता है। धन के लोभ में अंधे बने व्यक्ति को न्याय नीति नहीं दिखती। यहीं से राग-द्वेष कषायों का माया जाल शुरू होता है, जिसमे एक बार फंसे तो फंसते ही चले जाते है। जबकि उपरोक्त विषयों की विजेता आत्मा तो अंततः शाश्वता अजरामर मोक्ष पद की भोक्ता बनती हैं।

लेकिन इस जीवन में सबके लिए यदि सर्वथा त्याग तो संभव नहीं है, लेकिन हम इतना तो कर ही सकते है कि हमारे मानसपटल पर पड़े अज्ञानरूपी अंधकार को हटाकर किसी के प्रति राग द्वेष ना रखे। सबके साथ समान व्यवहार करें। हमारी वाणी वर्तन व्यवहार से किसी भी जीवमात्र को दुख ना पहुँचे। शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान के 108 अभिषेक का लाभ बोरटा निवासी शांतिलाल पुखराज भंडारी ने लिया। बुधवार को सुबह गौतम रास मांगलिक श्रवण कराया जायेगा।

तप आत्मा से कर्मों को करता है अलग: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में विराजित साध्वी निर्मलाजी के सानिध्य में साध्वी उपासना ने उत्तराध्ययन सूत्र के 30वें अध्ययन 'तपो मार्ग गति' का विवेचन करते हुए कहा कि यह अध्ययन तप की राह पर साधक की पराक्रमपूर्ण यात्रा का मार्गदर्शन करता है। तप आत्मा का आभूषण है, यह शरीर को नहीं, कर्मों को जलाने की अग्नि है।

तप शुद्धिकरण की प्रक्रिया है। जैसे अग्नि सोने से खोट निकालती है, वैसे ही तप आत्मा से कर्मों को अलग करता है। कर्म निर्जरा ही तप का परम उद्देश्य है। शरीर की तपस्या केवल साधन है, लक्ष्य है आत्मा की निर्मलता। साध्वी ने स्पष्ट किया कि जब तप

यश, प्रदर्शन या आकांक्षा से प्रेरित हो, तो वह 'कपट-तप' बन जाता है। सम्यक् तप वही है, जो निष्कपट भाव, शुद्ध संकल्प और आत्मिक उन्नयन की भावना से किया जाए। उन्होंने कहा कि तप दो प्रकार का है कि बाह्य तप और आभ्यन्तर तप। दोनों आत्मिक यात्रा के पूरक हैं, एक दूसरे के बिना अपूर्ण हैं। साध्वी उपासना ने कहा प्रायश्चित्त आत्मा को विनम्र बनाता है, विनय उसे सुपात्र बनाता है, स्वाध्याय उसे ज्ञानी बनाता है और ध्यान-व्युत्सर्ग उसे मुक्त बनाते हैं। ये सभी तप परस्पर एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं। प्रायश्चित्त के बिना विनय नहीं, विनय के बिना स्वाध्याय नहीं, स्वाध्याय के बिना ध्यान और व्युत्सर्ग पूर्ण नहीं हो सकते। इस प्रकार बाह्य और आभ्यन्तर तप मिलकर आत्मा को भोग से योग, विभाव से स्वभाव और शारीरिकता से आत्मिकता की ओर ले जाते हैं। साध्वी ने बताया कि तप के सम्यक् आचरण से साधक कर्म-बंधन से मुक्त होकर आत्मस्वरूप में स्थित होता है। ऐसा मुनि शीघ्र ही संसार-सागर से पार उतर जाता है। असंयम से निवृत्ति और संयम में प्रवृत्ति ही मोक्ष-सागर से पार उतारने वाली चरण-विधि है। जो साधक राग-द्वेष, अहंकार, कषायों एवं प्रमाद का त्याग कर पांच महाव्रत, समितियां, गुप्तियां और इन्द्रिय-विजय में यत्नशील रहता है, वही आत्म-शुद्धि की चरम सीढ़ी पर पहुँचता है। यह अध्ययन जैन भिक्षु के तपोमार्ग की विस्तृत आचार-संहिता का निरूपण करता है। साध्वी ऋषिता ने उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन किया और साध्वी निर्मला ने मंगलपाठ के साथ आराधना का शुभ समापन किया। प्रणीत जैन ने स्तवन प्रस्तुत किया। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु सिटी पुलिस द्वारा यूनिवर्सिटी खेल मैदान में आयोजित क्रिकेट स्पर्धा गुरु शिष्य कप 2025 के समापन समारोह में विजेता टीम को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत मौजूद रहे।

परिजनों ने केएसआरटीसी बस ड्राइवर की मौत के बाद आंखें की दान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बीमारी के कारण इलाज के लिए बेंगलूरु के एक अस्पताल में भर्ती कराए गए एक राज्य परिवहन बस चालक की मृत्यु हो गई है, और वह अपनी दो आंखें दान करके मृत्यु के बाद भी देखने लायक बन गए। कसाबा होबली के टेंगिनमरोड्डी गांव के एस. सुरेश की शुक्रवार को इलाज के अभाव में मौत हो गई। वह शहर के राज्य परिवहन डिपो में ड्राइवर के रूप में कार्यरत थे और तीन दिन पहले पेट दर्द के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अप्रभावी उपचार के कारण उनकी मृत्यु हो गई। सुरेश, जो अविवाहित थे, के परिवार में उनकी मां और एक भाई है। दुख के बावजूद मृतक के परिजन सुरेश की दोनों आंखें दान करने के लिए राजी हो गए और कहा कि उन्होंने उनकी आंखें इसलिए दान की हैं ताकि सुरेश की आंखें फिर से दुनिया देख सकें। सुरेश की आंखें दो नेत्रहीनों की जिंदगी में नई रोशनी लेकर आई हैं। मृत्यु के बाद भी उन्होंने नेत्रदान किया और दूसरों के लिए आदर्श बन गये। परिवहन बस स्टेशन पर सुरेश के पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन की व्यवस्था की गई। चालक-परिचालकों और जनता ने उनके अंतिम दर्शन किए।

तटीय समेत 7 जिलों में भारी बारिश का अनुमान, 21 अक्टूबर तक यलो अलर्ट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र ने उडुपी, दक्षिण कन्नड़, चिक्कमगलूरु, चामराजनगर, हासन, कोडागु और मैसूरु सहित सात जिलों में 21 अक्टूबर तक भारी बारिश की आशंका के चलते येलो अलर्ट जारी किया है। कर्नाटक के तटीय जिलों में इस दौरान हवा की गति 55 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती है। मौसम विभाग ने मछुआरों को सलाह दी है कि वे स्थिति में सुधार होने तक समुद्र में

न जाएं। शनिवार को कई इलाकों में भारी बारिश दर्ज की गई। उडुपी के नादपालुवु में 9.8 सेमी, हासन के हेब्बल में 8.8 सेमी, उडुपी के करकला में 8.8 सेमी, चिक्कमगलूरु के श्रृंगेरी में 8.5 सेमी और बेंगलूरु में 3 मिमी बारिश दर्ज की गई। विभाग ने निवासियों से सावधानी बरतने और सुरक्षित रहने के लिए मौसम संबंधी अपडेट का पालन करने का आग्रह किया है।

अब निवेशक बागों के शहर बेंगलूरु में निवेश करने में झिझक रहे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु की मौजूदा स्थिति में रियल एस्टेट उद्योग, जमीन और सोने में निवेश न करने की सलाह दी जाती है। अत्यधिक ट्रैफिक जाम, सड़क के गड्ढों की असन-लझी समस्या, बिजली दरों में वृद्धि, बुनियादी ढांचे की कमी के कारण व्यवसायों का पलायन, ध्वस्त रियल एस्टेट उद्योग, हजारों फ्लैट खाली हैं, आईटीबीटी कंपनियों सहित बड़ी कंपनियों में हजारों नौकरियों में कटौती हो रही है। कई विशेषज्ञों ने कहा कि यह राजधानी बेंगलूरु की छवि है जो अकेले आईटीबीटी सेक्टर में 20 से 30 फीसदी टैक्स चुकाता है। यहां निवेशकों का तांता लगा रहा। बेंगलूरु शहर प्रतिस्पर्धा का गवाह था, क्योंकि विभिन्न कंपनियों ने उद्योग स्थापित किए और लाभ कमाया और बेरोजगारी की समस्या का भी समाधान किया। कश्मीर से कन्याकुमारी तक, जो एक आईटी हब के रूप में प्रसिद्ध था, कई नौकरी चाहने वाले लोग यहां आए और बस गए। विदेशी कंपनियों ने भी बेंगलूरु में भारी निवेश किया और बड़ी कंपनियां स्थापित कीं और भारी मुनाफा कमाया। इंफोसिस, एक्सेंचर, विप्रो, एलएंडटी, टाटा कंसल्टिंग कंपनी, नेस्ले कंपनी समेत सैकड़ों कंपनियां यहां स्थापित हो रही थीं और लाखों नौकरियां दे रही थीं। फिलहाल बेंगलूरु की हालत खस्ता है। बुनियादी ढांचे की कमी के साथ-साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के विस्तार के कारण सॉफ्टवेयर कंपनियों में हजारों नौकरियों में कटौती की जा रही है। टीसीएस कंपनियों में 6 हजार, नेस्ले में 16 हजार समेत कई कंपनियों में पहले ही हजारों कर्मचारियों को घर भेजा जा चुका है। इसके अलावा, बेंगलूरु के आसपास हजारों अपार्टमेंट खुल गए हैं क्योंकि इन कंपनियों ने यहां के कर्मचारियों पर भरोसा किया है और उन्हें यहां अपना लिया है। लेकिन इन कंपनियों में रोजगार कम होने के कारण, बुनियादी ढांचे की कमी के कारण, कंपनियां दूसरे राज्यों में स्थानांतरित हो रही हैं और अपार्टमेंट खाली हो रहे हैं। साथ ही आंध्र जैसे अन्य राज्यों में भी नई कंपनियां और उद्योग स्थापित किए जा रहे हैं। हजारों लोगों के लिए रोजगार के अवसर हैं। शहर में रियल एस्टेट उद्योग ने रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी है। सरकारी योजना गृह ज्योति (मुफ्त बिजली) के अलावा उद्योगों समेत सभी क्षेत्रों में बिजली की दरें बढ़ा दी गई हैं, जिससे औद्योगिक क्षेत्र को भी नुकसान हुआ है। इसलिए ऐसी स्थिति है कि निवेशक पहले की तरह बेंगलूरु शहर में निवेश करने से झिझकते हैं। सोने और चांदी की कीमतें आसमान छू रही हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पीली धातु की खरीदारी पर भारी असर पड़ रहा है। इसलिए मौजूदा स्थिति में सलाह है कि सोना-चांदी, रियल एस्टेट इंडस्ट्री और जमीन में निवेश न करें। कई विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि लोगों को अगले दो या तीन साल तक इनमें निवेश नहीं करना चाहिए।

ललन सिंह बोले- 2020 में सीएम नहीं बनना चाहते थे नीतीश कुमार, पीएम मोदी ने आग्रह किया तब मान गए

पटना, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीयज जनतांत्रिक गठबंधन में सीएम फेस पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान के बाद शुरू हुआ सियासी घमासान जारी है। एक ओर से कांग्रेस लगातार यह कह रही है कि एनडीए ने नेताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि नीतीश कुमार अब मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। वहीं दूसरी ओर से एनडीए ने नेता गृह मंत्री अमित शाह के बयान का समर्थन कर रहे हैं। पहले चिराग पासवान और अब सीएम नीतीश कुमार के सबसे ज्यादा करीबी कहे जाने वाले केंद्रीय

मंत्री ललन सिंह ने अमित शाह के बयान का समर्थन किया है। बाढ़ विधानसभा क्षेत्र में अचुअ-ारा समेत कई गांवों का जनसंवाद किया। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार और पीएम मोदी के विकास कार्यों के बारें में लोगों को जानकारी दी। वहीं गृह मंत्री अमित शाह के मुख्यमंत्री पद को लेकर दिए गए बयान पर स्पष्ट कहा कि गृह मंत्री के बयान पर तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है।

ललल सिंह ने कहा कि अमित शाह ने तीन बातें कहीं। इसकी चर्चा नहीं की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हमलोग नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं। दूसरी बात यह कि 2020 के विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहते थे लेकिन जब पीएम नरेंद्र मोदी ने फोन कर उनसे आग्रह किया तब जाकर वह माने। ललल सिंह ने कहा कि हर विधानसभा चुनाव के बाद विधायक दल की बैठक होती है, तब मुख्यमंत्री चुने जाते हैं। पिछली बार भी ऐसा ही हुआ। लेकिन, कुछ लोग गृह मंत्री के बयानों को लेकर नेरेटिव सेट करना चाहते हैं, जो कि गलत है। ललन सिंह ने मोकामा विधानसभा में बाहुबली अनंत सिंह की जीत का दावा किया। कहा कि हमलोग बहुमत से जीत रहे हैं।

बता दें कि गृह मंत्री अमित शाह से एक चैनल पर दिए गए इंटरव्यू में जब सवाल किया गया कि अगर बिहार चुनाव में एनडीए जीतता है तो क्या आप नीतीश कुमार बनाएंगे? तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि मैं भला कौन होता हूं किसी को मुख्यमंत्री बनाने वाला। इतनी सारी पार्टियों का गठबंधन है। बिहार चुनाव के बाद जब सभी दल एकजुट होंगे विधायक दल के नेता बैठेंगे तो अपना नेता तय कर लेंगे।

हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ रहा है नीतीश कुमार पर न सिर्फ भाजपा बल्कि बिहार की जनता को भी पूरा भरोसा है। गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कहा कि मुख्यमंत्री कौन होगा? इसका फैसला विधायक दल के नेता आपस में बैठकर तय कर लेंगे।

जकार्ता से मदीना जा रहे सऊदिया एयरलाइंस के विमान की केरल में इमरजेंसी लैंडिंग

तिरुवनन्तपुरम

इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता से सऊदी अरब के मदीना जा रही सऊदिया एयरलाइंस की एक उड़ान को रविवार को केरल के तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन स्थिति में उतारना पड़ा।

विमान में यात्रा कर रहे एक इंडोनेशियाई यात्री की अचानक तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गया। पायलट ने तुरंत स्थिति की सूचना हवाई यातायात नियंत्रण को दी, जिसके बाद विमान को सुरक्षित रूप से तिरुवनंतपुरम में उतारा गया। हवाई अड्डे पर पहले से मौजूद मेडिकल टीम ने यात्री को प्राथमिक उपचार दिया और फिर उसे अनंतपुरी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

इस बीच, एयर इंडिया ने उड़ान संख्या अख138 के यात्रियों के लिए 19 अक्टूबर को मिलान से दिल्ली के लिए एक अतिरिक्त उड़ान संचालित करने की घोषणा की है। यह उड़ान संख्या एआई138डी तकनीकी समस्या के कारण 17 अक्टूबर को रद्द कर दी गई थी। दिवाली पर घर लौट रहे 256 यात्री पिछले शुक्रवार से मिलान में फंसे हुए हैं। एयरलाइन के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर (तढ-अछछ) को पहले मिलान में उतरते समय तकनीकी समस्या का सामना करना पड़ा था, जिसके कारण उसे दिल्ली के लिए वापसी यात्रा संचालित नहीं कर पाई थी।

एक्स पर एक पोस्ट में, एयर इंडिया ने कहा कि उड़ान संख्याएआई138डी मिलान से 1900 बजे (स्थानीय समय) प्रस्थान करेगी और 20 अक्टूबर की सुबह दिल्ली पहुंचेगी। एयर इंडिया ने यह भी कहा कि उसने प्रभावित यात्रियों को होटल आवास और भोजन सहित सभी तत्काल सहायता प्रदान की है। उसने कहा, 'यात्रियों की पसंद के अनुसार पूर्ण धनवापसी या मानार्थ पुनर्निर्धारण की भी पेशकश की गई है।

बेटी की शादी के जेवर और कैश लेकर फरार हुआ पिता, प्रेमिका संग मंदिर में की शादी, कनाडा भागने की थी तैयारी

कोच्चि, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रेम में डूबा 50 साल का एक अधेड़ उम्र का व्यक्ति अपनी प्रेमिका के साथ भाग गया। घर में बेटी की शादी की तैयारियां चल रही थीं। बेटी की शादी के लिए घर पर जो भी कैश और जितना भी जेवर रखा था, वह साथ ले गया। शख्स प्रेमिका से फेसबुक पर मिला था। मामला कुन्नाथुनाडु के पास वेंगोला का है। शख्स का नाम सुरेंद्रन (बदला हुआ नाम) है, जबकि उसकी पत्नी तिरुवनंतपुरम की रहने वाली है और कनाडा में नौकरी करती है। दोनों का प्लान कनाडा भाग जाने का था।

सुरेंद्रन की बेटी ने पिता के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई है। इंस्पेक्टर टी.एम. सूफी के नेतृत्व में पेरुंबवूर पुलिस की एक टीम ने सुरेंद्रन और उसकी प्रेमिका को तिरुवनंतपुरम में खोज निकाला। एर्नाकुलम ग्रामीण पुलिस के एक सूत्र ने बताया की शख्स से कैश और जेवर रिकवर कर लिया गया है।पुलिस ने बताया कि सुरेंद्रन की उसकी बेटी से फ़ोन पर बात कराई गई, जिसके बाद वह शादी में शामिल होने और रस्में निभाने के लिए राज़ी हो गया। इसके बाद शिकायत वापस ले ली गई, क्योंकि दोनों पक्ष मामले को ख़त्म करना चाहते थे। सुरेंद्रन की बेटी ने बताया कि उसकी शादी तय हो गई थी। घर में सोने के पांच सिक्के और अच्छी-खासी नगदी रखी थी। यह सब कमरे में एक शेल्फ में रखा था। परिवार तैयारियों में व्यस्त था। शादी से एक हफ्ते पहले जब सुरेंद्रन की पत्नी ने सामान गायब देखा तो हैरान हो गई। उन्होंने यह बताने के लिए पति को कॉल की तो उसका फोन बंद था। वह पति के लौटने का इंतजार करने लगीं। हालांकि वह देर रात तक नहीं लौटा। कुछ गड़बड़ होने का आभास होने पर, उसने आखिरकार अपनी बेटी को गायब हुए कीमती सामान के बारे में बताया। इसके अलावा, परिवार ने सुरेंद्रन के लौटने का दो दिन और इंतज़ार किया, लेकिन जब वह नहीं लौटा, तो उन्होंने पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने कहा कि हमने मामले को संवेदनशीलता और सावधानी से निपटाने का फैसला लिया। शुरुआत में, हमने सुरेंद्रन से फ़ोन पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। फिर पुलिस ने उसकी कॉल रेकॉर्ड निकाली तो सामने आया कि एक खास नंबर पर सुरेंद्र की सबसे ज्यादा बात हुई है। वह घंटों उस नंबर पर बात करता था। पुलिस ने उस नंबर को ट्रैक किया। सूफी ने कहा कि हमने उसे अपने परेशान परिवार के पास घर लौटने की सलाह दी। चूंकि वह लगातार अपने व्यवहार में बदलाव नहीं ला रहा था, इसलिए हमने उससे अनुरोध किया कि वह कम से कम अपने परिवार से मिल ले या शादी में शामिल हो जाए। उसने यह कहते हुए इनकार कर दिया कि वह अपने नए प्यार से अलग नहीं हो सकता। पुलिस ने तिरुवनंतपुरम पुलिस की मदद से उस कपल का पता लगाया। इसके बाद, पुलिस ने सुरेंद्रन से फिर संपर्क किया और बातचीत के दौरान, उसकी बेटी ने उससे अपनी शादी में शामिल होने का अनुरोध किया।जांच से पता चला कि सुरेंद्रन और उसकी प्रेमिका, जो कनाडा में काम करती है, फेसबुक पर मिले थे। उनकी दोस्ती धीरे-धीरे गहरी होती गई। दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो गया। उन्होंने शादी की योजना बनाई और फिर तमिलनाडु के एक मंदिर में शादी भी कर ली। पुलिस ने बताया कि महिला भी शादीशुदा थी और उसका पति कनाडा में रहता है। सुरेंद्रन का एक छोटा बेटा भी है।

नामांकन रद्द होने के बाद निर्दलीय उम्मीदवार विश्वनाथ सिंह का धरना, प्रशासन ने लिया हिरासत में

पटना, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भोजपुर जिले की बड़हरा विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार और जदयू नेता विश्वनाथ सिंह का नामांकन रद्द होने के बाद उन्होंने अनुमंडल कार्यालय के बाहर धरना दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि उनका नामांकन राजनीतिक दबाव में रद्द किया गया है और इसे लोकतंत्र की हत्या बताया। भोजपुर जिले की बड़हरा विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार और जदयू नेता विश्वनाथ सिंह का नामांकन रद्द होने के बाद शनिवार को राजनीतिक हलचल तेज हो गई। नामांकन रद्द होने से नाराज विश्वनाथ सिंह अनुमंडल कार्यालय के समक्ष धरने पर बैठ गए। करीब एक घंटे तक शांतिपूर्ण धरना देने के बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर नवादा थाना भेज दिया।

धरना के दौरान विश्वनाथ सिंह ने कहा कि उनका सारा कागजात पूरी तरह सही था, फिर भी राजनीतिक दबाव में उनका नामांकन रद्द कर दिया गया। उन्होंने इसे लोकतंत्र की हत्या बताते हुए कहा कि उनके साथ अन्याय हुआ है और उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त से निष्पक्ष जांच की मांग की है।

विश्वनाथ सिंह ने बताया कि वे सुबह से निर्वाचन कार्यालय में मौजूद थे, लेकिन शाम तीन बजे के बाद उन्हें सूचित किया गया कि उनका नामांकन रद्द कर दिया गया है। इससे नाराज होकर उन्होंने आमरण अनशन शुरू कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। इस दौरान उनके समर्थक भी बड़ी संख्या में अनुमंडल कार्यालय पहुंच गए।

नैना ने बिहार कांग्रेस के नेताओं पर लगाया आरोप

राहुल गांधी के साथ बिहार कांग्रेस के कुछ नेताओं ने किया धोखा: नैना

गयाजी, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बिहार के गया जिले की जिला परिषद अध्यक्ष और कांग्रेस नेत्री नैना कुमारी ने बिहार कांग्रेस संगठन पर टिकट वितरण को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि टिकट वितरण की प्रक्रिया में राहुल गांधी के विजन और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के साथ खुला विश्वासघात किया गया है। नैना कुमारी ने मांग की है कि इस पूरे प्रकरण की तत्काल समीक्षा कर मगध की धरती पर सामाजिक संतुलन बहाल किया जाए। इससे पहले पटना के बिक्रम विधानसभा के सैंकड़ो कार्यकर्ताओं ने कृष्णा अल्लावरु और राजेश राम को एयरपोर्ट पर भी घेर लिया था। धांधली के आरोप में पटना एयरपोर्ट पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भारी बवाल काटते हुए मारपीट तक कर दी थी।

नैना कुमारी ने कहा कि मगध क्षेत्र में गठबंधन के तहत मिली 60 सीटों में से मात्र 6 सीटें सामान्य वर्ग को और एक सीट आरक्षित वर्ग को दी गई हैं। यह निर्णय न केवल असंतुलित है, बल्कि कांग्रेस की मूल विचारध-ारा और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि टिकट वितरण में हर तरह की धांधली की गई है, जिससे राहुल गांधी की समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने की सोच को ठेस पहुंची है।

नैना के अनुसार 'राहुल गांधी ने कहा था कि महिलाओं, पिछड़े वर्गों, अति पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों को मुख्यधारा में लाया जाना चाहिए। उसी तरह, मैं भी अति पिछड़े समुदाय की एक महिला हूं।

मेरा जो हिस्सा होना चाहिए था, वह मुझे न देकर किसी और को दे दिया गया। यह हमारे लिए बहुत अपमान और दुःख की बात है।' उन्होंने बिहार कांग्रेस के कुछ नेताओं पर पक्षपातपूर्ण रवैये का आरोप लगाया। नैना कुमारी ने कहा कि कई नेताओं ने टिकट वितरण में निजी स्वार्थों को प्राथमिकता दी और राहुल गांधी की नीतियों को दरकिनार किया।

उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी हमेशा दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्गों के सशक्तीकरण की बात करते हैं, लेकिन बिहार में उनके नाम पर राजनीति करने वाले कुछ नेता उनकी विचारधारा का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। यह न केवल राहुल गांधी के साथ विश्वासघात है, बल्कि लाखों कार्यकर्ताओं की मेहनत और निष्ठा के साथ भी धोखा है।' नैना कुमारी ने आगे कहा कि जननेता राहुल गांधी में आस्था रखने वाले समर्थकों, कार्यकर्ताओं और कांग्रेस परिवार के सदस्यों में आज गहरा दुःख और आक्रोश है।

बिहार में कुछ संगठनात्मक नेताओं ने राहुल गांधी के दृष्टिकोण, विचारों और जनहित के कार्यों के साथ खुलेआम विश्वासघात किया है। मगध की धरती जहां न्याय, समानता और निष्पक्षता की आवाज हमेशा से बुलंद रही है, वहां गठबंधन के तहत 7 में से 6 सीटें एक ही समुदाय को और केवल 1 सीट वंचित वर्ग को आवंटित करना न केवल असंतुलित है, बल्कि कांग्रेस विचारधारा के मूल सिद्धांतों के भी खिलाफ है।

नैना कुमारी ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से अपील की है कि टिकट वितरण की प्रक्रिया की तत्काल समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि मगध की धरती, जो सामाजिक समरसता और समावेशी विकास की प्रतीक रही है, वहां कांग्रेस की छवि को बचाने के लिए त्वरित कदम उठाए जाने चाहिए। अगर समय रहते इस मुद्दे पर ध्यान नहीं दिया गया, तो इसका असर न केवल बिहार में पार्टी की स्थिति पर पड़ेगा, बल्कि कार्यकर्ताओं का मनोबल भी टूटेगा।

500 साल पहले गुरु नानक देव ने जिस पीपल के नीचे दिया ज्ञान वहां आज समागम, डेरा गांव में आस्था की लहरें

कठुआ, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कठुआ जिला मुख्यालय से लगभग 25 किलोमीटर दूर जसरोटा के डेरा गांव में स्थित गुरुद्वारा श्री चरणकमल साहिब आस्था और इतिहास का संगम है। यह वह पावन स्थल है जहां गुरु नानक देव जी ने 20 अक्टूबर 1518 को अपनी तीसरी उदासी के दौरान कदम रखे थे। उनके आगमन से पवित्र हुई इस भूमि पर बना यह गुरुद्वारा आज श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था का महत्व रखता है। इस गुरुद्वारे की स्थापना के 13 वर्ष पूरे होने पर रविवार को गांव में समागम का आयोजन होगा।

इस गुरुद्वारे के परिसर में आज भी पीपल और बरगद के वे दो वृक्ष हैं। बताया जाता है कि इन वृक्षों के नीचे बैठकर गुरु नानक देव जी ने धार्मिक प्रवचन दिए थे।

उन्होंने अपनी यात्रा के दौरान इस स्थान पर लोगों को सच्चे ईश्वर की पूजा और सही जीवन शैली का ज्ञान दिया था। इस क्षेत्र के धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए यहां गुरुद्वारे का निर्माण किया गया है। वर्तमान में इस गुरुद्वारे का सारा काम जिला गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी देखती है।

गुरुद्वारे के इतिहास के बारे में स्थानीय मास्टर गुरनाम सिंह ने बताया कि उन्हें क्षेत्र में अपनी तैनाती के समय इस स्थान के महत्व के बारे में जानकारी मिली। गुरनाम 1992 से 1997 तक यहां के चिल्ला मोटा प्राइमरी स्कूल में तैनात रहे हैं। इस दौरान उन्होंने काफी मशक्कत कर उन्होंने इस स्थान का रिकार्ड निकाला।

राजस्व रिकार्ड में इस स्थान को डेरा गांव के नाम से जाना जाता था। उन्होंने गुरुद्वारे के इतिहास को लोगों तक पहुंचाने में महत्व-पूर्ण भूमिका निभाई।

1998 में एसजीपीस को लिखा था पत्र: गुरनाम सिंह ने बताया कि इस स्थान के बारे में पता करने के बाद उन्होंने 15 अगस्त 1998 को एसजीपीसी को पत्र लिखा। इसके बाद एसजीपीसी सिख रेफ्रेंस बोर्ड को इस स्थान पर अध्ययन करने के लिए कहा। अंततः सिख रिसर्च फोरम की ओर से इसका अध्ययन कराया गया। अध्ययन में पुष्टि हुई कि गुरु नानक देव इस स्थान पर 20 अक्तूबर 1518 को आए थे।

अध्ययन में सभी तथ्यों की पुष्टि होने के बाद एक ट्रस्ट बनाकर गांव में 2012 में गुरुद्वारे का निर्माण शुरू करवाया गया। इसके लिए तीन कनाल 15 मरला जमीन ट्रस्ट द्वारा खरीदी गई। एक कनाल जमीन ठाकुर हुरमत सिंह ने अपने दिवंगत पुत्र नरेंद्र सिंह की याद में दान की। यह जमीन वर्तमान में श्री गुरु ग्रंथ साहिब गुरुद्वारा चरण कमल श्री गुरु नानक देव के नाम पर पंजीकृत है।

गुरुद्वारा श्री चरणकमल साहिब न केवल सिख समुदाय के लिए बल्कि सभी धर्मों के लोगों के लिए श्रद्धा का केंद्र है। यहां हर साल जम्मू-कश्मीर ही नहीं, पंजाब और दिल्ली से भी श्रद्धालु आते हैं।

सदियों से चली आ रही परंपरा स्थानीय निवासी ठाकुर हुरमत सिंह और उनका परिवार यहां पूर्वजों के बताए अनुसार हर बैसाखी पर्व पर यहां मीठे रूट का प्रसाद चढ़ाते थे। दोनों वृक्षों से लोगों की गहरी आस्था जुड़ी है। इसी कारण कोई भी व्यक्ति इन पेड़ों के पत्ते भी नहीं तोड़ता। यह परंपरा दशकों से चली आ रही है और लोगों की आस्था को दर्शाती है।

वर्तमान में गुरुद्वारा श्री चरणकमल साहिब का प्रबंधन जिला गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा किया जाता है। जिला गुरुद्वारा प्रबंधक के कोषाध्यक्ष दलजीत सिंह ने बताया कि इस ऐतिहासिक धरोहर को विकसित करने के लिए उपमुख्यमंत्री और उपराज्यपाल से भी मुलाकात की गई है। उन्होंने मांग की कि इस स्थान को राष्ट्रीय महत्व के तौर पर धार्मिक पर्यटन के रूप में विकसित किया जाए ताकि ज्यादा से ज्यादा संगत को इसके बारे में पता चल सके।

पटना एयरपोर्ट रोड पर पलटी तेज रफ्तार कार पलटी

सीआईएसएफ के जवानों ने दो भाइयों को सुरक्षित बाहर निकाला

पटना, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पटना में रविवार सुबह एयरपोर्ट रोड एक तेज रफ्तार कार अचानक डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में कार सवार ड्राइवर घायल हो गया। साथ ही कार में सवार दो भाइयों को चोटें आई हैं। इधर, गाड़ी पलटने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। फौरन पटना एयरपोर्ट की सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ के जवान पहुंचे और रेस्क्यू कर दोनों भाइयों और ड्राइवर को कार से बाहर निकाला। इसके बाद जवानों कार को सीधा करवाया।

वहीं सूचना मिलते ही एयरपोर्ट थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घायल ड्राइवर को अस्पताल भेजा। कार सवार दोनों भाई ड्राइवर के साथ परिवार के सदस्य को रिसीव करने पटना एयरपोर्ट जा रहे थे। इसी दौरान उसे झपकी आ गई और कार का नियंत्रण बिगड़ गया। तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई और कई बार पलट गई। गनीमत रही कि कार सवार सभी लोग सुरक्षित रहे।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर अक्सर तेज रफ्तार गाड़ियों के कारण हादसे होते रहते हैं, लेकिन यातायात नियमों को लेकर सख्ती नहीं की जाती। पुलिस ने लोगों से सतर्कता बरतने और वाहन चलाते समय सावधानी रखने की अपील की है। वहीं पुलिस का कहना है कि हादसे रोकने के लिए सड़क पर डिवाइडर लगाए गए हैं। चेतावनी के बोर्ड लगा दिए हैं। जांच में पता चला कि ड्राइवर की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है। वहीं ड्राइवर पिंटू कुमार ने बताया कि आज तक ऐसा कभी नहीं हुआ है।

अद्भुत, अलौकिक और अविस्मरणीय दीपोत्सव

अयोध्या उतरे भगवान श्रीराम

■ सीएम योगी ने किया सियाराम का पूजन-स्वागत ■ दीपोत्सव का बना गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड

रामनगरी अयोध्या में रविवार की शाम अद्भुत, अलौकिक और अविस्मरणीय रही। दीपोत्सव में 26 लाख 17 हजार 215 दीपों से जगमगाती रामनगरी को प्रकृति भी अपलक निहारती रही। रामायण की गाथा लेजर शो के जरिए जाग्रत हुई और आतिशबाजी ने पूरे वातावरण को प्रकाश-सिक्त कर दिया। पुष्पक विमान से से अयोध्या की धरती पर उतरे भगवान श्रीराम, मां सीता, भ्राता लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और संकटमोचक श्री हनुमान एवं ऋषि मुनियों का स्वागत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों ने किया। सीएम योगी और संतों ने श्रीराम का प्रतीकात्मक राज्याभिषेक भी किया। श्रीराम की उपस्थिति में हुए दीपोत्सव में 2128 वेदाचार्यों ने सरयू आरती की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सरयू मैया की आरती उतारी। देश और विदेश से आए श्रद्धालुओं ने राम मंदिर में भी दीप जलाए और पूजा अर्चना की। दीपोत्सव में शामिल हुआ जनसमूह भाव विह्वल दिखा और पूरी अयोध्या जय श्रीराम के नारों से गूंजती रही। श्रीराम और माता सीता का जयकारा लगाने में विदेशी श्रद्धालु भी पूरे उत्साह से शामिल दिखे।

संपादकीय

प्रदूषण की जवाबदेही

दिवाली मनाने के उत्साही लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दे दी है। इसके बावजूद स्वच्छ हवा बनाए रखने व प्रदूषण नियंत्रण के लिए हमारे संयम व जिम्मेदार व्यवहार की जरूरत होगी। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि हमारी राष्ट्रीय राजधानी दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में शुमार है। दुनिया के बीस शीर्ष प्रदूषित शहरों में करीब आधे भारत में हैं। पर्व, आस्था व विश्वास अपनी जगह हैं, लेकिन प्राणवायु का स्वच्छ रहना लाखों लोगों के जीवन का प्रश्न भी है। यही वजह है कि दिल्ली-एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ दीपावली पर ग्रीन पटाखों की अनुमति देते वक्त सुप्रीम कोर्ट ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की नसीहत दी है, जिससे हमारी आस्था का सम्मान हो सके और पर्यावरण की रक्षा भी हो। निस्संदेह, कोर्ट के फैसले से वे लोग उत्साहित होंगे, जो ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति चाहते थे। लेकिन इसका एक पक्ष यह भी है कि पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोग इससे निराश हो सकते हैं। पर्यावरण प्रेमियों की चिंता वाजिब है। अक्सर देखा जाता है कि ग्रीन पटाखे जलाने वालों पर नियामक एजेंसियां निगरानी नहीं रख पाती हैं। चिंता की बात यह भी है कि ग्रीन पटाखों के नाम पर घातक पटाखे भी जलाए जा सकते हैं। विगत के अनुभव बताते हैं कि अदालती रोक के बावजूद त्योहार पर जमकर आतिशबाजी हुई थी। दरअसल, कुछ लोगों की दलील थी कि पर्व विशेष पर ही प्रदूषण के नाम पर रोक लगाई जाती है, जिससे त्योहार का रंग फीका हो जाता है। कुछ लोगों ने इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न भी बना लिया। लेकिन सवाल यह है कि यह कैसे सुनिश्चित हो पाएगा कि ग्रीन पटाखों की आड़ में घातक पटाखे नहीं बेचे जा सकें। हमारी निगरानी करने वाली एजेंसियों व विभागों की कारगुजारियों पर अक्सर सवालिया निशान लगाए जाते हैं। वैसे एक हकीकत यह भी है कि हर गली-मोहल्ले की दुकानों में प्रदूषण फैलने वाले पटाखों की निगरानी कर पाना व्यावहारिक भी नहीं है। इस बात को लेकर अक्सर बहस होती रही है कि परंपरागत रूप से दिवाली में पटाखों की अनिवार्यता नहीं रही है। निस्संदेह, दीप पर्व उजाले का उत्सव है, ताकि धरा पर कहीं अंधेरा न रह जाए, गरीब की झोपड़ी भी रोशन हो, समृद्धि हर घर तक पहुंचे। सही मायनों में पर्व सामूहिकता की भावना पर केंद्रित होते हैं। ऐसे में यदि हम घातक पटाखे जलाकर श्वास रोगों से पीड़ित मरीजों से लेकर आम आदमी को मुश्किल में डाल दें, तो यह पर्व का मर्म नहीं कहा जा सकता। वैसे ग्रीन पटाखों के बारे में भी निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि उनके उत्पादन के दौरान निर्धारित मानकों का पालन किया गया हो। पटाखे जिस गुणवत्ता से बनते और बिकते हैं, कहना मुश्किल ही है कि वे वास्तव में पर्यावरण के अनुकूल होंगे। वैसे यह भी हकीकत है कि दिल्ली में हर साल ठंड की दस्तक के साथ बढ़ने वाले घातक प्रदूषण के लिए सिर्फ पटाखे ही जिम्मेदार नहीं होते। मौसम की प्रतिकूलता तथा जनसंख्या के बढ़ते घनत्व के कारण महानगरों में बहुमंजिला इमारतों के विस्तार से भी हवा का प्राकृतिक प्रवाह बाधित होता है, जिसके चलते प्रदूषण की परत दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी और निकटवर्ती शहरों के ऊपर छाई रहती है। निस्संदेह, पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आम नागरिकों को भी पटाखों के सीमित व संयमित उपयोग के बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट के दिल्ली व एनसीआर में ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति देने के फैसले के आलोक में कहा जा सकता है कि शेष देश में भी प्रदूषण रोकने के लिए गंभीर पहल की जानी चाहिए। देश के कई अन्य बड़े शहर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में दर्ज हैं। वहीं दूसरी ओर केवल सर्दियों में ही प्रदूषण नियंत्रण की पहल नहीं की जानी चाहिए। यह साल भर निरंतर चलने वाली प्रक्रिया बननी चाहिए। इसके अलावा जरूरी है कि प्रदूषण फैलाने वाले अन्य कारकों पर नियंत्रण किया जाए। हम अक्सर पटाखे व पराली जलाने पर जिम्मेदारी डालकर अन्य प्रदूषण के कारकों को नज़रअंदाज कर देते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दे दी है। इसके बावजूद स्वच्छ हवा बनाए रखने व प्रदूषण नियंत्रण के लिए हमारे संयम व जिम्मेदार व्यवहार की जरूरत होगी। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि हमारी राष्ट्रीय राजधानी दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में शुमार है। दुनिया के बीस शीर्ष प्रदूषित शहरों में करीब आधे भारत में हैं। पर्व, आस्था व विश्वास अपनी जगह हैं, लेकिन प्राणवायु का स्वच्छ रहना लाखों लोगों के जीवन का प्रश्न भी है। यही वजह है कि दिल्ली-एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ दीपावली पर ग्रीन पटाखों की अनुमति देते वक्त सुप्रीम कोर्ट ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की नसीहत दी है, जिससे हमारी आस्था का सम्मान हो सके और पर्यावरण की रक्षा भी हो। निस्संदेह, कोर्ट के फैसले से वे लोग उत्साहित होंगे, जो ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति चाहते थे। लेकिन इसका एक पक्ष यह भी है कि पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोग इससे निराश हो सकते हैं। पर्यावरण प्रेमियों की चिंता वाजिब है। अक्सर देखा जाता है कि ग्रीन पटाखे जलाने वालों पर नियामक एजेंसियां निगरानी नहीं रख पाती हैं। चिंता की बात यह भी है कि ग्रीन पटाखों के नाम पर घातक पटाखे भी जलाए जा सकते हैं। विगत के अनुभव बताते हैं कि अदालती रोक के बावजूद त्योहार पर जमकर आतिशबाजी हुई थी। दरअसल, कुछ लोगों की दलील थी कि पर्व विशेष पर ही प्रदूषण के नाम पर रोक लगाई जाती है, जिससे त्योहार का रंग फीका हो जाता है। कुछ लोगों ने इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न भी बना लिया।

दीपावली अब केवल राष्ट्रीय ही नहीं, अन्तर्राष्ट्रीय पर्व बन गया है

मेरा लेख दीपावली भौतिक ही नहीं, आत्मिक उजाले का महापर्व

ललित गर्ग

दीपावली केवल दीपों का ही पर्व नहीं है बल्कि यह आत्मा के भीतर बसे अंधकार को मिटाने की साधना का अनुष्ठान है। यह भारतीय संस्कृति की आत्मा है, जो जन-जन के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली का उजास फैलाती है। पांच दिवसीय इस उत्सव की श्रृंखला धनतेरस से आरंभ होकर भाई दूज तक चलती है, पर इसका अर्थ केवल उत्सव नहीं, बल्कि एक गहन आध्यात्मिक यात्रा है। दीपावली केवल एक त्योहार नहीं, इसका धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी है। दीपावली का संदेश है कि सच्चा उजाला बाह्य नहीं, बल्कि भीतर भी होना चाहिए। हमारी आंतरिक 'उज्ज्वलता' ही सच्ची 'धन्यता' है, वही हमारे कर्म, करुणा और विवेक का उजाला है। यह पंच दिवसीय पर्वों की श्रृंखला भीतर बसे अहंकार, ईर्ष्या, द्वेष और लोभ जैसे नरकासुरों को समाप्त करने का दुर्लभ अवसर है। दीपावली का मूल भाव है अंधकार से प्रकाश की ओर, अज्ञान से ज्ञान की ओर, नकार से स्वीकार की ओर बढ़ना। जब लाखों दीप जलते हैं, तो वे केवल घरों को नहीं, हृदयों को भी प्रकाशित करते हैं। प्रत्येक दीप हमें यह संदेश देता है कि परिस्थितियाँ चाहे कैसी भी हों, जीवन में धर्म के दीप जलते रहना है, बुझना नहीं। दीपावली का संबंध अनेक ऐतिहासिक, धार्मिक और दार्शनिक प्रसंगों से जुड़ा है। इसी दिन भगवान रामचंद्रजी चौदह वर्ष के वनवास और रावण पर विजय प्राप्त कर अयोध्या लौटे थे। यह धर्म, मर्यादा और सत्य की विजय का प्रतीक बना। प्राचीन हिन्दू महाकाव्य महाभारत अनुसार कुछ दीपावली को 12 वर्षों के वनवास व 1 वर्ष के अज्ञातवास के बाद पांडवों की वापसी के प्रतीक रूप में मानते हैं। जैन परंपरा में यह दिन अत्यंत पवित्र और ऐतिहासिक है, क्योंकि इसी दिन भगवान महावीर का निर्वाण हुआ और इसीलिए इसे महावीर निर्वाण दिवस कहा जाता है। महावीर का निर्वाण केवल देह का अंत नहीं था, बल्कि आत्मा की पूर्ण जागृति का क्षण था, जब उन्होंने संसार के अंधकार में मोक्ष का शाश्वत दीप प्रज्वलित किया। बौद्ध परंपरा में यह दिन बुद्धत्व की स्मृति का प्रतीक है, वहीं सिक्ख परंपरा में यह दिन गुरु हरगोविंदजी के कारावास से मुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है, जब उन्होंने अन्य कैदियों को भी मुक्त कराया था। इन सभी प्रसंगों में एक अद्भुत एकता झलकती है-अंधकार से मुक्ति, ज्ञान से आलोक और अहंकार से आत्मा की ओर यात्रा। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' अर्थात अन्धकार की ओर नही, प्रकाश की ओर जाओ, यह उपनिषदों की आज्ञा है। दीपावली अब केवल राष्ट्रीय ही नहीं, अन्तर्राष्ट्रीय पर्व बन गया है। दीपावली को विशेष रूप से हिंदू, जैन और सिख समुदाय के साथ विशेष रूप से दुनिया भर में मनाया जाता है-श्रीलंका, पाकिस्तान, म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, फिजी, मॉरीशस, केन्या, तंजानिया, दक्षिण अफ्रीका, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनिदाद और टोबैगो,

नीदरलैंड, कनाडा, ब्रिटेन शामिल संयुक्त अरब अमीरात, और संयुक्त राज्य अमेरिका। भारतीय संस्कृति की समझ और भारतीय मूल के लोगों के वैश्विक प्रवास के कारण दीपावली मनाने वाले देशों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। कुछ देशों में यह भारतीय प्रवासियों द्वारा मुख्य रूप से मनाया जाता है, अन्य दूसरे स्थानों में यह सामान्य स्थानीय संस्कृति का हिस्सा बनता जा रहा है। दीपावली का एक और महत्त्वपूर्ण पहलू है गोवर्धन पूजा, जो प्रकृति के प्रति आभार का प्रतीक है। यह हमें सिखाती है कि समृद्धि केवल मनुष्य की मेहनत से नहीं, बल्कि प्रकृति की कृपा से भी मिलती है। गाय, अन्न, जल, वृक्ष, मिट्टी-सबका सम्मान ही सच्ची पूजा है। भाई दूज इस श्रृंखला का अंतिम दिन है, जो स्नेह और पारस्परिक विश्वास का दीप जलाता है। यह पर्व केवल बहन-भाई के संबंधों का उत्सव नहीं, बल्कि जीवन में प्रेम, सहयोग और संरक्षण के भाव को पुष्ट करने का अवसर है। दीपावली का मूल भाव अंधकार दूर भगाना है। जीवन को सुख और समृद्धि की रोशनी से जगमग करना है। एक पौराणिक कथा के अनुसार विंष्णु ने नरसिंह रूप धारणकर हिरण्यकश्यप का वध किया था तथा इसी दिन समुद्रमंथन के पश्चात लक्ष्मी व धन्वंतरि प्रकट हुए। कई लोग दीपावली को भगवान विष्णु की पत्नी तथा उत्सव, धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी से जुड़ा हुआ मानते हैं। आज दीपावली का स्वरूप भले ही भव्य और चकाचौंध से भरा हो, पर इसका सच्चा अर्थ है भीतर के दीप को जलाना। जैसे हम घरों की सफाई करते हैं, वैसे ही अपने मन की सफाई भी आवश्यक है। ईर्ष्या, क्रोध, स्वार्थ और असत्य का अंधकार मिटे, और उसकी जगह सच्चाई, सहिष्णुता, करुणा और सेवा का उजास फैले-यही दीपावली का सार है। महात्मा गांधी ने कहा था, "सच्चा दीपक वही है जो अंधकार में राह दिखाए, न कि केवल सजावट बने।" यदि हम एक दीप अपने भीतर जलाएं-मानवता का, विनम्रता का, और सहअस्तित्व का तो यही सबसे बड़ा पूजन होगा। दीपावली का पर्व ज्योति का पर्व है। दीपावली का पर्व पुरुषार्थ का पर्व है। यह आत्म साक्षात्कार का पर्व है। यह अपने भीतर सुषुप्त चेतना को जगाने का अनुपम पर्व है। यह हमारे आभामंडल को विशुद्ध और पर्यावरण की स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश देने का पर्व है। प्रत्येक व्यक्ति के अंदर एक अखंड ज्योति जल रही है। उसकी लौ कभी-कभार मद्धिम जरूर हो जाती है, लेकिन बुझती नहीं है। उसका प्रकाश शाश्वत प्रकाश है। वह स्वयं में बहुत अधिक देदीप्यमान एवं प्रभामय है। इसी संदर्भ में महात्मा कबीरदासजी ने कहा था-'बाहर से तो कुछ न दीसे, भीतर जल रही जोत'। जो महापुरुष उस भीतरी ज्योति तक पहुँच गए, वे स्वयं ज्योतिर्मय बन गए। जो अपने भीतर आलोक से आलोकित हो गए, वे सबके लिए आलोकमय बन गए। ज्ञान दुनिया का सबसे बड़ा प्रकाश दीप है। जब ज्ञान का दीप जलता है तब भीतर और बाहर दोनों आलोकित हो जाते हैं। अंधकार का साम्राज्य स्वतः समाप्त हो जाता है। ज्ञान के प्रकाश की आवश्यकता केवल भीतर के अंधकार मोह-मूर्च्छा को मिटाने के लिए ही नहीं, अपितु लोभ और आसक्ति के परिणामस्वरूप खड़ी हुई पर्यावरण प्रदूषण और अनैतिकता जैसी बाहरी समस्याओं को सुलझाने के लिए भी जरूरी है। यह हमारे आभामंडल को विशुद्ध और पर्यावरण की स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश देने का पर्व है। प्रत्येक व्यक्ति के अंदर एक अखंड ज्योति जल रही है। उसकी लौ कभी-कभार मद्धिम जरूर हो जाती है, लेकिन बुझती नहीं है। उसका प्रकाश शाश्वत प्रकाश है। वह स्वयं में बहुत अधिक देदीप्यमान एवं प्रभामय है। इसी संदर्भ में महात्मा कबीरदासजी ने कहा था-'बाहर से तो कुछ न दीसे, भीतर जल रही जोत'। जो महापुरुष उस भीतरी ज्योति तक पहुँच गए, वे स्वयं ज्योतिर्मय बन गए। युद्ध, आतंकवाद, भय, हिंसा, प्रदूषण, अनैतिकता, ओजोन का नष्ट होना आदि समस्याएं इक्कीसवीं सदी के मनुष्य के सामने चुनौती बनकर खड़ी हैं। आखिर इन समस्याओं का जनक भी मनुष्य ही तो है। मनुष्य को मोह का अंधकार भगाने के लिए धर्म का दीप जलाना होगा। जहाँ धर्म का सूर्य उदित हो गया, वहाँ का अंधकार टिक नहीं सकता। दीपावली का संदेश सिमित नहीं है; यह हमें समाज, संस्कृति और मानवता के स्तर पर नया दृष्टिकोण देता है। यह केवल दीपों की पंक्तियाँ नहीं, बल्कि जीवन की दिशा है। हम केवल अपने घर को नहीं, बल्कि किसी और के जीवन को भी रोशन करेंगे। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि प्रकाश की सबसे बड़ी जीत तब होती है जब वह अंधकार के सबसे गहरे कोने में पहुँचता है। हरिवंश राय बच्चन के शब्दों में-"दीप जलाओ लेकिन ऐसे, जिसमें धुआँ न हो; उजाला हो, पर अहंकार न हो।" जब भीतर का दीप जलता है, तो बाहरी दीप स्वतः दीप्तिमान हो उठते हैं। दीपावली पर्व की सार्थकता के लिए जरूरी है, दीये बाहर के ही नहीं, दीये भीतर के भी जलने चाहिए। क्योंकि दीया कहीं भी जले उजाला देता है। दीए का संदेश है-हम जीवन से कभी पलायन न करें, जीवन को परिवर्तन दें, क्योंकि पलायन में मनुष्य के दामन पर बुजदिली का धब्बा लगता है, जबकि परिवर्तन में विकास की संभावनाएँ जीवन की सार्थक दिशाएँ खोज लेती हैं।

दीपावली का मूल भाव है अंधकार से प्रकाश की ओर, अज्ञान से ज्ञान की ओर, नकार से स्वीकार की ओर बढ़ना। जब लाखों दीप जलते हैं, तो वे केवल घरों को नहीं, हृदयों को भी प्रकाशित करते हैं। प्रत्येक दीप हमें यह संदेश देता है कि परिस्थितियाँ चाहे कैसी भी हों, जीवन में धर्म के दीप जलते रहना है, बुझना नहीं। दीपावली का संबंध अनेक ऐतिहासिक, धार्मिक और दार्शनिक प्रसंगों से जुड़ा है। इसी दिन भगवान रामचंद्रजी चौदह वर्ष के वनवास और रावण पर विजय प्राप्त कर अयोध्या लौटे थे। यह धर्म, मर्यादा और सत्य की विजय का प्रतीक बना। प्राचीन हिन्दू महाकाव्य महाभारत अनुसार कुछ दीपावली को 12 वर्षों के वनवास व 1 वर्ष के अज्ञातवास के बाद पांडवों की वापसी के प्रतीक रूप में मानते हैं। जैन परंपरा में यह दिन अत्यंत पवित्र और ऐतिहासिक है, क्योंकि इसी दिन भगवान महावीर का निर्वाण हुआ और इसीलिए इसे महावीर निर्वाण दिवस कहा जाता है।

देश दुनिया से

अमित शाह हैं संकटमोचन, संगठनशिल्पी और लौहपुरुष

भारत की राजनीति में कुछ नाम ऐसे होते हैं जो केवल पदों से नहीं, अपने कर्म, दृष्टि, दृढ़ता, संकल्प और राष्ट्रभावना से पहचान पाते हैं। अमित अनिलचंद्र शाह ऐसा ही एक नाम है-संघर्षों में तपे, संगठन के शिल्पी और राष्ट्र की सुरक्षा एवं एकता के प्रहरी। एक प्रभावशाली और कुशल राजनीतिज्ञ के रूप में, अमित शाह का भारतीय राजनीति में एक प्रमुख स्थान है। गृह एवं सहकारिता मंत्री के रूप में उन्होंने भारत की आंतरिक सुरक्षा, सामाजिक एकता और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में जो क्रांतिकारी एवं युगांतकारी कार्य किए हैं, वे उन्हें हमारे समय का 'लौहपुरुष' सिद्ध करते हैं-सरदार वल्लभभाई पटेल की परंपरा के सच्चे उत्तराधिकारी। निश्चित ही शाह एक युगांतरकारी एवं युग-निर्माता लोकनायक हैं। उन्हें अक्सर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करीबी सहयोगी, कुशल शासक और पार्टी के लिए एक प्रमुख चुनावी रणनीतिकार माना जाता है। एक किशोर के रूप में, वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में शामिल हो गए। यहीं से उनके राजनीतिक सफर की शुरुआत हुई। 1987 में वह भाजपा के युवा मोर्चा के सदस्य बने। गुजरात में नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान, अमित शाह एक शक्तिशाली नेता के रूप में उभरे। उन्होंने कई महत्वपूर्ण मंत्रालय संभाले, जिनमें गृह, कानून और न्याय और परिवहन शामिल थे। अमित शाह ने सहकारिता मंत्रालय को मात्र एक विभाग नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के पुनर्जागरण का आंदोलन बना दिया। उनकी दृष्टि में सहकारिता केवल आर्थिक संरचना नहीं, बल्कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का व्यवहारिक दर्शन है। उन्होंने शक्कर कारखानों से लेकर डेयरी, कृषि-उद्योग, बीज उत्पादन और विपणन तक सहकारिता को एक नई गति दी। देश के पहले राष्ट्रीय सहकारिता नीति मसौदे की तैयारी, पीएसी के डिजिटलीकरण और 200,000 प्राथमिक कृषि साख समितियों को मल्टी-डायमेंशनल मॉडल में बदलने की दिशा में उनका काम ऐतिहासिक है। उनके नेतृत्व में सहकारिता अब आत्मनिर्भर भारत की रीढ़ बन चुकी है, जहाँ किसान केवल उत्पादक नहीं, बल्कि साझेदार हैं। अमित शाह ने सहकारिता को नई भाषा दी-"सहकार से समृद्धि"। भारत के भीतरी हिस्सों में दशकों से नक्सलवाद ने भय, असुरक्षा और विकासहीनता का माहौल बनाया था। अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 'समग्र रणनीति' के तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में निर्णायक कार्रवाई की। कानून-व्यवस्था, खुफिया सूचना और स्थानीय विकास के त्रिस्तरीय ढांचे पर आधारित इस नीति ने नक्सलवाद को जड़ों से हिला दिया। आज भारत के 90 प्रतिशत से अधिक नक्सल क्षेत्र शांति के मार्ग पर लौट रहे हैं, निकट भविष्य में भारत नक्सल मुक्त राष्ट्र बन जायेगा, यह अमित शाह की सूझबूझ, संकल्प और दृढ़ता का परिणाम है। उनका विश्वास रहा-"गोलियों से नहीं, विकास और संवाद से आतंक मिटाया जा सकता है।" उनकी अलग कार्यशैली की झलक अध्यक्ष बनने के बाद से ही पार्टी को दिखने लगी थी। अमित शाह का नाम जम्मू-कश्मीर के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। उनकी रणनीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 का हटाया जाना केवल एक संवैधानिक निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्र की अखंडता का संकल्प था। यह उस विभाजनकारी मानसिकता पर अंतिम प्रहार था जिसने वर्षों तक कश्मीर को अलगाव की आग में झोंक रखा था। आज घाटी में तिरंगा गर्व से लहराता है, पर्यटन और निवेश के नए द्वार खुल रहे हैं, और युवाओं में आत्मविश्वास लौट रहा है-यह अमित शाह की निर्भीक राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है। उन्होंने संसद में कहा था-"कश्मीर भारत का मुकुट है, और जब तक इसकी हर घाटी में शांति और विकास नहीं आता, तब तक हमारा प्रयास अधूरा रहेगा।" शाह की कार्यशैली में सबसे अहम है कि किसी चीज को पहले से भांपने की। कश्मीर से 370 हटाने का मामला हो या फिर किसी चुनावी रणनीति की तैयारी, उन्हें अंदाजा हो जाता है कि किस मोहरे को कहां बिठाना है। इसी का असर है कि अनुच्छेद 370 हटाने के बाद अब तक कश्मीर में शांति एवं वहां शांतिपूर्ण चुनाव का होना है तो अयोध्या जैसे सदियों के विवाद का अंत शांतिपूर्ण तरीके से हो जाना है। गृह मंत्री के रूप में अमित शाह ने देश की सुरक्षा व्यवस्था को नई ऊँचाई दी। आतंकी नेटवर्क के विरुद्ध कड़े कानून, एनआईए की शक्ति में वृद्धि, सीमा सुरक्षा में तकनीकी नवाचार और पुलिस सुधारों की नई पहल-इन सबने भारत की आंतरिक मजबूती को सुदृढ़ किया है। उन्होंने 'शून्य सहनशीलता नीति' को व्यवहार में उतारा। चाहे दिल्ली दंगे हों या सीमा पार आतंकवाद की चुनौती-हर परिस्थिति में उनका निर्णय तेज, संतुलित और राष्ट्रहित में रहा। उनके कार्यकाल में भारत में आंतरिक सुरक्षा का सबसे स्थिर दौर देखा जा रहा है, जहाँ आतंक, नक्सलवाद और अलगाववाद तीनों पर नियंत्रण स्थापित हुआ है। राजनीतिक दृष्टि से अमित शाह को 'मोदी के हनुमान' कहा जाता है, क्योंकि वे न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबसे विश्वसनीय सहयोगी हैं, बल्कि उनकी दृष्टि को व्यवहार में उतारने वाले कर्मयोद्धा भी हैं। 2014 से 2020 तक, उन्होंने भाजपा के 10वें अध्यक्ष के रूप पार्टी को 70 से अधिक देशों के बराबर सदस्य संख्या वाला विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनाया। 2014 और 2019 के चुनावों में उनकी रणनीति, संगठन और जनसंपर्क ने भाजपा को ऐतिहासिक विजय दिलाई। उनके रणनीतिक कौशल ने पार्टी को सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया। लेकिन उनकी पहचान राजनीति से परे है-वे राष्ट्रीय एकता के संरक्षक, सुरक्षा के प्रहरी और सहकारिता के संचारक हैं। अमित शाह ने संगठन के बाद सरकार में भी अपनी कौशल क्षमता का लोहा मनवाया तो जब भी संसदीय इतिहास में भारत के मोदीमय होने की गाथा का वर्णन होगा, उसमें 'चाणक्य नीति' की तरह 'शाह नीति' का जिक्र स्वाभाविक होगा। अमित शाह की यह रणनीति पार्टी नेताओं को भी तब समझ आई जब चुनावों के आधिकारिक पोस्टरों-बैनरों पर भी शाह की तस्वीर नजर नहीं आई, दरअसल वे पूरे चुनाव को मोदीमय करने की 'शाह नीति' थी। इसलिए शाह ने एक स्पष्ट निर्णय लिया कि प्रचार सामग्रियों पर सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही होंगे। आधुनिक राजनीति का चाणक्य कहें या फिर मोदी के भरोसेमंद सारथी, इसी खास सोच की वजह से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह की यह अमिट पहचान बन चुकी है। अमित शाह को एक उत्कृष्ट संगठक और अभियान रणनीतिकार माना जाता है। उनके समर्थक उन्हें हिंदू धर्म का महान रक्षक मानते हैं, जबकि उनके आलोचक उन्हें एक ध्रुवीकरण करने वाली शख्सियत के रूप में देखते हैं। वह अपनी राजनीतिक कुशलता और जमीन से जुड़कर काम करने के लिए जाने जाते हैं। अमित शाह का राजनीतिक करियर उनके रणनीतिक कौशल, संगठन क्षमता और कठोर निर्णय लेने की प्रवृत्ति को दर्शाता है। एक छोटे कार्यकर्ता से लेकर देश के गृह मंत्री तक का उनका सफर भारतीय राजनीति में उनके मजबूत प्रभाव का प्रमाण है।

आप का नजरिया

एक नायाब साल

पहली नजर में बड़े पद की चमक-दमक का अपना सम्मोहन होता है, लेकिन हकीकत में जिम्मेदारी-जवाबदेही व विपरीत चुनौतियों में सामंजस्य बैठाना कांटों का ताज पहनने जैसा ही होता है। अंतहीन जन-अपेक्षाओं की कसौटी पर खरा उतरना उतना ही कठिन होता है। वैसे किसी सत्ता का एक साल बहुत लंबी अवधि नहीं होती। उसके आधार पर अंतिम मूल्यांकन करना भी जल्दबाजी ही कही जाएगी, लेकिन इससे किसी नेतृत्व या सरकार की दिशा-दशा को बोध तो हो जाता है। कमोबेश, यह कसौटी हरियाणा में एक साल पूरा कर रही नायब सैनी सरकार के लिये भी है। सामाजिक न्याय के समीकरण संतुलन की कवायद के क्रम में भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने वाले नायब सैनी की इस पद पर ताजपोशी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की पसंद रही है। जब नरेंद्र मोदी चंडीगढ़-हरियाणा में संगठन का दायित्व निभा रहे थे, तो सैनी उनके कार्यालय सहयोगी थे। इस मायने में बिना राजनीतिक व समृद्ध आर्थिक पृष्ठभूमि के राज्य के मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने को एक बड़ी कामयाबी कहा जा सकता है। उनके राजनीतिक विरोधी भी उनकी सदाबहार मुस्कान-विनोदप्रियता के कायल रहे हैं। वे विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेताओं को सम्मान सार्वजनिक रूप से देते नजर आते हैं, लेकिन पिछले विधानसभा सत्र में मुद्दों पर विपक्षी नेताओं को आड़े हाथों लेने से भी वे नहीं चूके। वैसे तो उनके एक साल के कार्यकाल में कई चुनौतियां सामने आती-जाती रही हैं, लेकिन हाल ही में एडीजीपी वाई.पूरन कुमार व एएसआई संदीप लाठर की आत्महत्या ने सरकार के सामने असहज स्थिति व बड़ी चुनौती पेश की। हालांकि, देर से ही सही फौरी तौर पर मामले का पटाक्षेप हुआ, लेकिन इस दौरान मुख्यमंत्री ने मुद्दे की संवेदनशीलता को महसूस कर कदम बढ़ाए। एडीजीपी द्वारा आत्महत्या की खबर उन्हें जापान दौरे के दौरान मिली तो उन्होंने दौरे में शामिल उनकी पत्नी अमनीत को अधिकारियों के साथ तुरंत भारत भेजा। भारत आते ही खुद भी वे सीधे एडीजीपी के घर संवेदना व्यक्त करने पहुंचे, तो एएसआई संदीप लाठर के घर भी परिवार को संबल देने गए। बहरहाल, ट्रिपल इंजन सरकार का लाभ नायब सैनी को जरूर मिला है। कई विकास योजनाएं कायदे से सिरे चढ़ी हैं। लेकिन लाडो लक्ष्मी योजना ट्रंप कार्ड साबित हुई है। विधानसभा चुनावों में इस योजना के वायदे का छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र चुनावों की तर्ज पर हरियाणा में भी भाजपा को खासा लाभ मिला। मिले परिणामों ने तमाम कयासों को निरर्थक साबित किया। हर जरूरतमंद महिला को सरकार की तरफ से 21 सौ रुपये मिलना, उन्हें आर्थिक स्वावलंबन देना ही है। पहले चरण में बाइस लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। निस्संदेह, कमजोर वर्ग के लोगों के लिये अपनी छत का सपना पूरा करना एक दुष्कर कार्य है। हरियाणा सरकार ने दस हजार से अधिक आबादी वाले महाग्रामों में गरीबों को पचास-पचास गज व छोटे गांवों में सौ-सौ गज के प्लाट उपलब्ध कराये। शहरों में ये 25 गज के रहे। वहीं प्रधानमंत्री आवास निर्माण योजना के तहत मिलने वाले ढाई-ढाई लाख रुपये ने उनके घर के सपने को हकीकत बनाया। मुख्यमंत्री नायब सैनी की खासियत लोगों के साथ सहज उपलब्धता है। उनकी सुबह कबीर कुटीर में जन संवाद से शुरू होती है और रात फाइलों के साथ खत्म होती है। जनता के लिये सहज उपलब्धता और निरंतर संवाद लोकतंत्र की अपरिहार्य शर्त होती है। उनके चंडीगढ़ आवास में सुबह से ही मिलने वाले लोगों का तांता लगा रहता है। निस्संदेह, आम जन ही सरकार को बेहतर फीडबैक दे सकते हैं, जो नौकरशाही की जटिलताओं के चलते सहज अभिव्यक्ति नहीं दे पाते। बेरोजगारी की समस्या किसी भी सरकार के लिये बड़ी चुनौती होती है। राज्य में चौबीस हजार बेरोजगारों को ग्रुप सी की नौकरियां देना राज्य सरकार की उपलब्धि के तौर पर देखा गया। वहीं लोकसेवा आयोग के माध्यम से 1311 पदों पर चयन और एचकेआरएन पोर्टल को पारदर्शी भर्ती प्रणाली के रूप में विकसित करना, राज्य सरकार की रोजगार के साथ स्थायित्व की नीति का संकेत माना जा सकता है। विश्वास किया जाना चाहिए कि नायब सरकार आने वाले चार सालों में जनाकांक्षाओं की कसौटी पर पूरी तरह खरी उतर पाएगी।

अंतहीन जन-अपेक्षाओं की कसौटी पर खरा उतरना उतना ही कठिन होता है। वैसे किसी सत्ता का एक साल बहुत लंबी अवधि नहीं होती। उसके आधार पर अंतिम मूल्यांकन करना भी जल्दबाजी ही कही जाएगी, लेकिन इससे किसी नेतृत्व या सरकार की दिशा-दशा को बोध तो हो जाता है। कमोबेश, यह कसौटी हरियाणा में एक साल पूरा कर रही नायब सैनी सरकार के लिये भी है। सामाजिक न्याय के समीकरण संतुलन की कवायद के क्रम में भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने वाले नायब सैनी की इस पद पर ताजपोशी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की पसंद रही है। जब नरेंद्र मोदी चंडीगढ़-हरियाणा में संगठन का दायित्व निभा रहे थे, तो सैनी उनके कार्यालय सहयोगी थे। इस मायने में बिना राजनीतिक व समृद्ध आर्थिक पृष्ठभूमि के राज्य के मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने को एक बड़ी कामयाबी कहा जा सकता है। उनके राजनीतिक विरोधी भी उनकी सदाबहार मुस्कान-विनोदप्रियता के कायल रहे हैं। वे विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेताओं को सम्मान सार्वजनिक रूप से देते नजर आते हैं, लेकिन पिछले विधानसभा सत्र में मुद्दों पर विपक्षी नेताओं को आड़े हाथों लेने से भी वे नहीं चूके।

कुछ अलग

सद् गुणों में लक्ष्मी वास

देवलोक में सहसा लक्ष्मी को आया देख देवगण अचंभित रह गए। देवराज इन्द्र ने उनकी अगवानी करते हुए पूछा, 'भगवती, आप तो चिरकाल से असुरों के यहां निवास कर रही थीं, आज देवों पर यह कृपा कैसी?' लक्ष्मी मुस्कराकर बोलीं, 'देवराज, मैं सदैव घूमती रहती हूं, एक स्थान पर टिकना मुझे प्रिय नहीं।' एक देवता ने जिज्ञासा से पूछा, 'तो क्या आप पुनः देवलोक छोड़कर अन्यत्र चली जाएंगी?' लक्ष्मी बोलीं, 'यह भी संभव है।' इन्द्र ने कहा, 'महादेवी, आपको एक स्थान पर रहने में क्या आपत्ति है? क्या इस विचरण में कोई रहस्य या नियम है?' लक्ष्मी ने उत्तर दिया, 'रहस्य नहीं, यह मेरा नियम है।' वरुण देव ने निवेदन किया, 'कृपया वह नियम बताइए, ताकि हम उसका पालन कर आपको प्रसन्न रख सकें।' लक्ष्मी बोलीं, 'देवगण, जब तक आप संयमी, सदाचारी, दयालु, परिश्रमी, चरित्रवान और मधुरभाषी थे, तब तक मैं स्वर्ग में थी। जब आपने ये गुण त्याग दिए, तो मैं असुरों के पास चली गई — क्योंकि उन दिनों उनमें ये सद्गुण विद्यमान थे। परंतु जब वहां भी इन गुणों का ह्रास हुआ, तो मैं उन्हें छोड़कर यहां आ गई। जब तक स्वर्ग में ये गुण रहेंगे, मैं यहीं रहूंगी; किंतु इनके लुप्त होते ही मैं यहां से चली जाऊंगी।'

दृष्टि कोण

कृत्रिम बारिश योजना में खाद्य संकट के जोखिम

दिवाली उत्सव पर प्रतिवर्ष की जाने वाली आतिशबाज़ी से गंभीर वायु प्रदूषण उत्पन्न होता है। इसे कम करने के लिए इस साल दिल्ली सरकार ने दिवाली के अगले दिन कृत्रिम बारिश दके जरिये मौसम का मिज़ाज बदलने की योजना बनाई है, जिससे खरीफ फसलों की कटाई-गहाई और रबी की बुआई पर असर पड़ने की आशंका है, जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा साबित हो सकती है। पिछले छह दशक से देश की खाद्य सुरक्षा और सार्वजनिक खाद्य वितरण प्रणाली को सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार किसानों से धान और गेहूं खरीदती है, जिसमें लगभग 80 प्रतिशत योगदान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के आसपास के राज्यों का रहा है, जहां अभी अक्तूबर-नवंबर महीने में खरीफ फसलों—धान, ज्वार, बाजरा, मूंग, अरहर, कपास आदि की कटाई-गहाई और रबी फसलों—गेहूं, जौ, चना, सरसों, मसूर, आलू आदि की बुआई चल रही है, जिसके लिए बिना बारिश वाला सूखा मौसम अति आवश्यक है। निस्संदेह, जब किसान खरीफ फसलों की उपज समेटने और रबी की बुआई में व्यस्त हैं और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के आसपास के राज्यों की कृषि उपज विपणन मंडियां अनाज से भरी हुई हैं, तब दिल्ली सरकार द्वारा दिवाली के अगले दिन कृत्रिम बारिश करवाने की योजना अव्यावहारिक है जिससे किसान का नुकसान भी हो सकता है। ऐसे समय की जाने वाली कृत्रिम बारिश के चलते किसानों की खरीफ फसल उपज और मंडियों में अनाज की बर्बादी तथा बुआई की गई फसलों के खराब होने की संभावना रहेगी। उल्लेखनीय है कि सामान्य प्राकृतिक वर्षा तब होती है जब सूरज की गर्मी से नम हवा गर्म और हल्की होकर ऊपर उठती है। ऊपर उठी हुई हवा का दबाव कम हो जाता है और आसमान में एक ऊंचाई पर पहुंचने के बाद वह ठंडी हो जाती है। जब इस हवा में सघनता बढ़ जाती है तो वर्षा की बूंदें बड़ी होकर हवा में देर तक नहीं ठहर पातीं और बारिश के रूप में नीचे गिरने लगती हैं। लेकिन कृत्रिम वर्षा करने के लिए सिल्वर आयोडाइड और सूखी बर्फ जैसे ठंडा करने वाले रसायनों का प्रयोग करके कृत्रिम बादल बनाकर वर्षा करवाई जाती है। मानव-निर्मित गतिविधियों के जरिये

कृत्रिम बादल बनाने और फिर उनसे वर्षा कराने की क्रिया को 'क्लाउड सीडिंग' कहा जाता है। हालांकि, क्लाउड सीडिंग के कई फायदे हैं, लेकिन मौसम परिवर्तन की यह तकनीक पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। इसके नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभावों में जल और वायु प्रदूषण, पारिस्थितिक तंत्र का विघटन, असामान्य मौसम परिवर्तन और मिट्टी व पानी में रसायनों का जमाव शामिल है। इसके उपयोग से सिल्वर आयोडाइड जैसे हानिकारक रसायन हवा, पानी और मिट्टी में मिल सकते हैं, जिससे स्वास्थ्य जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं, और पड़ोसी क्षेत्रों में वर्षा में कमी या अत्यधिक वर्षा व बाढ़ जैसे दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं। कृत्रिम वर्षा से प्राकृतिक मौसम चक्र बाधित हो सकता है, जिससे अप्रत्याशित सूखा या अति वर्षा की स्थिति बन सकती है और किसानों व पारिस्थितिकी तंत्र पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। मौसम के संतुलन में बदलाव के दीर्घकालिक अवांछित प्रभाव हो सकते हैं, जिन्हें अभी मौसम वैज्ञानिक पूरी तरह समझ नहीं पाए। राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण लगभग पूरे वर्ष बना रहता है, लेकिन सर्दी के महीनों (अक्तूबर-मार्च) में मानसून की वापसी से वायु गति और तापमान कम होने के कारण पृथ्वी की सतह पर वायु प्रदूषण का घनत्व बढ़ जाता है। पराली जलाने के अलावा, दिल्ली के वायु प्रदूषण के लिए अन्य कारक—वाहनों से निकलने वाला धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण कार्य से उठने वाली धूल आदि मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। प्रदूषण में पराली जलाने की महीनेवार हिस्सेदारी अलग-अलग होती है। नवंबर में यह लगभग 30 प्रतिशत और बाकी महीनों में मात्र 0–5 प्रतिशत तक सीमित रहती है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

पाकिस्तान और अफगानिस्तान युद्ध विराम पर सहमत, दोहा में हुई उच्चस्तरीय वार्ता

दोहा,19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कतर की राजधानी दोहा में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हुई एक उच्चस्तरीय वार्ता में तत्काल प्रभाव से संघर्ष विराम को लेकर सहमति बनी है। संघर्ष विराम के प्रभावी कार्यान्वयन पर चर्चा के लिए दोनों देशों के प्रतिनिधि अगले चरण में दोहा और इस्लामाबाद में बैठक करेंगे। दोनों देशों के बीच सीमा पर पिछले एक पखवाड़े से चल रहा टकराव लगातार गंभीर रूप ले रहा था जिसमें दोनों तरफ से सैन्यकर्मियों के साथ-साथ आम लोगों की भी मौत हुई।

कतर के विदेश मंत्रालय की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान के मुताबिक उसके और तुर्की की मध्यस्थता में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच दोहा में हुई उच्चस्तरीय वार्ता में दोनों देश तत्काल संघर्ष विराम पर सहमत हुए हैं। कतर ने उम्मीद जताई है कि यह समझौता पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव को कम कर क्षेत्रीय स्थिरता स्थापित करेगा।

दोहा में हुई इस बातचीत में दोनों देशों के उच्चस्तरीय प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। गल्फ न्यूज के मुताबिक पाकिस्तान की तरफ से रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ और खुफ़िया प्रमुख जनरल असीम मलिक ने हिस्सा लिया। अफगान सरकार के प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद के मुताबिक रक्षा मंत्री मुल्ला मुहम्मद याकूब के नेतृत्व में एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल इस बातचीत में शामिल हुआ जिसमें खुफिया प्रमुख अब्दुल हक वकीक भी शामिल हुए।

वार्ता से पहले पाकिस्तान विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि अफगानिस्तान से सीमा पार आतंकवाद समाप्त करने और सीमा पर शांति और स्थिरता की बहाली के उपाय किए जाने पर यह बातचीत केंद्रित होगी। बयान में कतर की मध्यस्थता पहल की सराहना करते हुए उम्मीद जताई गई कि ये चर्चाएँ क्षेत्र में शांति और स्थिरता हासिल करने में योगदान देंगी।

दोनों देशों के बीच पिछले करीब एक पखवाड़े से चला आ रहा टकराव उस समय भीषण रूप लेता जा रहा था जब संघर्ष विराम के बीच एक हवाई हमले में अफगानिस्तान के तीन क्रिकेटरों की मौत हो गई। अफ़गानिस्तान सरकार का दावा था कि पाकिस्तान ने संघर्षविराम का उल्लंघन करते हुए आम लोगों को निशाना बनाया है।

न्यूज ब्रीफ

कंगाल पाकिस्तान पर नहीं रहा भरोसा..........अमेरिका के साथ रक्षा समझौता कर रहा सऊदी अरब

रियाद। पाकिस्तान के साथ रक्षा समझौता करने वाला सुन्नी मुस्लिम देश सऊदी अरब अब अमेरिका के साथ

रक्षा समझौते को लेकर चर्चा कर रहा है। सऊदी अरब को उम्मीद है कि अगले महीने क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की रियाद यात्रा के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर हो सकता है। ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अमेरिका और सऊदी अरब के बीच डील को लेकर बातचीत जारी है। अभी इस डील के बारे में ज्यादा विवरण सामने नहीं आया है। अमेरिका सऊदी अरब के साथ यह समझौता उस समय पर कर रहा है जब उसने इजरायल के हमले के बाद कतर के साथ एक रक्षा समझौता किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सऊदी और अमेरिका के बीच रक्षा समझौते को लेकर बातचीत ठीक उसी तरह की है जैसे कतर के साथ है। इसमें कहा गया है कि कतर पर हुआ कोई भी हमला अमेरिका पर हमला माना जाएगा। इजरायल के हमास के नेताओं को कहीं भी मार गिराने की पिछले महीने दी गई धमकी और प्रयास के बाद अमेरिका ने यह समझौता किया था। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि सऊदी अरब के साथ रक्षा सहयोग हमारी क्षेत्रीय रणनीति की आधारशिला है। उन्होंने डील के बारे में और ज्यादा जानकारी देने से मना किया। अमेरिका के विदेश मंत्रालय, वाइट हाउस और सऊदी सरकार ने अभी तक इस डील पर कुछ नहीं कहा है। पिछले महीने पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच एक आपसी रक्षा समझौता हुआ था।

अमेरिका ने ड्रग्स ले जा रही सबमरीन पर किया हमला, राष्ट्रपति ट्रंप ने जारी किया वीडियो

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यूएस मिलिट्री स्ट्राइक ने इस हफ्ते कैरिबियन में एक बहुत बड़ी ड्रग ले जाने वाली सबमरीन को तबाह कर दिया। बताया गया इसमें दो नार्को-टेररिस्ट मारे गए और दो दूसरे जिंदा पकड़े गए। उन्होंने स्ट्राइक का वीडियो भी जारी किया। 25,000 अमेरिकियों की जान बच गई। ट्रुथ सोशल पर पोस्ट का ट्रंप ने लिखा ट्रंप ने लिखा, एक बहुत बड़ी ड्रग ले जाने वाली सबमरीन को नष्ट करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात थी। यूएस इंटेलिजेंस ने कन्फर्म किया कि यह जहाज ज्यादातर फेंटानिल से भरा हुआ था। जहाज पर चार जाने-माने नार्कोटेररिस्ट थे। दो आतंकवादी मारे गए। दो जिंदा आतंकवादियों को हिरासत में लेने और मुकदमा चलाने के लिए उनके देश, इक्वाडोर और कोलंबिया वापस भेजा जा रहा है। ट्रंप ने कहा कि जहाज ज्यादातर फेंटानिल और दूसरे नारकोटिक्स अमेरिका की ओर जाने-माने नार्कोट्रैफिकिंग ट्रांजिट रूट से ले जा रहा था। उन्होंने दावा किया कि इस रोक से 25,000 अमेरिकियों की ओवरडोज से होने वाली मौतें टल गईं। पिछले महीने कैरिबियन में लड़ाई के ऑपरेशन शुरू होने के बाद से यह छठी बार है जब अमेरिका ने किसी संदिग्ध ड्रग तस्करी वाले जहाज को पकड़ा है।

ब्रिटेन में सिख महिला से बलात्कार मामले में ऐक्शन, एक पुरुष और महिला गिरफ्तार

लंदन। वेस्ट मिडलैंड्स के ओल्डबरी इलाके में पिछले महीने एक सिख महिला के साथ हुए दुष्कर्म के मामले

में अब सख्ती के साथ ऐक्शन शुरु हुआ है। दुष्कर्म के आरोप में एक पुरुष और एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि इस मामले में यूके की अपराध-निवारण संस्था क्राइमस्टॉपर्स ने इस नस्लीय रूप से प्रेरित बलात्कार के दोषियों की गिरफ्तारी और सजा के लिए जानकारी देने वालों के लिए 20 हजार पाउंड का इनाम घोषित किया था। ब्रिटिश सिख संगठनों ने भी सोशल मीडिया पर एकजुट होकर इस हमले के दोषियों की सजा के लिए कोई फुटेज प्रदान करने पर 10 हजार पाउंड के वित्तीय इनाम की पेशकश की थी। माना जा रहा है कि ये घटना नस्लीय भेदभाव के कारण अंजाम दी गई। वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस ने बताया कि ये गिरफ्तारियां उसी काउंटी के हेल्सओवेन में महिला के साथ हुए रेप के सिलसिले में की गई हैं। बाद में दोनों आरोपियों को 20 वर्षीय ब्रिटिश सिख महिला के उत्पीड़न के मामले में भी गिरफ्तार किया गया। पिछले महीने की यौन उत्पीड़न की घटना में 2 श्वेत पुरुष हमलावरों ने पीड़िता से कहा था, तुम इस देश में नहीं हो, यहां से निकल जाओ। इस घटना ने सिख समुदाय में हड़कंप मचा दिया था।रेप और हमले की इस घटना को यूके संसद में भी उठाया गया, जहां गृह सचिव शबाना महमूद ने इस हमले की निंदा की थी।

गाजा : मलबे, मौत और मायूसी का शहर, 2 साल की जंग ने खत्म कर दी जिंदगी की रौनक

65 हजार से ज्यादा मौतें, जिनमें 18 हजार बच्चे शामिल

गाजा,19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इजराइल पर हमास के हमले से शुरू हुई गाजा जंग के दो साल पूरे हो गए। लगातार बमबारी और जमीनी सैन्य कार्रवाई ने गाजा पट्टी को मलबे के ढेर में बदल कर रख दिया है। इसे राहत माना जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और मुस्लिम देशों के साथ ही शांतिप्रिय देशों की कोशिशों के बाद शांति समझौता हो गया, वर्ना जंग तो आखिरी इंसान के खत्म होने तक का ऐलान हो चुका था।

इजराइल-हमास युद्ध के दौरान गाजा पूरी तरह खंडहर में बदल गया है। संयुक्त राष्ट्र की ताज़ा सैटेलाइट रिपोर्ट बताती है कि गाजा में 80प्रतिशत इमारतें नष्ट, 90प्रतिशत स्कूल खंडहर, और 98.5प्रतिशत खेत उजड़ चुके हैं। अब यहां बस बचा है तो मलबा, भुखमरी और बेघर लोग।7 अक्टूबर 2023 को हमास के इजराइल पर हमले के बाद शुरू हुई जंग में अब तक 65,000 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें 18,430 बच्चे शामिल हैं। गाजा के 23 लाख लोगों में से 90 प्रतिशत बेघर हैं। लाखों फिलिस्तीनी अब टेंटों में रह रहे हैं, जहां न पानी है, न बिजली, न दवा।

गाजा बना मलबे का पहाड़

लगातार बमबारी से गाजा अब 54 मिलियन टन मलबे के नीचे दब चुका है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इसे साफ करने में कम से कम 10 साल और 1.2 लाख करोड़ रुपए लगेंगे। समझौते से पहले तक गाजा का 80 प्रतिशत हिस्सा इजराइली मिलिट्री जोन बना। आवाजाही सिर्फ 20प्रतिशत इलाके में संभव है।

शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों तबाह

गाजा में पहले 850 स्कूल थे, अब 90प्रतिशत खत्म हो चुके हैं। 10 यूनिवर्सिटी की 51 इमारतों में से एक भी सुरक्षित नहीं बची। स्वास्थ्य सेवाएं भी लगभग ठप हैं। 36 अस्पतालों में से आधे बंद, बाकी में सिर्फ 33 प्रतिशत बेड उपलब्ध। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि डॉ. रिख पीपरकॉर्न के मुताबिक, अब स्कूलों की जगह टेंट हैं और अस्पतालों की जगह खामोशी।

ख्वाजा आसिफ ने अफगानों को पाक से बाहर निकालने दी चेतावनी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव बरकरार है। शुक्रवार रात पाकिस्तान के क्रूर हमले में अफगानिस्तान के तीन स्थानीय क्रिकेटर्स के मारे जाने के बाद अफगानी लोग गुस्से से भड़क गए। पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन करते हुए अफगानिस्तान के अंदर हमले किए, जिसमें कई और आम नागरिकों के मारे जाने की सूचना है। इस बीच पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पाकिस्तान में रह रहे अफगानों को देश से बाहर निकलने की चेतावनी दी है। कहा-काबुल के शासक, जो अब भारत की गोद में बैठे हैं कभी हमारी सुरक्षा में थे बता दें अफगानिस्तान में जब जिहाद शुरू होने के बाद गृहयुद्ध शुरू हुआ था तो लाखों अफगान देश छोड़कर पाकिस्तान आ गए थे। इस जिहाद को शुरू करवाने वाला भी पाकिस्तान ही था। पिछले दो सालों से पाकिस्तान अफगान शरणार्थियों को जबरन देश से बाहर निकाल चुका है। अनुमानित तौर पर पाकिस्तान में करीब 20 लाख अफगान शरणार्थी थे, जिनमें से वह 10 से 12 लाख के बीच शरणार्थी बाहर निकाले जा चुके हैं। इन शरणार्थियों को पाकिस्तान से अपने कपड़ों के अलावा कुछ भी ले जाने की इजाजत नहीं है। यानि अगर कोई अफगान कोई दुकान चला रहा है, तो वो अपने साथ दुकान का सामान नहीं ले जा सकता। आसिफ ने शुक्रवार को काबुल पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पाकिस्तान में रहने वाले सभी अफगानों को अपने वतन लौटना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि अफगानिस्तान के साथ पुराने रिश्तों का दौर अब खत्म हो गया है। अब काबुल में उनकी अपनी सरकार और अपनी खिलाफत है। हमारी जमीन और संसाधन 25 करोड़ पाकिस्तानियों के हैं। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव है और 48 घंटे का युद्धविराम टूट गया है। रिपोर्टों से पता चलता है कि युद्धविराम को बढ़ाने को लेकर दोनों पक्षों के बीच दोहा में बैठक हो सकती है, लेकिन तालिबान ने कहा है कि इस्लामाबाद ने डूरंड रेखा से लगे पक्तिका प्रांत के कई जिलों में हवाई हमले किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी हवाई हमलों के बाद एक सीनियर तालिबान अधिकारी ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम टूट गया है। ख्वाजा आसिफ ने लिखा- पाकिस्तान अब काबुल के साथ पहले जैसे संबंध बनाए रखने का जोखिम नहीं उठा सकता। उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद ने वर्षों तक धैर्य बनाए रखा, लेकिन अफगानिस्तान से उसे कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके अलावा ख्वाजा आसिफ ने लिखा कि पाकिस्तान ने सीमा पार से लगातार हो रही आतंकी घटनाओं को लेकर अफगानिस्तान को 836 विरोध पत्र और 13 डेमार्श भेजे हैं। उन्होंने कहा कि अब कोई विरोध पत्र या शांति की अपील नहीं होगी। कोई भी प्रतिनिधिमंडल काबुल नहीं जाएगा। आतंकवाद का स्रोत चाहे कहीं भी हो, उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

हमास ने अपनों की जान ली तो भुगतना होंगे गंभीर परिणाम : अमेरिका

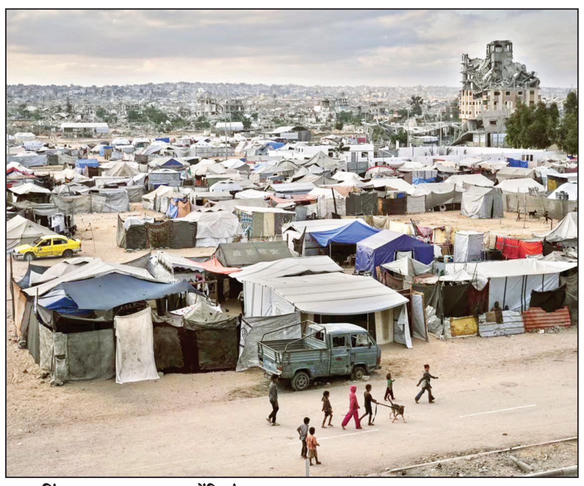

वाशिंगटन,19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हमास नहीं चाहता कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था स्थापित हो। वो आए दिन लोगों की हत्याएं कर रहा है। अब हमास अपने ही लोगों की जान लेने पर उतारु है। गाजा में सीजफायर होने के बाद भी हमास शांत नहीं है। इस पर अमेरिका ने हमास को चेतावनी दी है कि अगर किसी भी प्रकार से युद्धविराम के समझौते का उल्लंघन होता है तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। अमेरिका को पता चला है कि हमास अपने ही लोगों पर हमला करने की तैयारी कर रहा है। यानी वह गाजा में रहने वाले फिलिस्तीनियों को निशाना बनाना चाहता है। अगर हमास फिलिस्तीनी लोगों पर भी हमला करता है या फिर उन्हें परेशान करने के लिए कोई साजिश रचता है तो उसे गंभीर परिणाम झेलने पड़ेंगे। अमेरिका ने कहा किसी भी प्रकार से फिलिस्तीनियों को खतरे में ना डाले। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि विश्वसनीय खुफिया रिपोर्ट्स में पता चला है कि हमास इस समझौते का उल्लंघन करना चाहता है और अब वह अपने ही लोगों को टारगेट करने की तैयारी कर रहा है। अमेरिका ने कहा, हमने समझौते की गारंटी लेने वाले देशों को भी इसकी जानकारी दे दी है। अमेरिका ने कहा कि अगर हमास समझौते का उल्लंघन करता है तो सीजफायर और लोगों को बचाने के लिए ऐक्शन लिया जाएगा। अमेरिका ने कहा कि हमास की कोई भी कार्रवाई ना केवल लोगों की जिंदगी खतरे में डालेगी बल्कि क्षेत्रीय शांति खत्म हो जाएगी। बता दें कि एजिप्ट, कतर और अमेरिका ने मध्यस्थता करते हुए गाजा में युद्धविराम करवाया है। वहीं हमास और इजरायल के बीच अब भी चर्चा जारी है। रिपोर्ट के मुताबिक बीते दिनों हमास ने कई फिलिस्तीनियों को मौत की सजा दी थी। हमास का कहना था कि वे इजरायल के साथ मिले हुए थे। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वरिष्ठ सलाहकार ने कहा था कि अमेरिका और इजरायल मिलकर शरणार्थियों के लिए एक सेफ जोन बनाने पर काम कर रहे है।

वजन घटाने की तारीफ़ करना सही नहीं है : शोध

वॉशिंगटन। मोटे से पतले होने वाले लोगों को मिलने वाली आप बहुत अच्छे लग रहे हैं जैसी तारीफ़ें खतरनाक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकती हैं। क्वींसलैंड विश्वविद्यालय की शोधकर्ता इवांगेलिन गार्डिनर और ग्रिफ़िथ विश्वविद्यालय की लिली ओ'हारा ने चेतावनी दी है कि जब किसी व्यक्ति को वजन घटाने के लिए तारीफ़ दी जाती है, तो यह संदेश केवल शरीर की सुंदरता और पतलेपन तक सीमित रह जाता है। ऐसे में व्यक्ति की मानसिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और उनके मन में अवास्तविक अपेक्षाएं भी जन्म ले सकती हैं। शोधकर्ताओं ने इस विषय पर पांच प्रमुख कारण बताए हैं कि क्यों वजन घटाने की तारीफ़ करना सही नहीं है। सबसे पहला कारण यह है कि यह पतले शरीर को श्रेष्ठ दिखाता है और भारी शरीर वाले लोगों को कम मूल्यवान समझने का संदेश देता है। दूसरे, इस तरह की तारीफ़ केवल दिखावे तक सीमित मूल्यांकन करती है और व्यक्ति की अन्य योग्यताओं, प्रतिभाओं और व्यक्तित्व को नजरअंदाज कर देती है। तीसरा, यह शारीरिक विविधता को अनदेखा करती है, जबकि हर व्यक्ति का शरीर अलग आकार और प्रकार का होता है। चौथा कारण यह है कि वजन घटाना हमेशा जानबूझकर नहीं होता; कभी-कभी यह स्वास्थ्य, तनाव, जीवनशैली या आर्थिक कारणों से भी हो सकता है।

ढाका इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लगी आग पर 7 घंटे बाद काबू पाया गया, देर रात विमानों का संचालन दोबारा शुरू

ढाका,19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हज़रत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एचएसआईए) के कार्गो विलेज में शनिवार दोपहर लगी भीषण आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया है। देर रात हवाई अड्डे से उड़ानों का संचालन दोबारा शुरू हो गया। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। ढाका स्थित हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कार्गो विलेज एरिया में शनिवार दोपहर करीब सवा दो बजे भीषण आग लग गई थी। आग इतनी तेजी से फैली कि सभी उड़ाने तुरंत रोकनी पड़ीं। आसमान में उठा काला धुआं आसपास के इलाकों में फैल गया। इस दौरान एचएसआईए से विमानों का संचालन रोक दिया गया। सतर्कता बरतते हुए कई घरेलू विमानों को ढाका में उतारने के बजाय चटगांव भेज दिया गया। अग्निशमन सेवा और हवाई अड्डा प्राधिकरण के त्वरित और साझा प्रयासों के साथ करीब 7 घंटे बाद आग पर काबू पाया गया।

मीडिया समूह प्रोथोम आलो ने नागरिक उड्डयन एवं पर्यटन मंत्रालय का हवाला देते हुए बताया है कि एचएसआईए के कार्गो विलेज में लगी आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया और रात 9:30 बजे उड़ानों का संचालन दोबारा शुरू हो गया। मंत्रालय के मुताबिक दोपहर लगभग 2:15 बजे लगी आग पर अग्निशमन सेवा और हवाई अड्डा प्राधिकरण के त्वरित और समन्वित प्रयासों के बाद काबू पा लिया गया और इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए आधिकारिक जाँच शुरू कर दी गई है। मंत्रालय ने कहा कि आग लगने के कारणों का पता लगाने और इसकी पुनरावृत्ति रोकने के लिए उचित उपाय किए जाएँगे।

नेपाल का जेन-जी समूह बनाएगा राजनैतिक दल, पर अगले साल चुनाव लड़ने पर संशय

काठमांडु,19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

नेपाल में भारी हिंसा और ओली की सरकार को उखाड़ फेंकने वाला जेन-जी समूह अब राजनीतिक पार्टी बनाने की तैयारी में है। बीते रोज समूह ने इस तरह की घोषणा की। लेकिन, जब उनसे पूछा गया कि अगले साल होने वाला चुनाव लड़ेंगे क्या इस पर उनका कोई सटीक जवाब नहीं था और स्थिति संशय की मानी जा रही है। बता दें नेपाल के जेन-जी समूह की प्रमुख दो मांगों में, प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित कार्यकारी प्रणाली की शुरुआत और विदेशों में रहने वाले नेपाली नागरिकों को मतदान का अधिकार देना शामिल है। इसके अलावा धुंगाना ने भ्रष्टाचार नियंत्रण के लिए एक नागरिक नेतृत्व वाली जांच समिति के गठन और आर्थिक परिवर्तन पर स्पष्ट नीति अपनाने पर जोर दिया। धुंगाना ने कहा, हम सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए

संघर्ष करते रहेंगे। जेन-जी युवाओं का बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए।

पत्रकारों से बात करते हुए जेन-जी समूह के नेता मिराज धुंगाना ने अपने एजेंडे का खुलासा करते हुए इस बात पर जोर दिया कि उनकी नई पार्टी का उद्देश्य नेपाल में जेन-जी की आवाज को एकजुट करना होगा। धुंगाना ने जोर देकर कहा कि 5 मार्च 2026 को प्रस्तावित आगामी चुनाव में उनकी पार्टी की भागीदारी सरकार द्वारा विशिष्ट मांगों को पूरा करने पर निर्भर होगा। इतना ही नहीं उन्होंने इस बात का भी खुलासा किया कि फिलहाल उनकी पार्टी एक बेहतर नाम के लिए सुझाव एकत्र कर रही है। इसके अलावा धुंगाना ने रोजगार की वजह से देश छोड़कर जाने वाले युवाओं पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि नेपाली युवाओं के बढ़ते पलायन की वजह से हिमालयी राष्ट्र का आर्थिक विकास रुक गया है। पिछली सरकारों को यह मुद्दा उठाना चाहिए था लेकिन उन्होंने इस पर कोई काम नहीं किया। इसके अलावा धुंगाना ने घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, हम दो घनी आबादी वाले पड़ोसी देशों से घिरे हैं जिनकी कुल जनसंख्या तीन अरब है, हमें पड़ोसी बाज़ारों को लक्षित करते हुए अपना उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। बता दे कि ये वही जेन-जी समूह है जिसने नेपाल में हिंसक आंदोलन किया और तत्कालीन ओली सरकार को उखाड़ फेंका। अब इस समूह के पास ऐसी कोई योजना नहीं है जो नेपाल के विकास और आंतरिक समस्याओं का समाधान कर सके।

वैभव सूर्यवंशी :14 साल की उम्र में क्रिकेट की नई सनसनी

नयी दिल्ली,19 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

आईपीएल 2025 में महज 14 साल की उम्र में टूर्नामेंट का दूसरा सबसे तेज शतक बनाने के बाद वैभव सूर्यवंशी ने क्रिकेट की दुनिया में तहलका मचा दिया है। उस मैच में उन्होंने 35 गेंदों में 100 रन पूरे किए, जिसमें 7 चौके और 11 छक्के शामिल थे।

यह किसी भी भारतीय खिलाड़ी का आईपीएल में अब तक का सबसे तेज शतक माना जाता है। इस प्रदर्शन ने उन्हें न सिर्फ भारत में, बल्कि दुनियाभर में क्रिकेट प्रेमियों के लिए नई सनसनी बना दिया। वैभव सूर्यवंशी को राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2025 से पहले 1.1 करोड़ रुपये में खरीदा था। उस समय उनकी उम्र केवल 13 साल थी।

इस नीलामी में वे सबसे युवा बिकने वाले खिलाड़ी बने और आईपीएल में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी। सूर्यवंशी आईपीएल के इतिहास में इकलौते ऐसे खिलाड़ी हैं, जो 2008 में शुरू हुई इस लीग में पैदा हुए और अब मैदान पर खेल रहे हैं।

उनकी बेखौफ बल्लेबाजी का प्रभाव सिर्फ आईपीएल तक सीमित नहीं रहा। इंडिया ए की तरफ से उन्होंने इंग्लैंड ए और ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भी शानदार प्रदर्शन किया। पूर्व क्रिकेटर और भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने एक टॉक शो में बताया कि सूर्यवंशी उन्हें सचिन तेंदुलकर की याद दिलाते हैं। शास्त्री ने जयपुर में गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मैच की यादें साझा करते हुए बताया कि कैसे ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ओपनर मैथ्यू हेडन भी उनके प्रदर्शन से हैरान रह गए थे।

शास्त्री ने कहा, वह 14 साल का नहीं हो सकता। उसने मोहम्मद सिराज और ईशांत शर्मा की गेंदों को एक्स्ट्रा कवर और मिडविकेट पर शानदार तरीके से खेला। अब उसके लिए सबसे मुश्किल समय है क्योंकि इतनी कम उम्र में उसने ऐसी छवि बना ली है जैसे सचिन ने बनाई थी। अगले दो-तीन सालों में उसे किसी मार्गदर्शक की जरूरत होगी, जो उसे सही दिशा दिखा सके। वैभव सूर्यवंशी का यह जलवा साबित करता है कि भारतीय क्रिकेट के सामने आने वाले वर्षों में उनके जैसे युवा सितारों के लिए संभावनाओं का सागर खुला है।

उनकी लगन और प्रतिभा ने दर्शकों और विशेषज्ञों दोनों का दिल जीत लिया है, और यह स्पष्ट है कि वे आने वाले समय में भारतीय क्रिकेट के नए चमकते सितारे होंगे।

न्यूज ब्रीफ

ज्योति विश्वकप तीरंदाज की कंपाउंड स्पर्धा में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी

नानजिंग। भारतीय तीरंदाज ज्योति शूरेखा यहां हुई विश्वकप तीरंदाजी की महिला कंपाउंड स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनी हैं। ज्योति ने तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी ब्रिटेन की एला गिब्सन को हराया। ज्योति ने 15 में से 15 निशाने सही लगाये और 150 से 145 से जीत हासिल की। ज्योति ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में अमेरिका की एलेक्सिस रुइज़ को 143-140 से हराया। वहीं सेमीफाइनल में वह शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी मेक्सिको की एंड्रिया बेसेर से हुए कड़े मुकाबले में 143-145 से हार गयीं थी। ज्योति ने कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में काफी अच्छा खेल दिखाया। महिला कंपाउंड वर्ग में भारत की एक और खिलाड़ी मधुरा धामनगांवकर पहले दौर में ही मैक्सिको की मरियाना बर्नाल से 142-145 से हार गयी। दूसरी ओर पुरुष कंपाउंड वर्ग में भारत के ऋषभ यादव को नीदरलैंड्स के पूर्व विश्व चैंपियन माइक श्लॉसर के खिलाफ रोमांचक शूट-ऑफ में पिछड़ने के कारण कांस्य पदक हासिल नहीं कर पाये।

शमी ने रणजी में शानदार प्रदर्शन कर चयनसमिति को करारा जवाब दिया, टीम इंडिया में वापसी के लिए दावेदारी की

नई दिल्ली। पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने रणजी ट्रॉफी में बंगाल की ओर से शानदार गेंदबाजी कर एक बार फिर भारतीय टीम में वापसी के लिए दावेदारी पेश की है। शमी ने इस मैच की दोनो पारियों में कुल मिलाकर 7 विकेट लिए। शमी ने इस प्रकार चयन समिति को अपनी फिटनेस के साथ ही फार्म भी दिखाया है। हाल में चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर ने उनके फार्म और फिटनेस पर सवाल उठाये थे और कहा था कि इसी कारण उनके नाम पर विचार नहीं हो रहा है। इसका जवाब उन्होंने अपनी गेंदबाजी से दिया है। शमी ने अंतिम बार आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था। इसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली थी। इसके बाद अब ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भी शमी को शामिल नहीं किया गया है। अब शमी ने अपने प्रदर्शन से दिखाया है कि उनमें अभी क्रिकेट शेष है। शमी को लेकर प्रबंधन की ओर से लगातार ये कहा जा रहा है कि उनकी फिटनेस ठीक नहीं है। गौरतलब है कि साल 2023 वनडे विश्व कप के बाद से ही शमी चोट के कारण परेशान रहे हैं। उन्होंने सर्जरी के बाद अपनी फिटनेस पर भी काफी काम किया और चैंपियंस ट्रॉफी में वापसी भी की थी पर इसके बाद भी उनकी फिटनेस पर सवाल उठे हैं। इस पूरे मामले पर शमी का मानना है कि अगर पूरी तरह से फिट नहीं होते तो घरेलू क्रिकेट में कैसे उतरते। साथ ही कहा कि कि वह पूरी तरह से फिट हैं। शमी की शानदार गेंदबाजी से बंगाल ने उत्तराखंड को 8 विकेट से हरा दिया।

लियोनल मेसी ने एमएलएस में करियर की दूसरी हैट्रिक लगाई, इंटर मियामी की जीत में बिखेरी चमके

नैशविले । दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी ने मेजर सॉकर लीग (एमएलएस) में अपना दम दिखाया और

अपने करियर की दूसरी हैट्रिक बनाई। मेसी के शानदार प्रदर्शन की मदद से ही इंटर मियामी ने नैशविले एससी पर 5-2 से जीत हासिल की। मेसी एमएलएस के वर्तमान सत्र में अभी तक 29 गोल कर चुके हैं और वह इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। पिछली बार उन्होंने इंटर मियामी की न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन पर 6-2 की जीत में हैट्रिक बनाई थी। मेसी ने 35वें मिनट में गोल किया और इंटर मियामी को बढ़त दिलाई। हालांकि, वैशविले के लिए सैम ने 43वें मिनट में गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। हालांकि, मेसी ने दमदार प्रदर्शन कर इंटर मियामी की जीत सुनिश्चित की। इंटर मियामी के डिफेंडर इयान फ्रे ने कहा, यह बिल्कुल स्पष्ट है कि मेसी हर मैच में हमारी जीत में अहम भूमिका निभाते हैं। उनकी प्रशंसा करने के लिए मेरे पास पर्याप्त शब्द नहीं हैं।

22 साल का इंतजार खत्म हुआ, मोहन बागान ने शूटआउट में ईस्ट बंगाल को हराया, जीता 21वां खिताब

कोलकाता,19 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में शनिवार की शाम फुटबॉल प्रेमियों के लिए इतिहास दोहराया गया, जब मोहन बागान सुपर जाएंट ने रोमांचक मुकाबले में अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी ईस्ट बंगाल को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराकर आईएफए शील्ड का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ 22 साल बाद मोहन बागान ने फिर से इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। मोहना बागान ने जीता 21वां आईएफए शील्ड खिताब

निर्धारित और अतिरिक्त समय में मैच 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। इसके बाद मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा, जहां मोहन बागान के खिलाड़ियों ने जबरदस्त संयम दिखाते हुए जीत हासिल की। इस खिताबी जीत के साथ मोहन बागान ने अपना 21वां आईएफए शील्ड खिताब जीता और 2003 के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट में विजयी हुआ। दिलचस्प बात यह है कि 2003 में भी मोहन बागान ने ईस्ट बंगाल को पेनल्टी शूटआउट में ही मात दी थी।

30वां खिताब जीतने से चूका ईस्ट बंगाल - इस जीत ने न केवल मोहन बागान के लंबे इंतजार को खत्म किया, बल्कि ईस्ट बंगाल को रिकॉर्ड 30वां खिताब जीतने से भी रोक दिया। स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों ने इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनकर अपने पसंदीदा क्लब के गौरवशाली इतिहास में एक और सुनहरा अध्याय जोड़ दिया।

सुल्तान जोहोर कप के फाइनल में भारतीय टीम को मिली मात, ऑस्ट्रेलिया ने 2-1 से हराकर जीता खिताब

नई दिल्ली । सुल्तान जोहोर कप हॉकी टूर्नामेंट के रोमांचक फाइनल में भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम को शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। आखिरी मिनटों में भारत के पास बराबरी का शानदार मौका था, लेकिन टीम छह पेनल्टी कॉर्नर को गोल में नहीं बदल सकी। ग्रोब्बेलार ने दिलाई निर्णायक बढ़त तीन बार की चैंपियन भारतीय टीम मैच की शुरुआत में अच्छी लय में दिखी, लेकिन 13वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया के इयान ग्रोब्बेलार ने ड्रैग फ्लिक के जरिए गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। भारत ने दूसरे क्वार्टर में वापसी की और 17वें मिनट में अनमोल एक्का ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। तीसरा क्वार्टर गोलरहित रहा, जिससे मुकाबला अंतिम क्वार्टर तक बराबरी पर था। खेल के 59वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी कॉर्नर मिला और ग्रोब्बेलार ने एक बार फिर गोल कर अपनी टीम को 2-1 की निर्णायक बढ़त दिला दी। गोलकीपर मैग्नस मैककॉसलैंड ने किया बेहतरीन बचाव अंतिम मिनट में भारत को लगातार छह पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के गोलकीपर मैग्नस मैककॉसलैंड ने बेहतरीन बचाव करते हुए भारत की बराबरी की उम्मीदों को नाकाम कर दिया। इस हार के साथ भारत सुल्तान जोहोर कप में पांचवीं बार उपविजेता रहा। हालांकि, यह प्रदर्शन पिछले दो संस्करणों की तुलना में बेहतर रहा, जब भारत ने कांस्य पदक जीता था। ऑस्ट्रेलिया ने इस जीत के साथ 2022 में भारत से फाइनल में मिली हार का बदला चुकता करते हुए टूर्नामेंट का चौथा खिताब अपने नाम किया।

वनडे कप्तानी को लेकर सूर्यकुमार यादव का बड़ा बयान

नई दिल्ली,19 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

कहा 'अच्छा खेला होता तो मौका मिल सकता था'

सूर्यकुमार यादव ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में खुलासा किया कि अगर उन्होंने वनडे फॉर्मेट में बेहतर प्रदर्शन किया होता, तो शायद उन्हें 50 ओवर की भारतीय टीम की कमान भी सौंपी जा सकती थी। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने पिछले महीने पाकिस्तान को हराकर टी20 एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था। उनकी नेतृत्व क्षमता की खूब सराहना हुई और टीम ने उनके अंडर अब तक 23 टी20 मैच जीते हैं। हालांकि व्यक्तिगत प्रदर्शन के लिहाज से पिछले कुछ समय से उनका बल्ला खामोश है और वह रन बनाने के लिए संघर्ष करते नजर आए हैं। वनडे क्रिकेट की बात करें तो सूर्यकुमार को इस फॉर्मेट में भी कई मौके दिए गए, लेकिन वह अपनी छाप नहीं छोड़ सके। उन्होंने 37 वनडे मैचों में 25.76 के औसत से सिर्फ 773 रन बनाए हैं, जिसमें 4 अर्धशतक शामिल हैं। लगातार खराब प्रदर्शन के चलते उन्हें वनडे टीम से बाहर कर दिया गया था। पॉडकास्ट के दौरान सूर्यकुमार ने कहा, अब मैं सोचता हूं कि अगर मैंने वनडे फॉर्मेट में अच्छा किया होता, जैसे अभी टी20 कप्तानी चल रही है, तो वनडे कप्तानी भी मिल सकती थी। पहले मैं इस बारे में नहीं सोचता था, लेकिन अब मन में यह ख्याल आता है। फॉर्मेट थोड़ा लंबा है, पर मैं अभी भी ट्राई करूंगा, क्योंकि सपना तो है ही। उन्होंने मुस्कुराते हुए जोड़ा, घर पर मैं और मेरी वाइफ अक्सर यही बात करते हैं कि अगर मेरा वनडे फॉर्म अच्छा गया होता, तो शायद आज हालात अलग होते। सूर्यकुमार ने यह भी कहा कि जब रोहित शर्मा वनडे कप्तानी से रिटायर होंगे, तो यह देखना दिलचस्प होगा कि टीम की कमान किसे सौंपी जाती है।

किंग्स स्लेम टेनिस टूर्नामेंट

रियाद में किंग्स स्लेम टेनिस टूर्नामेंट में जीत के बाद इटली के जैनिक सिनर और उपविजेता कार्लोस अल्कारेज।

पैट कमिंस की गैरहाजरी में स्मिथ संभालेंगे ऑस्ट्रेलिया की एशेज कप्तानी

नई दिल्ली,19 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया के नियमित टेस्ट कप्तान पैट कमिंस की चोट से उबरने की प्रक्रिया जारी है, और अगर वह एशेज के शुरुआती मैच तक फिट नहीं हो पाते हैं, तो स्टीव स्मिथ टीम की कमान संभालेंगे। चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने पुष्टि की कि कमिंस को जुलाई 2025 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ के दौरान पीठ में चोट लगी थी, जिसकी वजह से वह भारत के खिलाफ हुई व्हाइट-बॉल सीरीज़ से भी बाहर रहे। बेली ने कहा, अगर पैट नहीं खेलते हैं तो स्मिथ कप्तान होंगे। यही हमारी सामान्य प्रक्रिया है। पैट भले ही न खेलें, लेकिन टीम के साथ रहेंगे और रिहैब पर काम करते हुए खिलाड़ियों से जुड़े रहेंगे। कप्तान और उप-कप्तान का तालमेल बना रहेगा।

स्मिथ की तैयारी पूरी हो चुकी है। हाल ही में न्यूयॉर्क से लौटे स्टीव स्मिथ ने तुरंत क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स के नेट्स में अभ्यास शुरू कर दिया। वह आगामी शेफ़ील्ड शील्ड के दो राउंड में भी खेलेंगे ताकि एशेज से पहले अपनी लय बनाए रख सकें। बेली ने कहा, स्मिथ ने आते ही नेट्स में बल्लेबाजी शुरू कर दी। हमने हर खिलाड़ी की तैयारी उसके अनुसार की है और वह पूरी तरह से मैच के लिए तैयार होंगे। पैट कमिंस और स्टीव स्मिथ की जोड़ी ऑस्ट्रेलिया के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। अगर कमिंस मैदान पर नहीं उतर पाते, तो स्मिथ की कप्तानी टीम को अनुभवी नेतृत्व प्रदान करेगी। इसके अलावा, टीम को पिच और मौसम की अनिश्चितताओं का सामना करने के लिए भी तैयार रहना होगा, और स्मिथ के नेतृत्व में खिलाड़ी मानसिक रूप से अधिक सशक्त होंगे।

अफगानिस्तान की जगह ट्रॉई सीरीज में किसी अन्य टीम को शामिल करने पर विचार शुरु किया

नई दिल्ली,19 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

शुक्रवार को पाकिस्तान में हुए हमले में तीन अफगानिस्तान क्रिकेटरों की दुखद मौत के बाद अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ होने वाली आगामी ट्रॉई सीरीज से हटने का ऐलान किया। इस फैसले के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अफगानिस्तान की अनुपस्थिति में ट्रॉई सीरीज को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित करने का संकेत दिया है।

मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, पीसीबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अफगानिस्तान की जगह लेने के लिए वे अन्य बोर्डों के साथ बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अफगानिस्तान के हटने के बाद भी ट्राई-सीरीज निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ेगी। हम एक रिप्लेसमेंट टीम पर विचार कर रहे हैं और एक बार अंतिम रूप लेने के बाद इसकी घोषणा की जाएगी। ट्रॉई सीरीज में श्रीलंका तीसरी टीम के रूप में शामिल है और यह 17 नवंबर से शुरू होकर 29 नवंबर को फाइनल के साथ समाप्त होगी। अफगानिस्तान ने टेस्ट दर्जा मिलने के बाद पाकिस्तान के साथ कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा मान्यता मिलने से पहले उनकी ए टीमों ने कई बार पाकिस्तान का दौरा किया था।

डकवर्थ को हराकर अल्माटी ओपन के फाइनल में पहुंचे रूसी खिलाड़ी मेदवेदेव

नई दिल्ली। रूसी खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव ने शनिवार को ऑस्ट्रेलियाई क्वालीफायर जेम्स डकवर्थ को 6-7 (8), 6-3, 6-2 से हराकर अल्माटी ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। डकवर्थ ने दुनिया के नंबर 4 खिलाड़ी को पहले सेट में कड़ी टक्कर दी, दो सेट पॉइंट बचाए और टाईब्रेक 10-8 से जीत लिया। इसके बाद मेदवेदेव ने वापसी की। दूसरे सेट में दो बार और तीसरे सेट की शुरुआत में फिर से सर्विस ब्रेक किया, क्योंकि बेसलाइन से उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन ने 33 साल के ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को थका दिया। दूसरे सेमीफाइनल में फ्रांस के कोरेंटिन मौटेट अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन को 7-5, 6-4 से हराकर आगे बढ़े। उन्होंने 20 साल के एलेक्स की ताकत को कम करने के लिए अपनी वैरायटी और कंट्रोल पर भरोसा किया।

मारुति और टाटा की कारों की बिक्री में आया भारी उछाल

नई दिल्ली,19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा छोटी कारों पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किए जाने के बाद इनकी बिक्री में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। जीएसटी में कटौती के बाद छोटी कारें एक बार फिर आम ग्राहकों की पहुंच में आ गई हैं। नतीजा यह हुआ कि मारुति सुजुकी, जो इस सेगमेंट की मार्केट लीडर है, ने सिर्फ चार हफ्तों में करीब 4 लाख बुकिंग्स दर्ज की हैं। इनमें से लगभग 80,000 बुकिंग्स ऑल्टो के10, एस-प्रेसो, सेलेरियो और वैगनआर जैसी छोटी कारों की हैं। इससे यह साफ हो गया कि लोगों का इन कारों से मोहभंग नहीं हुआ था, बल्कि ऊंची कीमतों ने ही उन्हें दूरी बना ली थी।

मारुति के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सेल्स एंड मार्केटिंग) पार्थो बनर्जी के मुताबिक, हमने देखा है कि अब शोरूम में कई खरीदार हेलमेट के साथ पहुंच रहे हैं। यह संकेत है कि दोपहिया वाहन चलाने वाले ग्राहक अब अपनी पहली कार खरीदने आ रहे हैं। छोटे कार सेगमेंट में यह नए खरीदारों की लहर बाजार को नई जान दे रही है। उन्होंने बताया कि जीएसटी 2.0 से पहले जहां एंट्री-लेवल मॉडलों की हिस्सेदारी 16.7 प्रतिशत थी, अब यह बढ़कर 22.2प्रतिशत हो गई है। टाटा मोटर्स ने भी त्योहारी सीजन में शानदार बिक्री दर्ज की है। कंपनी के चीफ कमर्शियल ऑफिसर अमित कामत के अनुसार, हमारी हैचबैक कारें टियागो और अल्ट्रोज की बुकिंग्स इस साल पिछले साल की तुलना में 45 प्रतिशत अधिक रही हैं।

ग्राहक न सिर्फ बुकिंग कर रहे हैं, बल्कि तेजी से डिलीवरी भी ले रहे हैं। जीएसटी में कटौती का यह कदम अब भारतीय ऑटो बाजार में फिर से छोटे कारों का दौर लौटाता दिख रहा है। जहां पहले एंट्री-लेवल कारें महंगी होकर आम लोगों की पहुंच से बाहर हो रही थीं, वहीं अब किफायती कीमतों के साथ ये फिर से 'मिडल क्लास' परिवारों की पहली पसंद बन गई हैं। बता दें कि भारत में छोटी कारों का बाजार एक बार फिर रफ्तार पकड़ता नजर आ रहा है। कुछ समय पहले तक जहां ऑल्टो जैसी कारों की बिक्री घटने लगी थी और यह माना जा रहा था कि लोगों का झुकाव बड़ी कारों की ओर बढ़ रहा है, वहीं अब तस्वीर बदल चुकी है।

न्यूज़ब्रीफ

आरबीएल बैंक में यूएई के एमिरेट्स एनबीडी ने किया 26,850 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। भारत के बैंकिंग क्षेत्र में अब तक की सबसे बड़ी विदेशी डील होने जा रही है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के सबसे बड़े बैंक एमिरेट्स एनबीडी ने आरबीएल बैंक में लगभग 26,850 करोड़ रुपए (3 अरब डॉलर) निवेश कर 60 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा की है। यह निवेश 280 रुपए प्रति शेयर के भाव से किया जाएगा। यह सौदा प्रेफरेंशियल इश्यू के माध्यम से पूरा किया जाएगा, जिसके बाद एमिरेट्स एनबीडी शेष भारतीय शेयरधारकों से 26 फीसदी हिस्सेदारी के लिए अनिवार्य ओपन ऑफर लाएगा। इस डील को आरबीएल बैंक और एमिरेट्स एनबीडी दोनों के निदेशक मंडलों ने मंजूरी दे दी है। हालांकि, अंतिम रूप से यह डील भारतीय रिज़र्व बैंक, सेबी, शेयरधारकों और अन्य नियामकीय संस्थाओं की मंजूरी पर निर्भर करेगी। आरबीएल बैंक ने इस सौदे को लेकर 12 नवंबर 2025 को एक एक्स्ट्राऑर्डिनरी जनरल मीटिंग बुलाई है। बैंक को उम्मीद है कि सभी मंजूरियाँ मिलने के बाद यह डील 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी हो जाएगी। इस समझौते के तहत भारत में एमिरेट्स एनबीडी की मौजूदा शाखाओं का आरबीएल बैंक में विलय किया जाएगा। अब तक की सबसे बड़ी विदेशी बैंकिंग डील इससे आरबीएल का कैपिटल बेस मजबूत होगा, लोन देने की क्षमता बढ़ेगी और दीर्घकालिक विकास योजनाओं को समर्थन मिलेगा।

अक्टूबर में आईपीओ की धूमः एलजी ने किया धमाका

नई दिल्ली। अक्टूबर का महीना शेयर बाजार के लिए किसी बड़े उत्सव से कम नहीं रहा। इस दौरान कई बहुप्रतीक्षित आईपीओ ने बाजार में दस्तक दी और निवेशकों की नजरें इन पर टिकी रहीं। खासकर, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया, टाटा कैपिटल और वीवर्क इंडिया के आईपीओ ने चर्चा बटोरी। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने बाजार में 50 फीसदी के प्रीमियम के साथ धमाकेदार एंट्री की। 1,140 रुपए की इश्यू प्राइस के मुकाबले एनएसई पर यह 1,710 पर लिस्ट हुआ। हालांकि शुरुआती जोश के बाद शेयर गिरकर 1,627 रुपए तक आ गया, और फिलहाल 1,668 रुपए पर ट्रेड कर रहा है, यानी लिस्टिंग प्राइस से करीब 2 फीसद नीचे। टा ग्रुप की टाटा कैपिटल का आईपीओ निवेशकों में भरोसे के चलते सुर्खियों में रहा, लेकिन लिस्टिंग प्रीमियम सिर्फ 1.23 फीसदी रहा। एनएसई पर यह 330 रूपए पर लिस्ट हुआ और फिलहाल करीब 335 रूपए पर कारोबार कर रहा है। यह कंपनी विविध वित्तीय सेवाएं देती है और लॉन्ग टर्म निवेश के लिए उपयुक्त मानी जा रही है। वहीं, वीवर्क इंडिया का प्रदर्शन अपेक्षाकृत शांत रहा। 644.85 की लिस्टिंग के बाद शेयर 621 रुपए तक गिरा और अब 643 रुपए पर स्थिर है। को-वर्किंग स्पेस और हाइब्रिड ऑफिस मॉडल पर काम करने वाली इस कंपनी में लंबी अवधि में ग्रोथ की संभावनाएं देखी जा रही हैं ।

वित्त वर्ष 2030 तक 45,000 करोड़ का निवेश करेगी हुंडई इंडिया

नई दिल्ली। ऑटो कंपनी हुंडई मोटर भारत में अपने लंबी अवधि के रोडमैप के तहत वित्त वर्ष 2030 तक 45,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। हुंडई मोटर ने घोषणा की कि कंपनी का लक्ष्य भारत को वैश्विक स्तर पर अपना दूसरा सबसे बड़ा बाजार बनाना है। इस निवेश का मुख्य उद्देश्य नए प्रोडक्ट लॉन्च, क्षमता विस्तार और अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) को सपोर्ट करना होगा। हुंडई मोटर कंपनी के अध्यक्ष और सीईओ जोस मुनोज ने एचएमआईएल के पहले इन्वेस्टर डे में कहा कि पिछले साल के ऐतिहासिक आईपीओ और भारत में 30 वर्षों की सफलता के बाद, कंपनी अब अगले चरण के विकास के लिए यह बड़ा निवेश कर रही है। मुनोज के अनुसार, लगभग 60 प्रतिशत निवेश उत्पाद विकास और आर एंड डी में लगाया जाएगा, जबकि बाकी 40 प्रतिशत क्षमता विस्तार और अपग्रेडेशन पर खर्च किया जाएगा। कंपनी ने यह भी लक्ष्य रखा है कि कुल उत्पादन का 30 प्रतिशत निर्यात किया जाएगा। अपने 2030 रोडमैप के तहत, हुंडई 26 नए मॉडल लॉन्च करेगी, जिनमें 7 नए नाम शामिल होंगे।

धनतेरस पर कार बाजार में बंपर सेल, मारुति और हुंडई की रिकॉर्ड डिलीवरी

जीएसटी 2.0 की राहत और त्योहारों के जोश से ऑटो सेक्टर में आई नई रफ्तार

नई दिल्ली,19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

धनतेरस 2025 ने देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। इस शुभ अवसर पर देश की दो प्रमुख कार कंपनियों मारुति सुजुकी इंडिया और हुंडई मोटर इंडिया ने जबरदस्त बिक्री दर्ज की। ग्राहक उत्साह, बाजार में सकारात्मक माहौल और सरकार की ओर से जीएसटी 2.0 के तहत टैक्स राहत जैसे कारकों ने इस वृद्धि में अहम भूमिका निभाई।

मारुति सुजुकी ने पहली बार धनतेरस पर 50,000 गाड़ियों की डिलीवरी का रिकॉर्ड बनाया है। कंपनी के मार्केटिंग एंड सेल्स हेड के अनुसार, शनिवार शाम 6 बजे तक ही 38,500 गाड़ियां डिलीवर हो चुकी थीं और रविवार को 10,000 और डिलीवरी होने का अनुमान है। पिछले वर्ष दो दिन में 42,000 गाड़ियों की डिलीवरी हुई थी, जबकि इस बार यह आंकड़ा पार कर लिया गया। बनर्जी ने बताया कि पिछले एक महीने में कंपनी को 4.5 लाख बुकिंग्स मिलीं और 3.25 लाख गाड़ियां बिक चुकी हैं। छोटी गाड़ियों की मांग भी बनी रही, जिनमें से 94,000 यूनिट् की बिक्री हुई है। कंपनी के शोरूम पर भारी भीड़ देखी गई और पूजा के लिए पंडितों तक को बुलाया गया ताकि ग्राहक शुभ समय पर गाड़ी ले सकें। वहीं हुंडई मोटर इंडिया ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 14,000 गाड़ियों की डिलीवरी की, जो पिछले साल के मुकाबले 20 फीसदी अधिक है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह डिलीवरी कई दिनों में फैली है, जिससे हर ग्राहक को बेहतर अनुभव मिल सके। धनतेरस की इस बंपर बिक्री से स्पष्ट है कि त्योहारी मौसम और सरकारी नीतियां मिलकर ऑटो इंडस्ट्री को नई रफ्तार दे रही हैं। आने वाले महीनों में यह गति और भी तेज हो सकती है।

भारत में वाहनों की शिपमेंट बढ़कर हुई 3,72,458 यूनिट्स

नई दिल्ली। भारत में बीते सितंबर महीने में यात्री वाहनों, कारों और एसयूवी सहित वाहनों की शिपमेंट 4.4 प्रतिशत बढ़कर 3,72,458 यूनिट्स हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने यह संख्या 3,56,752 यूनिट्स थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोपहिया वाहनों की बिक्री 7 प्रतिशत बढ़कर 21,60,889 यूनिट्स रही, जो सितंबर 2024 में 20,25,993 यूनिट्स थी। तिपहिया वाहनों की शिपमेंट भी 5.5 प्रतिशत बढ़कर 84,077 यूनिट्स पहुंच गई, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 79,683 यूनिट्स था। एसआईएएम के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने बताया कि 22 सितंबर से लागू नई जीएसटी दरों के बावजूद, सितंबर में यात्री, दोपहिया और तिपहिया वाहनों ने अब तक की सबसे बड़ी बिक्री दर्ज की है। उन्होंने कहा कि अनुकूल परिस्थितियों और जीएसटी 2.0 सुधार के चलते ऑटो उद्योग का आउटलूक उत्साहजनक बना हुआ है। चंद्रा ने इसे भारतीय ऑटो उद्योग और अर्थव्यवस्था के लिए ऐतिहासिक और सकारात्मक कदम बताया। जुलाई-सितंबर तिमाही में यात्री वाहनों की बिक्री 10,39,200 यूनिट्स रही, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के 10,55,137 यूनिट्स से थोड़ा कम है। इसी अवधि में दोपहिया वाहनों की बिक्री पिछले साल की तुलना में 7 प्रतिशत बढ़कर 55,62,077 यूनिट्स हो गई। तिपहिया वाहनों की बिक्री जुलाई-सितंबर तिमाही में 10 प्रतिशत बढ़कर 2,29,239 यूनिट्स रही, जो आर्थिक गतिविधियों के उच्च स्तर को दर्शाता है।

धनतेरस 2025 : भारत में रिकॉर्ड चांदी खरीद, वैश्विक बाजार में मची हलचल

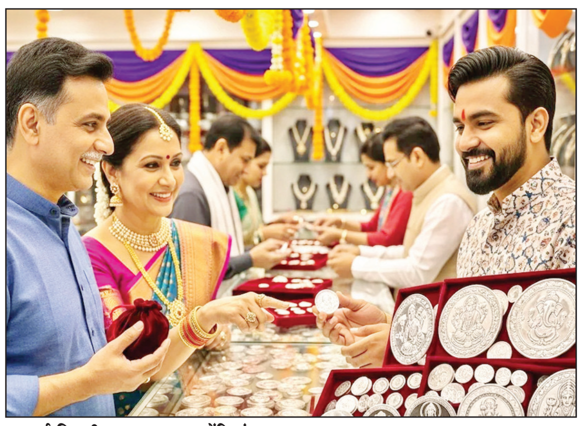

नई दिल्ली,19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

देश की सबसे बड़ी रिफाइनरी एमएमटीसी-पीएएमपी के स्टॉक खाली, लंदन में भी चांदी की भारी किल्लत

इस बार दिवाली और धनतेरस पर भारत में चांदी की अभूतपूर्व खरीदारी हुई, जिससे देश की सबसे बड़ी रिफाइनरी एमएमटीसी-पीएएमपी पहली बार स्टॉक से खाली हो गई। बाजार के जानकारों ने कहा कि उन्होंने अपने 27 साल के करियर में ऐसी खरीदारी पहले भी नहीं देखी। बाजार में भारी डिमांड के चलते सप्लाई बाधित हो गई है।

भारत की इस जबरदस्त मांग का असर लंदन जैसे वैश्विक बाजारों पर भी पड़ा। वहां कई बैंकों ने ग्राहकों को चांदी की कीमत बताना तक बंद कर दिया, क्योंकि स्टॉक खत्म हो चुका था। विशेषज्ञों के अनुसार, यह स्थिति पिछले 45 वर्षों में सबसे गंभीर चांदी संकटों में से एक मानी जा रही है। चांदी की मांग बढ़ने के पीछे कई कारक बताए जा रहे हैं- जैसे पहला, सोशल मीडिया पर इसे अगला गोल्ड कहा जाने लगा, दूसरा सोने-चांदी का अनुपात 100:1 पहुंच गया, जिससे निवेशकों ने सस्ता विकल्प चुना, तीसरा सोलर इंडस्ट्री में चांदी की खपत तेजी से बढ़ रही है और चौथा डॉलर की कमजोरी ने भी निवेशकों को आकर्षित किया। लंदन वेयरहाउस में अब केवल 150 मिलियन औंस चांदी बची है, जबकि रोजाना का व्यापार करीब 250 मिलियन औंस है। अमेरिका और चीन में ईटीएफ और इंडस्ट्री की भारी खरीदारी से संकट और गहरा गया। हालांकि, न्यूयॉर्क के कॉमेक्स वेयरहाउस से 20 मिलियन औंस चांदी निकाले जाने के बाद कीमतों में 5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। आने वाले हफ्तों में अमेरिका और चीन से नई सप्लाई की उम्मीद है, जिससे बाजार थोड़ा स्थिर हो सकता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मिलों में काम ...

वहीं अमेरिका के कुल कपड़ों के आयात में 33 प्रतिशत हिस्सा भारत से आता होता है। व्यापार थिंक-टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव का अनुमान है कि 2025-26 में अमेरिका को भारत का निर्यात लगभग 43 प्रतिशत घटकर 87 अरब डॉलर से 49.6 अरब डॉलर हो सकता है। 50 प्रतिशत टैरिफ बढ़ने के बाद, एक भारतीय निर्मित शर्ट की कीमत अमेरिकी खरीदारों को 16.40 डॉलर में मिलेगी, जो पहले 10 डॉलर में बिकती थी। यह कीमत चीन की 14.20 डॉलर, बांग्लादेश की 13.20 डॉलर या वियतनाम की 12 डॉलर की कीमत से कहीं अधिक महंगी है। भारतीय निर्यातकों के संगठन फियो यानी फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष एससी रल्हन कहते हैं कि सूरत, तिरुपुर से लेकर नोएडा तक कई ऐपरेल और टेक्सटाइल निर्माताओं ने प्रोडक्शन लागत बढ़ने की वजह से उत्पादन रोक दिया है। इसका असर नौकरियों से मजदूरों की छंटनी के रूप में सामने आ रहा है। जब तक टैरिफ युद्ध की समस्या का कोई समाधान नहीं निकलता या भारत को पर्याप्त वैकल्पिक बाजार नहीं मिलते तब तक यह समस्या जारी रहेगी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थित नोएडा में ही करीब साढ़े चार हजार कपड़े की फैक्ट्रियां हैं। इनमें करीब दस लाख मजदूर काम करते हैं। यह भी तथ्य है कि इन कंपनियों में किसी भी तरह का श्रम कानून लागू नहीं होता। इन कंपनियों में 12 घंटे की शिफ्ट चलती है। अधिकांश मजदूर बेहतर कमाई की आस में अपनी सुरक्षा और स्वास्थ्य की परवाह किए बगैर ज्यादा से ज्यादा काम करना चाहते हैं। इतनी कम तनख्वाह पर ओवरटाइम करना तो इस उद्योग में आम बात है। ओवरटाइम का भुगतान भी सिंगल रेट से होता है। हर रोज (रविवार को भी) 3 से 4 घंटे ओवरटाइम करने के बाद मजदूर महीने में 15-18 हजार रुपए ही कमा पाते हैं। कुछ मजदूरों के अनुसार वे हर हफ्ते लगभग 50-60 घंटे ओवरटाइम करते हैं। उत्पादन के चरम समय पर रात को 2 बजे तक काम करना पड़ता है। ईएसआई और पीएफ जैसे कानून किसी फैक्ट्री में लागू नहीं होते। साथ ही पीस रेट पर काम करने वाले मजदूर भी इस उद्योग में काफी संख्या में हैं। कपड़े के हर मीटर पर मिलने वाली मजदूरी में भी गिरावट आई है। वर्तमान में यह संख्या 1.8 से 3 रुपए प्रति मीटर के बीच है। इसके अलावा इस उद्योग में आए-दिन हादसे होते हैं। उंगली कटना, मशीन में फंसना या कुचले जाना, बीम उठाकर सीढ़ियां चढ़ते वक्त फिसलकर गिरना, उड़ती शटल से चोट खाना, करंट लगना या आग से झुलसना- मजदूरों की जान को खतरा लगातार बना रहता है। मालिकों द्वारा मजदूरों को किसी भी प्रकार के सुरक्षा उपकरण मुहैया नहीं कराए जाते हैं। यह टैरिफ लगने से पहले कपड़ा उद्योग में मजदूरों की सामान्य स्थिति है।

टैरिफ लगने के बाद कपड़ा उद्योग के मजदूरों की स्थिति और अधिक बदहाल हो गई है। एक तरफ तो अधिकतर कंपनियों में से आधे मजदूरों को बिना नोटिस दिए काम से निकाला जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ बहुत से मजदूरों को बिना वेतन काम से कई दिनों की छुट्टी दी जा रही है। जिन्हें काम से निकाला नहीं गया, उनकी 8 घंटे की शिफ्ट चल रही है, जिस कारण उन्हें 8-9 हजार वेतन ही मिल रहा है, जो कि आज के महंगाई के दौर में नाकाफी है। सालों तक कपड़ा लाइन में काम कर चुके मजदूरों को अब किसी और फैक्ट्री में भी काम नहीं मिल रहा है। अलग-अलग राज्यों से काम करने आए मजदूरों को तमाम समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। नौकरी जाने या बिना वेतन के छुट्टी मिलने के कारण मजदूरों को मकान का किराया देने से लेकर राशन लेने और घर का खर्च चलाने के लिए बेहद मशक्कत करना पड़ रहा है। ऐसे में यह साफ हो जाता है कि टैरिफ बढ़ने से सबसे अधिक गाज मजदूरों पर ही गिरी है।

देवभूमि की...

जिम कार्बेट नेशनल पार्क में 20 से ज्यादा मजारें पाई गईं। अवैध मजारों में से करीब 102 मजारें ऐसी थीं, जिन्हें तोड़े जाने पर उनके नीचे कोई मानव अवशेष नहीं मिला। साफ जाहिर है कि ये मजारें कब्जे की नीयत से बनी थीं। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि धार्मिक स्थलों की आड़ में उत्तराखंड में 11 हजार हेक्टेयर से ज्यादा वन भूमि अतिक्रमण की चपेट में है।खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट है कि देवभूमि उत्तराखंड को सोच समझ कर टार्गेट किया गया और वहां धर्मस्थलों के बहाने ठिकाने बनाए गए। देवभूमि को पहले लव जेहाद, फिर लैंड जेहाद और चादर जेहाद का शिकार बनाया गया। जब स्थानीय लोग इसके खिलाफ खड़े हुए तब जाकर सरकार जागी। लोगों का कहना है कि मजारों की आड़ में चादर-जेहाद को रणनीतिक तौर पर इस्तेमाल करते हुए मुस्लिम समुदाय के बाहरी लोग पहाड़ों में आकर बस गए। नैनीताल में भी इसी तरह डेमोग्राफी बदली गई। हल्द्वानी को तो पूरी तरह जनसंख्या-प्रदूषित कर दिया गया।

चंद्रयान-2 ने दी...

इन कणों की टक्कर से चंद्रमा की सतह से बड़ी संख्या में परमाणु और अणु उछलकर बाह्यमंडल में मुक्त हो गए, जिससे वातावरण अचानक फूल गया।

चंद्रयान-2 ने पहली बार वैज्ञानिक रूप से यह अवलोकन किया है कि सूर्य की कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) यानी सूर्य से विशाल मात्रा में ऊर्जा और कणों का विस्फोट चंद्रमा के वातावरण को कैसे प्रभावित करता है। यह जानकारी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने दी। कोरोनल मास इजेक्शन तब होता है, जब सूर्य अपनी निर्माण सामग्री, जिसमें मुख्यतः हीलियम और हाइड्रोजन आयन होते हैं, जिनका महत्वपूर्ण मात्रा में उत्सर्जन करता है। ये प्रभाव चंद्रमा पर महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि चंद्रमा एक वायुहीन पिंड है और वह भी किसी भी वैश्विक चुंबकीय क्षेत्र से रहित है, जिसकी उपस्थिति इसकी सतह पर सौर प्रभावों को रोक सकती थी। इसरो ने कहा कि इस अवलोकन से चंद्रमा के अत्यंत पतले वायुमंडल (लूनर एक्सोस्फीयर) की बेहतर समझ और अंतरिक्षीय मौसम के चंद्र सतह पर प्रभाव का अध्ययन संभव हो सकेगा। चंद्रयान-2 मिशन को 22 जुलाई 2019 को श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया गया था। यह मिशन आठ वैज्ञानिक उपकरणों के साथ गया था और 20 अगस्त 2019 को यह सफलतापूर्वक चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश कर गया था। हालांकि 7 सितंबर 2019 को विक्रम लैंडर से संपर्क टूट गया था, लेकिन ऑर्बिटर अभी भी चंद्रमा की 100 किमी 100 किमी की कक्षा में सक्रिय है और निरंतर वैज्ञानिक डेटा भेज रहा है। इसरो ने यह भी कहा कि यह खोज वैज्ञानिक दृष्टिकोण से चंद्रमा और अंतरिक्ष मौसम की समझ को आगे बढ़ाने के साथ-साथ भविष्य में चंद्रमा पर बनने वाले बेस (चंद्र आवासों) के लिए भी चेतावनी है। चंद्रमा पर मानव मिशन या स्थायी ठिकाने बनाने से पहले वैज्ञानिकों को इस तरह के सौर तूफानों और उनके प्रभावों को ध्यान में रखना होगा।

ई-वाहनों पर...

इसे दो वर्ष और बढ़ाने के फैसले के पीछे सबसे बड़ी वजह शून्य उत्सर्जन वाहन को बढ़ावा देना है। इसके लिए भारत में प्रमुख ईवी नीतियों की समीक्षा भी की गई। इसमें यह बात सामने आई कि दिल्ली, महाराष्ट्र कर्नाटक, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जैसे प्रमुख राज्य ईवी वाहनों के पंजीकरण शुल्क एवं रोड टैक्स में 100 प्रतिशत तक छूट दे रहे हैं। समिति ने पाया कि नीति के तहत अगले दो वर्ष भी राज्य सरकार 100 फीसदी छूट जारी रख सकती है। इस निर्णय से राज्य में ईवी अपनाने की दर में वृद्धि होगी।

नीति आयोग की रिपोर्ट-2024 के अनुसार उत्तर प्रदेश परफॉर्मर श्रेणी में आता हैं, जबकि वित्तीय वर्ष 2024-25 में पूरे देश में बिके कुल ई वाहनों में राज्य का बाजार हिस्सा 18 प्रतिशत रहा। शासन ने इससे निष्कर्ष निकाला कि उत्तर प्रदेश में ईवी की स्वीकृति पर जोर देने की अभी भी प्रबल आवश्यकता है, जिससे राज्य में ईवी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण और ईवी उपयोग की वृद्धि और तेज होगी।

दो वर्ष के लिए सब्सिडी जारी रखने के साथ राज्य में निर्मित वाहनों की शर्त को इसलिए हटाया गया है क्योंकि उत्तर प्रदेश में वृहद स्तर पर ईवी विनिर्माण सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। राज्य सरकार इन्वेस्ट यूपी में स्थापित समर्पित ऑटो-डेस्क के माध्यम से ऑटो कंपनियों और घटक विनिर्माताओं को आकर्षित कर रही है। इसमें जापान और जर्मनी की कंपनियों ने रुचि दिखाई है जो जल्द ई वाहनों का विनिर्माण केंद्र यूपी में लगा सकती हैं।

मोदी और ...

कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी की रिपोर्ट को ठेंगा दिखाकर टिकट बंटवारे से असंतोष चरम पर है। वरिष्ठ नेता तारिक अनवर ने खुला सवाल उठाया कि जो कल तक कांग्रेस को कोसते थे, उन्हें टिकट कैसे? योगेंद्र यादव के करीबी अनुपम को टिकट मिलने से कार्यकर्ताओं में बगावत भड़क उठी है। राजद के भीतर भी कई सीटों पर नाराजगी, और कांग्रेस में नेतृत्व-संवाद की कमी से गठबंधन की एकता पर खतरा मंडरा रहा। मौजूदा स्थिति से खिन्न बिहार कांग्रेस के प्रवक्ता और प्रदेश के शोध विभाग के अध्यक्ष आनंद माधव ने कहा कि हम राहुल गांधी को प्रधानमंत्री देखना चाहते हैं, लेकिन वर्तमान व्यवस्था के खिलाफ आवाज नहीं उठाई तो ये कांग्रेस के लोकतांत्रिक मूल्यों और फासीवाद के खिलाफ हमारे संघर्ष को कमजोर करेगा। उन्होंने करीब 150 कांग्रेस के पूर्व विधायकों, जिलाध्यक्षों और पदाधिकारियों के साथ मीडिया से बात की और कहा कि हम आवाज उठा रहे हैं ताकि आलाकमान तक सच्चाई पहुंचे।दूसरी तरफ शुरुआती रस्साकशी के बाद एनडीए में तालमेल बढ़िया दिख रहा है। गृह मंत्री अमित शाह ने जदयू-भाजपा संगठन और बूथ प्रबंधन की कमान खुद थामी। उन्होंने इसे चुनावी अनुशासन का नया मॉडल बताया। गृह मंत्री अमित शाह ने पटना के होटल मौर्यालोक पहुंचते ही संगठन के नट-बोल्ट कस दिए। पहले अलीनगर से पराजय की कगार पर खड़ी मैथिली ठाकुर के सामने बागी उम्मीदवार पप्पू सिंह को बिठाया और फिर औरंगाबाद सीट पर खड़े दो निर्दलीय उम्मीदवारों को भी समझा लिया। शाह के मैनेजमेंट ने पार्टी को रेस में वापसी का मौका दिया।पीएम मोदी बिहार में 12 मेगा रैलियां करने वाले हैं। 23 अक्टूबर को सासाराम, भागलपुर, गया के बाद 28 अक्टूबर को पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, फिर एक नवंबर को पूर्वी चंपारण, समस्तीपुर, छपरा और तीन नवंबर को पश्चिम चंपारण, सहरसा और अररिया में प्रधानमंत्री की रैली होगी। दूसरी तरफ चुनाव से पहले वोट चोरी का बवाल काटने वाले राहुल गांधी परिदृश्य से लापता हैं। कांग्रेस और महागठबंधन पर इसका प्रभाव खराब पड़ा है। बिहार का चुनाव विचारों से ज्यादा टीम मैनेजमेंट का है। महागठबंधन सीटों पर उलझा, टिकटों पर बिखरा और प्रचार पर अटका। एनडीए एकजुट रणनीति से मैदान पर हावी दिख रहा है। एक तरफ फ्रेंडली फाइट की जद्दोजहद तो दूसरी ओर नीतीश-मोदी की केमिस्ट्री। दीवाली के बाद हवाएं कैसी चलेंगी, उससे ही तय होगा कि 14 नवंबर को बिहार में सत्ता की दीवाली कौन मनाएगा। वैसे स्थितियां अभी से ही साफ होती दिखने लगी हैं।

आज दीपावली

॥ महालक्ष्मी पूजन का समय ॥

प्रदोष काल में लक्ष्मी पूजन किया जाना चाहिए।
प्रदोष समये दीपदानोल्का प्रदर्शन लक्ष्मी पूजनानि कृत्वॉ भोजनं कार्यम्।।
प्रदोष काल – सायं 06:50 से रात्रि 08:24 बजे तक।
स्थिर वृष लग्न – रात्रि 7:18 से रात्रि 9:15 बजे तक
स्थिर सिंह लग्न – मध्य रात्रि 1:48 से 4:04 बजे तक

कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाने वाला खुशियों और रोशनी का त्योहार दीपावली हिंदू धर्म का सबसे बड़ा और प्राचीन त्यौहार है। यह त्योहार मां लक्ष्मी के सम्मान में मनाया जाता है। कुछ जगहों पर इस त्यौहार को नए साल की शुरुआत भी माना जाता है। दीपोत्सव से कई मान्यताएं जुड़ी हुई हैं।

यह त्यौहार भगवान राम और माता सीता के 14 वर्ष के वनवास के बाद घर आगमन की खुशी में मनाया जाता है। कथाओं के अनुसार दीपावली के दिन ही भगवान विष्णु ने नरसिंह रूप धारण कर हिरण्यकश्यप का वध किया था। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि इस बार दीपावली 20 अक्टूबर को मनाई जाएगी। यह भी कहा जाता है कि जब भगवान श्रीकृष्ण ने नरकासुर का वध किया तब ब्रजवासियों ने इस दिन दीप प्रज्ज्वलित कर खुशियां मनाईं। जैन धर्म के लोग इस त्योहार को भगवान महावीर के मोक्ष दिवस के रूप में मनाते हैं। दीपावली की रात को इस रूप में जाना जाता है कि मां लक्ष्मी ने पति के रूप में भगवान विष्णु को चुना और फिर उनसे विवाह किया। दीपावली का त्योहार भगवान विष्णु के वैकुंठ में वापसी के दिन के रूप में भी मनाया जाता है। यह भी मान्यता है कि कार्तिक अमावस्या के दिन मां लक्ष्मी समुद्र से प्रकट हुई थीं। इसी दिन अमृतसर में स्वर्ण मंदिर का शिलान्यास हुआ था। दीपावली की रात मां काली की पूजा का भी विधान है।

भारत के त्यौहारों में दीपावली काफी विशिष्ट स्थान रखती है। इस त्योहार के अवसर पर घरों और दूकानों को सजाया-संवारा जाता है। उनकी साफ-सफाई की जाती है। इस दिन धन की देवी लक्ष्मी की पूजा विशेष रुप से की जाती है। हिन्दू धर्म के अनुसार दीपावली के दिन धन की देवी महालक्ष्मी के साथ विघ्न-विनाशक श्री गणेश की देवी मातेश्वरी सरस्वती देवी की भी पूजा-आराधना की जाती है। कहा जाता है कि कार्तिक मास की अमावस्या की आधी रात में देवी लक्ष्मी धरती पर आती हैं और हर घर में जाती हैं। जिस घर में स्वच्छता और शुद्धता होती है वह वहां निवास करती हैं।

दीपावली हिंदुओं का प्रमुख त्यौहार है। हर देशवासी को इस त्यौहार का इंतजार रहता है। यह रोशनी और प्रकाश का त्यौहार है। इस दिन बच्चों को खाने के लिए तरह तरह की मिठाइयां मिलती हैं और पटाखे चलाने को मिलते हैं। दीपावली के दिन गणेश लक्ष्मी की पूजा की जाती है। यह त्यौहार अंधकार पर प्रकाश की विजय को दिखाता है। इस दिन घरों में दिए जलाए जाते हैं। विभिन्न प्रकार की लाइटें, रंग बिरंगी रोशनी लगाई जाती हैं। लोग नए वस्त्र पहनते हैं। शाम को मिठाइयां बांटी जाती हैं, लोग दावतों में जाते हैं।

दीपावली का महत्व

14 वर्ष के वनवास के बाद भगवान राम अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटने का प्रतीक है दीवाली। अपने पिता राजा दशरथ के आदेश के बाद भगवान राम 'वनवास' के लिए गए थे। इस दौरान उन्होंने भारत के जंगलों और गांवों में 14 साल बिताए। अपने वनवास के अंत में दस मुखी लंका के राजा रावण ने सीता का अपहरण कर लिया था। इसके बाद भगवान राम ने रावण से युद्ध किया और रावण को मारकर अपनी पत्नी को लेकर वापिस अयोध्या लौटे। महाकाव्य रामायण में भगवान राम की जीत बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है।

दीपावली का त्योहार आते ही घर में एक अलग सा माहौल नजर आने लगता है। जहां एक तरफ पूरे घर को सजाया जाता है, वहीं भगवान गणेश और लक्ष्मी जी की पूजा की तैयारियां भी शुरू हो जाती हैं। कहा जाता है कि इस दिन मां लक्ष्मी घर में वास करती हैं। अगर दीवाली में मां लक्ष्मी को खुश कर लिया तो घर में कभी भी धन की समस्या नहीं होती। लेकिन इसी दिन भगवान गणेश को भी पूजा जाता है। बुद्धि और विवेक के प्रतीक माने जाने वाले गणेश को इस दिन मां लक्ष्मी के साथ क्यों पूजा जाता है। इसके बारे में काफी कम लोग जानते हैं। लेकिन हमारे देश में हर त्योहार और उसे मनाने के तरीके के पीछे एक कहानी छिपी होती है। दीवाली पर गणेश और लक्ष्मी की पूजा के पीछे भी एक ऐसी कहानी है।

कहानी – ग्रंथों के मुताबिक एक बार एक वैरागी साधु को राजसुख भोगने की इच्छा जागृत हुई, इसके लिए उसने मां लक्ष्मी की आराधना शुरू की। उसकी कड़ी तपस्या और आराधना से लक्ष्मी जी प्रसन्न हुईं और उसे दर्शन देकर वरदान दिया कि उसे उच्च पद और सम्मान प्राप्त होगा। इसके बाद वह साधु राज दरबार में पहुंचा। वरदान मिलने से उसे अभिमान हो गया था। उसने भरे दरबार में राजा को धक्का मारा जिससे राजा का मुकुट नीचे गिर गया।

राजा व उसके साथी उसे मारने के लिए दौड़े। लेकिन इसी बीच राजा के गिरे हुए मुकुट से एक कालानाग निकल कर बाहर आया। सभी चौंक गए और साधु को चमत्कारी समझकर उसकी जय जयकार करने लगे। राजा ने इस बात से प्रसन्न होकर साधु को अपना मंत्री बना दिया। उस साधु को रहने के लिए अलग से महल भी दे दिया गया। राजा को एक दिन वह साधु भरे दरबार से हाथ खींचकर बाहर ले गया। यह देख दरबारी जन भी पीछे भागे। सभी के बाहर जाते ही भूकंप आया और भवन खण्डहर में तब्दील हो गया। लोगों को लगा कि साधु ने सबकी जान बचाई। इसके बाद साधु का मान-सम्मान और भी ज्यादा बढ़ गया। अब इस वैरागी साधु में अहंकार और भी ज्यादा बढ़ गया।

हटवा दी गणेश की प्रतिमा

राजा के महल में एक गणेश जी की प्रतिमा थी. एक दिन साधु ने यह कहकर वह प्रतिमा हटवा दी कि यह देखने में बिल्कुल अच्छी नहीं है। कहा जाता है कि साधु के इस कार्य से गणेश जी रुष्ठ हो गए। उसी दिन से उस मंत्री बने साधु की

बुद्धि भ्रष्ट होना शुरू हो गई और वह ऐसे काम करने लगा जो लोगों की नजरों में काफी बुरे थे।. इसे देखते हुए राजा ने उस साधु से नाराज होकर उसे कारागार में डाल दिया।. साधु जेल में एक बार फिर से लक्ष्मी जी की आराधना करने लगा।. लक्ष्मी जी ने दर्शन देकर उससे कहा कि तुमने भगवान गणेश का अपमान किया है। इसके लिए गणेश जी की आराधना करके उन्हें प्रसन्न करो। इसके बाद वह साधु गणेश जी की आराधना करने लगा। उसकी इस आराधना से गणेश जी का क्रोध शान्त हो गया। एक रात गणेश जी ने राजा के स्वप्न में आकर कहा कि साधु को फिर से मंत्री बनाया जाए। राजा ने आदेश का पालन करते हुए साधु को मंत्री पद दे दिया। इस घटना के बाद से मां लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा एक साथ होने लगी।

बिना बुद्धि के धन नहीं

भगवान गणेश बुद्धि के प्रतीक हैं तो मां लक्ष्मी धन-समृद्धि की। घरों में इन मूर्तियों को स्थापित कर पूजन करने से धन और सद्बुद्धि दोनों आएगी। शास्त्रों के अनुसार लक्ष्मी जी को धन का प्रतीक माना गया है, जिसकी वजह से लक्ष्मी जी को इसका अभिमान हो जाता है। विष्णु जी इस अभिमान को खत्म करना चाहते थे इसलिए उन्हों ने लक्ष्मी जी से कहा कि स्त्री तब तक पूर्ण नहीं होती है, जब तक वह मां न बन जाये। लक्ष्मी जी के कोई पुत्र नहीं था, इसलिए यह सुन के वे बहुत निराश हो गयी। तब वे देवी पार्वती के पास गयीं। पार्वती जी को दो पुत्र थे इसलिए लक्ष्मी जी ने उनसे एक पुत्र को गोद लेने को कहा। पार्वती जी जानती थीं कि लक्ष्मी जी एक स्थान पर लंबे समय नहीं रहती हैं। इसलिए वे बच्चे की देखभाल नहीं कर पाएंगी, लेकिन उनके दर्द को समझते हुए उन्होंने अपने पुत्र गणेश को उन्हें सौंप दिया। इससे लक्ष्मी जो बहुत प्रसन्न हुईं। उन्होंने कहा कि सुख-समृद्धि के लिए पहले गणेश जी की पूजा करनी पड़ेगी, तभी मेरी पूजा संपन्न होगी

इन मंत्रों से करें मां को प्रसन्न

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि यह मां लक्ष्मी के अलग-अलग नाम हैं, जिनका जप करने से मां प्रसन्न होती है।

ॐ आद्यलक्ष्म्यै नमः, ॐ विद्यालक्ष्म्यै नमः, ॐ सौभाग्यलक्ष्म्यै नमः, ॐ अमृतलक्ष्म्यै नमः, ॐ कामलक्ष्म्यै नमः, ॐ सत्यलक्ष्म्यै नमः,
ॐ भोगलक्ष्म्यै नमः, ॐ योगलक्ष्म्यै नमः.
ऊं अपवित्रः पवित्रोवा सर्वावस्थां गतो पिवा ।
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः।।
ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

पूजा सामग्री – दीपावली के शुभ अवसर पर मां लक्ष्मी की पूजा में कलावा, अक्षत, लाल वस्त्र, फूल, पांच सुपारी, रोली, सिंदूर, एक नारियल, अक्षत, लाल वस्त्र, फूल, पांच सुपारी, लौंग, पान के पत्ते, घी, कलश, कलश के लिए आम का पल्लव, चौकी, समिधा, हवन कुण्ड, हवन सामग्री, कमल गट्टे, पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, गंगाजल), फल, बताशे, मिठाईयां, पूजा में बैठने हेतु आसन, हल्दी , अगरबत्ती, कुमकुम, इत्र, दीपक, रूई, आरती की थाली, कुशा, रक्त चंदनद, श्रीखंड चंदन पूजन सामग्री का इस्तेमाल करें।

पूजा विधि –पूजन शुरू करने से पहले चौकी को अच्छी तरह से धोकर उसके ऊपर खूबसूरत सी रंगोली बनाएं, इसके बाद इस चौकी के चारों तरफ दीपक जलाएं. मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करने से पहले थोड़े से चावल रख लें।मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए उनके बाईं ओर भगवान विष्णु की प्रतिमा को भी स्थापित करें. अगर आप किसी पंडित को बुलाकर पूजन करवा सकते हैं तो यह काफी अच्छा रहेगा। लेकिन आप अगर खुद मां लक्ष्मी का पूजन करना चाहते हैं तो सबसे पहले पुष्प, फल, सुपारी, पान, चांदी का सिक्का, नारियल, मिठाई, मेवा, सभी सामग्री थोड़ी-थोड़ी मात्रा में लेकर इस त्योहार के पूजन के लिए संकल्प लें।सबसे पहले भगवान गणेश की पूजा करें और इसके बाद आपने चौकी पर जिस भगवान को स्थापित किया है उनकी. इसके बाद कलश की स्थापना करें और मां लक्ष्मी का ध्यान करें. मां लक्ष्मी को इस दिन लाल वस्त्र जरूर पहनाएं. इससे मां काफी प्रसन्न होंगी और इस दीवाली आपके घर में भी खुशियों का बसेरा होगा।

दीपावली के पूजन के शुभ प्रतीक

दीपावली के पूजन महालक्ष्मी की पूजा का विधान है। इस पूजा के साथ ही घर और पूजा घर को सजाने के लिए मंगल वस्तुओं का उपयोग किया जाता है। ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा से जानते हैं कि गृह सुंदरता, समृद्धि और दीपावली के पूजन के कौन-से शुभ प्रतीक हैं।

दीपक – दीपावली के पूजन में दीपक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सिर्फ मिट्टी के दीपक का ही महत्व है। इसमें पांच तत्व हैं मिट्टी, आकाश, जल, अग्नि और वायु। अतः प्रत्येक हिंदू अनुष्ठान में पंचतत्वों की उपस्थिति अनिवार्य होती है। कुछ लोग पारंपरिक दीपक की रोशनी को छोड़कर लाइट के दीपक या मोमबत्ती लगाते हैं जो कि उचित नहीं है।

रंगोली –उत्सव-पर्व तथा अनेकानेक मांगलिक अवसरों पर रंगोली या मांडने से घर-आंगन को खूबसूरती के साथ सजाया जाता है। यह सजावट ही समृद्धि के द्वार खोलती है।घर को साफ सुथरा करके आंगन व घर के बीच में और द्वार के सामने और रंगोली बनाई जाती है।

कौड़ी –पीली कौड़ी को देवी लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। दीवापली के दिन चांदी और तांबे के सिक्के के साथ ही कौड़ी का पूजन भी महत्वपूर्ण माना गया है। पूजन के बाद एक-एक पीली कौड़ी को अलग-अलग लाल कपड़े में बांधकर घर में स्थित तिजोरी और जेब में रखने से धन समृद्धि बढ़ती है।

तांबे का सिक्का –तांबे में सात्विक लहरें उत्पन्न करने की क्षमता अन्य धातुओं की अपेक्षा अधिक होती है। कलश में उठती हुई लहरें वातावरण में प्रवेश कर जाती हैं। यदि कलश में तांबे के पैसे डालते हैं, तो इससे घर में शांति और समृद्धि के द्वार खुलेंगे। देखने में ये उपाय छोटे से जरूर लगते हैं लेकिन इनका असर जबरदस्त होता है।

मंगल कलश–भूमि पर कुंकू से अष्टदल कमल की आकृति बनाकर उस पर कलश रखा जाता है। एक कांस्य, ताम्र, रजत या स्वर्ण कलश में जल भरकर उसमें कुछ आम के पत्ते डालकर उसके मुख पर नारियल रखा होता है। कलश पर कुंकूम, स्वस्तिक का चिह्न बनाकर, उसके गले पर मौली (नाड़ा) बांधी जाती है।

श्रीयंत्र– धन और वैभव का प्रतीक लक्ष्मीजी का श्रीयंत्र। यह सर्वाधिक लोकप्रिय प्राचीन यंत्र है। श्रीयंत्र धनागम के लिए जरूरी है। श्रीयंत्र यश और धन की देवी लक्ष्मी को आकर्षित करने वाला शक्तिशाली यंत्र है। दीपावली के दिन इसकी पूजा होना चाहिए।

फूल– कमल और गेंदे के पुष्प को शांति, समृद्धि और मुक्ति का प्रतीक माना गया है। सभी देवी-देवताओं की पूजा के अलावा घर की सजावट के लिए भी गेंदे के फूल की आवश्यकता लगती है। घर की सुंदरता, शांति और समृद्धि के लिए यह बेहद जरूरी है।

नैवेद्य – लक्ष्मीजी को नैवद्य में फल, मिठाई, मेवा और पेठे के अलावा धानी, बताशे, चिरौंजी, शक्करपारे, गुझिया आदि का भोग लगाया जाता है। नैवेद्य और मीठे पकवान हमारे जीवन में मिठास या मधुरता घोलते हैं।

दीपावली पूजन मुहूर्त

इस दिन पूरा दिन ही शुभ माना जाता है। इस दिन किसी भी समय पूजन कर सकते हैं लेकिन प्रदोष काल से लेकर निशाकाल तक समय शुभ होता है।

महालक्ष्मी पूजन का समय

प्रदोष काल में लक्ष्मी पूजन किया जाना चाहिए।
प्रदोष समये दीपदानोल्का प्रदर्शन लक्ष्मी पूजनानि कृत्वॉ भोजनं कार्यम्।।
प्रदोष काल – सायं 06:50 से रात्रि 08:24 बजे तक।
स्थिर वृष लग्न – रात्रि 7:18 से रात्रि 9:15 बजे तक
स्थिर सिंह लग्न – मध्य रात्रि 1:48 से 4:04 बजे तक

सबसे श्रेष्ठ समय

सायं 7:30 मिनट से 7:43 मिनट का है।
इसमें प्रदोष काल, स्थिर लग्न वृषभ और स्थिर नवमांश कुंभ का समय रहेगा।

चौघडिया मुहुर्त

चर का चौघडिया – सांय 5.51 से रात्रि 7.26 बजे तक
लाभ का चौघडिया – रात्रि 10.37 से रात्रि 12.12 बजे तक
शुभ-अमृत का चौधडिया – मध्य रात्रि 1.48 से 4.58 बजे तक रहेगा।

अनेक वर्षों से अगर पीछे पड़ गई हो दरिद्रता तो इस प्रकार दरिद्रता से पीछा छुड़वाएं

अमावस्या का दिन केवल अंधकार का नहीं, बल्कि अंतर के दीप जलाने का भी होता है। शास्त्रों में कहा गया है कि इस दिन यदि मनुष्य सच्चे भाव से दरिद्र नारायण, अर्थात् किसी भूखे, निर्धन, असहाय या जरूरतमंद व्यक्ति की सेवा करता है, तो वह आपके दुःख, दर्द का भक्षण करता है, बदले में आपको सुख, शांति, समृद्धि प्राप्त होती है।

दरिद्र नारायण कोई साधारण व्यक्ति नहीं होते। वे स्वयं भगवान विष्णु के ही स्वरूप माने गए हैं, जो दरिद्र रूप में मनुष्य की करुणा और करुणा भाव की परीक्षा लेने आते हैं। इसलिए अमावस्या के दिन उन्हें खोजें सड़क किनारे बैठे किसी भूखे को भोजन दें, किसी वृद्ध या असहाय को वस्त्र दान करें, किसी बच्चे के चेहरे पर मुस्कान लाएं। अनेक बार अनेक लोगों ने दरिद्र नारायण के आशीर्वाद से जीवन में सुख, समृद्धि, लक्ष्मी, ऐश्वर्य प्राप्त किया है। जब दरिद्र नारायण प्रसन्न हो जाते हैं, तो वे अपनी कृपा से आपके घर की दरिद्रता साथ ले जाते हैं और वहां महालक्ष्मी का वास करवा देते हैं।

अमावस्या के दिन किया गया सच्चे मन से दान केवल बाहरी दरिद्रता नहीं मिटाता, बल्कि मन की कृपणता और दरिद्रता को भी मिटाता है। जिस क्षण व्यक्ति के मन से दरिद्रता निकलती है, उसी क्षण उसके घर से भी दरिद्रता निकल जाती है। इसलिए आपने देखा होगा काफी लोग दान-पुण्य, सेवा-कर्म करते रहते हैं। निःस्वार्थ दान-पुण्य, सेवा करने वाले के मन से दरिद्रता पलायन कर देती है।

प्रत्येक अमावस्या को सेवा-सत्कार्य, दान-पुण्य कर्म अवश्य करना चाहिए। कार्तिक कृष्ण अमावस्या को दीपावली का महापर्व मनाया जाता है। इस दिन भी लोग दरिद्र नारायण की सेवा करते हैं क्योंकि जब दरिद्र नारायण संतुष्ट होते हैं, तब लक्ष्मी स्वयं आपके द्वार ठहर जाती हैं। लक्ष्मी पुण्य कर्मों से आती हैं। दीपावली के दिन हमें चाहिए कि गरीब बच्चों में मिठाइयां, खुशियां बांटें ताकि हमारे जीवन में भी खुशियां आएं, क्योंकि खुशियां बांटने से बढ़ती हैं।

नफरत में संदीपा धर और दर्शन रावल की दिल छू लेने वाली केमिस्ट्री ने सबका दिल जीत लिया

इंतज़ार आखिर खत्म हुआ! संदीपा धर एक बार फिर दर्शकों को मोहित करने लौटी हैं अपने नए म्यूज़िक वीडियो 'नफ़रत' के साथ, जिसमें उनके साथ नज़र आ रहे हैं सोलफुल सिंगर दर्शन रावल। अपनी अभिव्यक्तिपूर्ण अदाकारी और ग्रेसफुल डांसिंग के लिए जानी जाने वाली संदीपा एक बार फिर साबित करती हैं कि वह आज के समय की सबसे बहुमुखी परफॉर्मर्स में से एक हैं। पहले ही फ्रेम से संदीपा एक अलौकिक आकर्षण बिखेरती हैं – उनकी खूबसूरती प्यार, दर्द और नाज़ुक भावनाओं के हर पहलू को सहजता से दर्शाती है। उनकी अभिव्यक्तिपूर्ण आंखें और नैचुरल स्क्रीन प्रेज़ेंस हर गीत को जीवन से भर देती हैं, जो दर्शन रावल की मधुर आवाज़ के साथ एक खूबसूरत दृश्य कविता का रूप ले लेती है। गीत के बारे में बात करते हुए संदीपा धर ने कहा– 'नफ़रत' उन गानों में से एक है जो आपको प्यार के हर रंग को महसूस करने का मौका देता है। दर्शन के साथ काम करना शानदार अनुभव था; उनके संगीत में इतनी सहज भावनाएँ होती हैं कि उसमें खुद को पूरी तरह डुबो देना आसान हो जाता है। डांस हमेशा से मेरे जीवन का अहम हिस्सा रहा है – यह उन भावनाओं को व्यक्त करने का माध्यम है जिन्हें शब्दों में कहना मुश्किल होता है।

इस गाने में एक डांस सीक्वेंस था जिसमें मुझे अपनी सीमाओं से आगे बढ़ना पड़ा, और मुझे खुशी है कि मेरा परफॉर्मेंस कहानी को और ऊंचाई देता है, 'नफ़रत' में संदीपा की एक्टिंग के साथ–साथ उनकी डांसिंग स्किल्स भी बखूबी झलकती हैं। हर मूवमेंट और जेस्चर में उनकी नफ़ासत और जुनून दिखाई देता है, जो कहानी में लय और गहराई दोनों जोड़ता है। गाने के विज़ुअल्स – मूडी, काव्यात्मक और सिनेमैटिक – उनके प्रदर्शन को और भी प्रभावशाली बना देते हैं, जिससे संदीपा वीडियो का धड़कता हुआ दिल बन जाती हैं।

अब जब 'नफ़रत' रिलीज़ हो चुका है, दर्शक संदीपा धर और दर्शन रावल की खूबसूरत केमिस्ट्री को महसूस कर सकते हैं – जो एक साथ गहराई, जुनून और कोमलता से भरी है। खूबसूरती, भावना और कला का यह मेल 'नफ़रत' को सिर्फ एक म्यूज़िक वीडियो नहीं बल्कि एक अनुभव बना देता है, जो दिल में बस जाता है और यह साबित करता है कि संदीपा धर आज की सबसे मनमोहक परफॉर्मर्स में से एक हैं।

आलिया भट्ट से सोहा अली खान तक, प्री–दीपावली सेलिब्रेशन में बॉलीवुड सितारों ने जमाया रंग

दीपावली का उत्सव शुरू हो चुका है और बॉलीवुड के सितारे प्री–दीपावली सेलिब्रेशन्स में डूबे नजर आ रहे हैं। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर दीपावली पर अपने नए घर में शिफ्ट होने जा रहे हैं। उससे पहले वह नीतू कपूर और कपूर खानदान के साथ प्री–दीपावली के जश्न में शामिल हुईं। वहीं, सोहा अली खान ने सैफ अली खान और करीना कपूर खान के साथ मिलकर खान परिवार की प्री–दीपावली पार्टी को इंजॉय किया। अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपनी सास नीतू कपूर और ससुराल वालों के साथ धनतेरस का त्योहार मनाया। नीतू कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरीज सेक्शन में इसकी कई तस्वीरें शेयर की हैं। इनमें से एक तस्वीर में कपूर

परिवार के प्री–दीपावली सेलिब्रेशन की झलक दिखाई दे रही है।मैचिंग ब्लाउज के साथ गोल्डन साड़ी में आलिया बेहद खूबसूरत लग रही थीं। 'गंगूबाई काठियावाड़ी' की अभिनेत्री ने अपने एथनिक लुक को कॉम्प्लिमेंट्री चोकर और मैचिंग मांग टीका के साथ पूरा किया।

आलिया और नीतू के अलावा, इस तस्वीर में कपूर बहनें करीना और करिश्मा भी नजर आ रही हैं, जो देसी परिधानों में बेहद खूबसूरत लग रही थीं।

बताया जा रहा है कि अपने नए घर में शिफ्ट होने से पहले आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने अपनी मां के साथ दीपावली सेलिब्रेट कर ली है। इसके बाद अब दीपावली का जश्न नए घर में मनाया जाएगा, जिसके रिनोवेशन का काम पूरा हो चुका है। इस जश्न में करीबी लोग ही शामिल होंगे।

कोंकणा सेन शर्मा ने खोला अभिनय का राज, बोलीं

किरदार के पिच–टोन की चिंता नहीं करती

मशहूर अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा की वेब सीरीज 'सर्च: द नैना मर्डर केस' रिलीज हो चुकी है। यह दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। कोंकणा ने इस सीरीज के बारे में बात करते हुए अपने अभिनय का राज लोगों के साथ साझा किया है। उन्होंने कहा कि वह आमतौर पर किरदार के लहजे और टोन में तब तक बदलाव नहीं करतीं जब तक निर्देशक उनसे कोई सुझाव न मांगे। कोंकणा सेन ने बताया कि वह बस वही करती हैं जो उनके निर्देशक उन्हें बताते हैं क्योंकि आखिरकार यही उनका अपना नजरिया होता है और वह इस प्रक्रिया में दखलअंदाजी करना पसंद नहीं करतीं। कोंकणा सेन ने कहा, एक अभिनेता के रूप में मैं वास्तव में इस बात पर ध्यान नहीं देती कि पिच या टोन क्या होना चाहिए। मैं इसमें सहज महसूस नहीं करती और एक अभिनेता के रूप में कुल मिलाकर यह मेरी जगह नहीं है। इस शो के लिए मैं दो कारणों से बहुत उत्साहित थी, एक यह कि यह 'फोर्ब्राइडेलसेन' नामक एक बेहद सफल शो पर आधारित है, जो एक डेनिश शो है, और मैंने इसका रीमेक देखा है और यह अद्भुत है। इसमें जासूस सारा लुंड हैं, जिनका अपना बहुत बड़ा फैन बेस है। मुझे पता था कि रोहन सिप्पी इसका निर्देशन कर रहे हैं और मैंने उनके साथ पहले भी काम किया है। मैं उनके साथ बहुत सहज हूं और इसलिए मैं इस किरदार को करने के लिए बहुत खुश और उत्साहित थी।उन्होंने आगे बताया, मुझे इन दोनों किरदारों (अपने सह–कलाकार सूर्या शर्मा की बात करते हुए), जय और संयुक्ता के बीच का तालमेल बहुत पसंद है। इस शो के जरिए मैंने सूर्या को जाना, इसलिए मुझे उनके लहजे और पिच वगैरह में अधिक दिलचस्पी नहीं थी। मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी, हमने खूब रिहर्सल की, टेबल रीडिंग की, और कुछ सवाल या मतभेद वगैरह थे, वो सब सुलझा लिए गए। उनके साथ अभिनय कर मुझे बहुत आनंद आया। 'सर्च: द नैना मर्डर केस' को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर देख सकते हैं। इसे रोहन सिप्पी ने डायरेक्ट किया है।

मेनोपॉज पर बेस्ड फिल्म मी नो पॉज मी प्ले में काम्या पंजाबी निभा रही हैं लीड किरदार

टीवी इंडस्ट्री की जानी–मानी अभिनेत्री और लंबे समय से टेलीविजन पर अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने वाली काम्या पंजाबी ने अभिनय की नई मिसाल पेश करते हुए 'मेनोपॉज' जैसे विषय पर बेस्ड एक ऐसी फिल्म 'मी नो पॉज मी प्ले' में काम किया है, जिस तरह के विषय को बड़े पर्दे पर शायद ही कभी दिखाया गया हो। इतना ही नहीं, मेनोपॉज पर भारत की यह पहली हिंदी फीचर फिल्म भी है।

इसी वजह से भारतीय सिनेमा के लिए एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए 'मी नो पॉज मी प्ले' का पोस्टर भी 18 अक्टूबर 2025 को वर्ल्ड मेनोपॉज डे पर ही जारी किया गया। 'मी नो पॉज मी प्ले' महिला–केंद्रित कहानी कहने की दिशा में एक साहसिक कदम भी है। इस फिल्म के के जरिये निर्माता ने समाज से सदियों से मासिक धर्म को लेकर व्याप्त रूढ़िवादिता को तोड़ने, जागरूकता का प्रचार प्रसार करने के साथ महिलाओं की समझ और सहानुभूति को बढ़ावा देने की कामयाब कोशिश की है। बता दें कि मनोज कुमार शर्मा की प्रशंसित पुस्तक पर डिजिफिल्मिंग और मिररो फिल्म्स की इस फिल्म में काम्या पंजाबी के अलावा दीपशिखा नागपाल, सुधा चंद्रन, एमी मिसोब्बा भी दमदार मुख्य भूमिकाओं में हैं। ये सभी फिल्म में ऐसी महिलाओं का किरदार निभा रही हैं, जो ताकत, स्वीकृति और बदलाव की नई परिभाषा गढ़ती हैं। साथ ही रूढ़िवादिता में जकड़े समाज से मासिक धर्म के बारे में चुप्पी की नहीं, बल्कि बेहतर और सुलझे हुए समझ की मांग करती है। इसके साथ ही फिल्म में मनोज कुमार शर्मा, करण छाबड़ा और अमन वर्मा भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

फिल्म 'मी नो पॉज मी प्ले' सहानुभूति, जागरूकता और स्वीकृति के बारे में है और हर उस महिला के लिए है, जो इस बदलाव का सामना चुपचाप और साहस के साथ करती है। 28 नवंबर, 2025 को रिलीज होने जा रही मनोज कुमार शर्मा द्वारा लिखित–निर्मित और समर के. मुखर्जी द्वारा निर्देशित फिल्म 'मी नो पॉज मी प्ले' एक ऐसे विषय पर आधारित है, जिसे इससे पहले बड़े पर्दे पर कभी नहीं दिखाया गया है।

मेनोपॉज यानी रजोनिवृत्ति, एक महिला के जीवन का एक अपरिहार्य, लेकिन अक्सर अनकहा अध्याय है और मेनोपॉज के विषय पर आधारित यह भारत की पहली हिंदी फिल्म है, जिसका उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य, भावनात्मक बदलावों और आत्म–स्वीकृति के इर्दगिर्द बातचीत को सामान्य बनाना है। फिल्म की पटकथा और संवाद शकील कुरैशी और मनोज कुमार शर्मा ने लिखे हैं, जबकि छायांकन अकरम खान ने किया है।

दुर्भाग्य की बात है कि भारत जैसे विकासशील देश में मासिक धर्म आज भी एक वर्जित विषय ही बना हुआ है। यह अलग बात है कि कुछ समय से समाज में इसके बारे में भी चर्चाएं शुरू हुई हैं, लेकिन आज भी यह एक ऐसा विषय ही है, जो खामोशी और बेचैनी में लिपटा हुआ है, जबकि यह हर महिला के जीवन का एक अपरिहार्य और महत्वपूर्ण अवस्था है, जिससे उसके हार्मोन्स, मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और यहां तक कि पहचान भी प्रभावित होती है। यह फिल्म वास्तविक अनुभवों से प्रेरित कहानियों को समाज के समक्ष लाती हैं।

लेखक ने यह सुनिश्चित करते हुए कि फिल्म मनोरंजन से आगे बढ़कर सामाजिक प्रभाव और जागरूकता पैदा करे, इसकी कहानी में प्रामाणिकता और गहराई लाने का हरसंभव प्रयास किया है, जिसके लिए वह अलग से बधाई के पात्र हैं। फिल्म के बारे में इसमें मुख्य किरदार निभाने वाली अभिनेत्री काम्या पंजाबी कहती हैं, यह एक सहज खुशी की बात है कि आज हमारे समाज में लोग धीरे–धीरे ही सही, फुसफुसाकर ही सही, लेकिन मासिक धर्म के बारे में बात करने लगे हैं, लेकिन इसके बावजूद मासिक धर्म को अभी भी महिलाओं के लिए एक रहस्य की तरह ही देखा जाता है। ऐसा तब है, जब यह हर महिला को प्रतिमाह अनिवार्य रूप से होता है, फिर भी उससे उम्मीद की जाती है कि वह इसके बारे में चुप रहे, किसी से कुछ न बोले। 'मी नो पॉज मी प्ले' उसी चुप्पी को एक सशक्त और बुलंद आवाज देता है। यह फिल्म स्वीकृति, साहस और हर महिला को यह याद दिलाने के बारे में है कि यह दौर उसके अंत को नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत को रेखांकित करता है।'

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने वज़न पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें। आज आपसे कोई पैसे उधार मांग सकता है पिता का तल्ख़ बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है। लेकिन हालात को नियंत्रण में रखने के लिए शांत रहें। इससे आपको फ़ायदा होगा। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे। आपकी बातें आज आपके करीबियों को समझ नहीं आएंगी जिसकी वजह से आप परेशानी महसूस

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन–शैली में बदलाव लाने का सही समय है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। अगर आज आप ख़रीदारी के लिए निकलेंगे अपने जीवनसाथी के साथ सहीं भाषा में बात करना चाहिए । छोटे भाई के साथ आप के रिश्तों में प्रगाढ़ता आएगी। भगवती को गुलाब का फूल अर्पित करें जिससे दिन भर की दिक्क़तें और मुश्किल से मुश्किल हालात भी आसानी से सुलझते हुई दिखाई देंगें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपकी शाम कई जज़्बातों से घिरी रहेगी और इसलिए तनाव भी दे सकती है। लेकिन ज़्यादा चिंता करने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि आपकी ख़ुशी आपकी निराशाओं के मुक़ाबले आपको ज़्यादा आनंद देगी। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, किसी कन्या को मिठाई खिलाए आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। आप के घर में आज शाम के वक्त स्वादिष्ट भोजन बन सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफ़ी संभावनाएँ हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। आप बच्चों के साथ में कहीं घूमने–फिरने जा सकते हैं जिससे जीवन में नयी ऊर्जा का संचार होगा आप के व्यक्तित्व मे ऐसा बदलाव देखकर परिवार मे आप का प्रभाव और भी बढ जाएगा ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

लाभ लेने के लिए बड़ों को अपनी अतिरिक्त ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करना चाहिए। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। किसी भी चीज़ को अंतिम रूप देने से पहले अपने परिवार की राय लीजिए। महज़ आपका अपना फ़ैसला कुछ दिक़्क़त खड़ी कर सकता है। बेहतर परिणाम पाने के लिए परिवार में तालमेल पैदा करें। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लबरेज़ कर देगा। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभा–वना है। खाली समय में आज आप कोई खेल–खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं। काम की अधिकता आज आपको मानसिक रुप से परेशान कर सकती है। हालांकि शाम के वक्त थोड़ी देर ध्यान करके आप अपनी ऊर्जा वापस पा सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका सबसे बड़ा सपना हक़ीक़त में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को क़ाबू में रखें, क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। जो लोग शेयर बाजार में पैसा लगाते हैं आज उनका पैसा डूब सकता है। वक्त रहते सचेत हो जाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा। बच्चे की तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। जीवनसाथी के ख़राब व्यवहार का नकारात्मक असर आपके ऊपर पड़ सकता है। किसी दोस्त की सहायता करके आज आप अच्छा महसूस कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए अपना समय बर्बाद करने से बचे । बाहरी लोगों का हस्तक्षेप आपके वैवाहिक जीवन में परेशानी उत्पन्न कर सकता है। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी। बंदरों को केला और चना डालें रुका हुआ पैसा आने लगेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने काम के लिए दूसरों पर दबाव न डालें। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। किसी दूर के रिश्तेदार से अचानक मिली ख़बर आपका दिन बना सकती है। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। आज आपका खाली वक्त भी ऑफिस के काम को पूरा करने में ही लगेगा। आज आपका आत्मविश्वास कमजोर रह सकता है। इसका कारण आपकी खराब दिनचर्या है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

कई लोग आज आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। एक लम्बा दौर जो काफ़ी समय से आपको दबोचे हुए था, ख़त्म हो चुका है । लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे। आज अचानक तबीयत खराब हो सकती है जिससे आप सारे दिन भर परेशान रह सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सेहत अच्छी रहेगी। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। दोस्तों और परिवार के साथ मज़े–दार समय बीतेगा। आज ही लंबे वक़्त से चले आ रहे झगड़ों को सुलझा लें, क्योंकि हो सकता है कि कल बहुत देर हो जाए। दिन अच्छा है दूसरों के साथ–साथ आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाएंगे। जीवनसाथी की ख़राब सेहत के चलते आप चिंताग्रस्त हो सकते हैं। आपकी तंदरुस्ती आज आपके घर वालों को खुशी देगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

ख़ुद को शारीरिक व्यायाम का मज़ा लेने दें आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। कुछ लोगों के लिए– परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर–ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। ख़ुद तनाव–ग्रस्त होने की झल्लाहट आप बेवजह अपने जीवनसाथी पर निकाल सकते हैं। आपके बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा कर सकते हैं यदि आप उनका सहयोग करें तो।

आज का पंचांग

दिनांक : 20 अक्टूबर 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी सायं 03:46 तक
नक्षत्र : हस्त रात्रि 08:17 तक
योग : वैधृति रात्रि 02:34 तक
करण : शकुन सायं 03:46 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:10, सूर्यास्त 05:50 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:10, सूर्यास्त 05:57 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 05:49 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 05:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– रुप चौदस, यम तर्पण ,दीपावली महालक्ष्मी कुबेर पूजन

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

शुद्ध आहार–मिलावट पर वार अभियान

खाद्य सुरक्षा दल ने नष्ट करवाया 600 किलोग्राम दूषित मावा

धौलपुर,19 अक्टूबर (एजेंसियां)। त्यौहारी सीजन में खाद्य पदार्थों में मिलावट कर आमजन की सेहत से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा टीम लगातार खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर खराब और दूषित पदार्थों को नष्ट करने की कार्यवाही कर रही है।इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा आयुक्त टी शुभमंगला और जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धर्मसिंह मीणा द्वारा गठित टीम ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी पदम सिंह परमार के नेतृत्व में शनिवार देर रात कार्यवाही करते हुए राम लखन पुत्र रामवीर मावा निर्माता से मावा एवं मिल्क पाउडर क्रीम, रिफाइंड पामोलिन तेल, स्किम्ड मिल्क पाउडर के नमूने लिए। साथ ही 100 किलो मावा को एवं मिल्क पाउडर को मौके पर नष्ट करवाया। वहीं लगभग 80 किलो स्किम्ड मिल्क पाउडर एवं 6 पीपे रिफाइंड पामोलिन तेल को मौके पर ही जप्त कर सुरक्षित अभिरक्षा में अग्रिम कार्रवाई हेतु रखवाया गया। इसके बाद सोनू पुत्र शिव सिंह से मावा, स्किम्ड मिल्क पाउडर, मिश्री, दूध, वनस्पति तेल का नमूना लेकर लगभग 300 किलोग्राम दूषित मावे को मौके पर नष्ट करवाया। इस दौरान लगभग 20 किलो स्किम्ड मिल्क पाउडर एवं वनस्पति घी के 4 पीपे मौके पर जप्त किए। इसी क्रम में देव खेड़ा गांव में अचल सिंह मावा विक्रेता से मावा का नमूना लिया गया एवं रोहित मावा विक्रेता से मावा एवं रिफाइंड पामोलिन तेल का नमूना लेकर लगभग 200 किलोग्राम दूषित मावे को मौके पर नष्ट करवाया गया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी पदम सिंह परमार ने बताया कि देर रात से शुरू हुई यह कार्यवाही सुबह तक जारी रही। लगभग 600 किलोग्राम दूषित मावा विभिन्न जगहों पर खपाने की तैयारी थी खाद्य सुरक्षा दल की तत्–परता से दूषित मावा नष्ट किया। उन्होंने कहा कि मिलावट खोरों के विरुद्ध कार्यवाही निरन्तर जारी रहेगी।

संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ : जोगाराम पटेल

जोधपुर,19 अक्टूबर (एजेंसियां)। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को जैसलमेर बस दुर्घटना में घायल यात्रियों से मिलने महात्मा गांधी अस्पताल के बर्न यूनिट पहुंचे।पटेल ने घायलों की कुशलक्षेम पूछी और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उन्होंने परिजनों से संवाद करते हुए कहा कि यह घटना अत्यंत पीड़ादायक है, राज्य सरकार इस संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ पूरी तरह खड़ी है। पटेल ने कहा कि चिकित्सा विभाग एवं प्रशासन ने राहत एवं उपचार से संबंधित सभी कार्यों को पूरी सक्रियता के साथ संपादित किया हैं, जिससे घायलों को हरसंभव सहायता और बेहतर चिकित्सा सुविधा समय पर उपलब्ध करवाई जा सकी। उन्होंने दिवंगतों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से शोकाकुल परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

पटेल ने कहा कि सभी घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सीय उपचार उपलब्ध करवाया जा रहा है। उन्होंने चिकित्सकों से मरीजों की स्थिति, जलन के प्रतिशत, उपचार पद्धति और संसाधनों की उपलब्धता संबंधी विस्तृत जानकारी ली।

संसदीय कार्य मंत्री ने वेंटिलेटर, ऑक्सीजन सपोर्ट, इंटेंसिव केयर बेड्स, दवाइयों और नर्सिंग स्टाफ की स्थिति की समीक्षा की और प्रत्येक मरीज के समुचित उपचार के लिए 24 घंटे मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल परिसर में परिजनों से भी मुलाकात की और उनके ठहरने, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की जानकारी ली।

भजनलाल शर्मा ने भरतपुर के नदबई में राजकीय जिला अस्पताल का किया शिलान्यास

भरतपुर,19 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को भरतपुर जिले के नदबई में बनने वाले राजकीय जिला अस्पताल के निर्माण कार्य काशिलान्यास किया। इस अस्पताल की निर्माण लागत लगभग 50.88 करोड़ रुपये होगी और आईपीडी मरीजों के लिए यहां 150 बेड उपलब्ध होंगे। अस्पताल के निर्माण से स्थानीय लोगों को घर के नजदीक ही बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। इस दौरान जल संसाधन मंत्री श्री सुरेश सिंह रावत, सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम कुमार दक, गृह राज्यमंत्री श्री जवाहर सिंह बेढ़म, विधायक श्री जगत सिंह, श्री बहादुर सिंह, डॉ. शैलेश सिंह, डॉ ऋतु बनावत, सुश्री नौक्षम सहित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री शर्मा ने किसानों को दी किसान सम्मान निधि की सौगात

टोंक,19 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल ने शनिवार को धनतेरस के पावन अवसर पर नदवई जिला भरतपुर में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत किसानों को चतुर्थ किश्त की राशि का हस्तांतरण किया। साथ ही लाभार्थियों से वर्चुअल स्वाद किया। जिला स्तरीय कार्यक्रम नवीन .जिला परिषद सभागार में प्रदेश के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाण के कैबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।इस अवसर चौधरी ने कहा कि समृद्ध किसान खुशहाल राजस्थान हमारी सरकार का मूल ध्येय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के छोटे और सीमांत किसानों को प्रत्यक्ष लाभ देने के लिए किसान सम्मान निधि योजना एक ऐतिहासिक कदम है।

भक्ति गीतों, मंत्रों के जाप के साथ किया सामूहिक महालक्ष्मी पूजन

बीकानेर,19 अक्टूबर (एजेंसियां)। गणिवर्य मेहुल प्रभ सागर, मुनि मंथन प्रभ सागर, बाल मुनि मीत प्रभ सागर, साध्वीश्री दीपमाला, शंखनिधि श्रीजी के सान्निध्य में रविवार को शिव वैली के कला मंदिर परिसर में श्री महालक्ष्मी पूजन विधि विधान से भक्ति गीतों व मंत्रों के जाप के साथ किया गया। पूजन में 151 जोड़ों ने श्रद्धा, भक्ति के साथ हिस्सा लिया। कार्यक्रम में खरतरगच्छ युवा परिषद की बीकानेर इकाई की ओर से प्रकाशित पंचांग का विमोचन किया गया तथा महालक्ष्मी पूजन में सहभागिता निभाने वालों का अभिनंदन किया गया।

खरतरगच्छ युवा परिषद की स्थानीय इकाई अध्यक्ष अनिल सुराणा ने बताया कि अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद, महिला परिषद की बीकानेर इकाई, सुगनजी महाराज का उपासरा ट्रस्ट व ज्ञान वाटिका के संयुक्त तत्वावधान हुए पूजन के लाभार्थी श्रीमती हुलासी देवी, पुखराज, ललित, नरेन्द्र व वीरेन्द्र पुगलिया के सदस्यों का अभिनंदन किया गया। पूजा में हिस्सा लेने वाले श्रावक–श्राविकाओं को पूजन की सामग्री में महालक्ष्मी का ''ऊ ह्री श्री अर्हम नम'' व ऊं ह्रीं श्रीं कमले प्रसीद प्रसीद महालक्ष्मी देव्ये नमः' मंत्र अंकित गज लक्ष्मी का चित्र, प्रतिमा, यंत्र, वासक्षेप व रक्षासूत्र आदि सामग्री भेंट की गई। पूजन के दौरान गणिवर्य मेहुल प्रभ सागर म.सा., बाल मुनि मीत प्रभ सागर, वरिष्ठ गायक मगन कोचर व सुनील पारख ने भक्ति गीत प्रस्तुत किए। वहीं सिरोही के विधिकारक प्रकाश गुरु ने विधि विधान से पूजन करवाया गया । जल, चंदन, फल,फूल,धूप,अक्षत, दीप व नवैद्य आदि पूजन के दौरान राग दीपक, मालकोष आदि में भक्ति गीत गाए गए तथा सामूहिक मंत्रों का जाप करवाया गया।

प्रवचन–गणिवर्य मेहुल प्रभ सागर म.सा. ने पूजन के दौरान प्रवचन में कहा कि सुख, सम्पति, धन, वैभव व समृद्धि तथा शक्ति पुण्य का परिणाम है। पुण्य बिना आया हुआ धन भी नहीं टिकता। जिन शासन ने यथा शक्ति के अनुसार सभी कार्य करने का संदेश दिया है। शक्ति को पहचान कर धर्म व शासन तथा प्राणी मात्र के कल्याण के लिए कार्य करें। नीति से धनोर्पाजन कर धन शक्ति का सदुपयोग करें।

पंचांग का लोकार्पण व अभिनंदन– खरतरगच्छ युवा परिषद की ओर से प्रकाशित पंचांग का लोकार्पण श्री चिंतामणि जैन मंदिर प्रन्यास के अध्यक्ष हरीश नाहटा, पूर्व अध्यक्ष निर्मल धारीवाल, श्री सुगनजी महाराज का उपासरा ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर खजांची, पूर्व मंत्री रतन लाल नाहटा, श्री सुसवाणी माताजी मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव महादेव सुराणा, अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद के संरक्षक राजीव खजांची, आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान के बसंत नवलखा, खरतरगच्छ युवा परिषद के अध्यक्ष अनिल सुराणा, मंत्री विक्रम भुगड़ी, महालक्ष्मी पूजा के लाभार्थी परिवार के पुखराज पुगलिया व हस्ती मल सेठी आदि ने किया।

खरतरगच्छ युवा परिषद व खरतरगच्छ महिला परिषद के पदाधिकारियों व सदस्यों ने महापूजन के लाभार्थी परिवार के सदस्यों व शिविर के दौरान हुई बालक–बालिकाओं की धार्मिक परीक्षा में अव्वल प्रतिभागियों का अभिनंदन किया। भगवान महावीर निर्वाण दिवस 21 को–खरतरगच्छ युवा परिषद के प्रचार प्रसार मंत्री धवल नाहटा ने बताया कि भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण दिवस पर जप तप मंगलवार को होगा । सुगनजी महाराज के उपासरे में बुधवार को सुबह छह बजे गौतम रास का वांचन किया जाएगा तथा डागों के महावीरजी मंदिर में निर्वाण का लड्डू चढ़ाया जाएगा।

बिहार में एनडीए सरकार ने विकास, सुरक्षा और विश्वास का वातावरण बनाया : सैनी

चण्डीगढ़,19 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बिहार अब विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और जनता का विश्वास एनडीए सरकार में और मजबूत हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में पुनः एनडीए की सशक्त, स्थिर और सुशासित सरकार का गठन होगा, जिससे प्रदेश तीव्र गति से विकास एवं समृद्धि के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ता रहेगा। मुख्यमंत्री ने आज बिहार के दौरे पर चुनावी सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में बिहार ने विकास की नई दिशा प्राप्त की है। यहां सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आरजेडी–कांग्रेस गठबंधन पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि पिछली सरकारों ने गरीबों के हितों की अनदेखी की और बिहार को पिछड़ेपन की ओर धकेला। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन के नेताओं ने झूठे वादों से सत्ता हासिल की और जनता को गुमराह किया।

उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने बिहार को जंगलराज से निकालकर विकास और सुशासन की दिशा में आगे बढ़ाया है। आज बिहार में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हुई है, महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और गांव–गांव तक विकास की रोशनी पहुंची है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा–जदयू गठबंधन सरकार ने बिहार को विकसित राज्य बनाने के लिए ठोस प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि बिहार अब नए युग में प्रवेश कर रहा है और जनता का उत्साह इस बात का प्रमाण है। अपने बिहार प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री ने जनता से अपील की कि वे विकास, सुशासन और स्थिरता के पक्ष में एकजुट होकर भाजपा–जदयू गठबंधन का समर्थन करें। बिहार पहुंचने पर नागरिकों ने मुख्यमंत्री का जोरदार स्वागत किया।

हरियाणा के युवाओं ने देशभर में अपने परिश्रम और ईमानदारी से राज्य का नाम रोशन किया: मुख्यमंत्री

चंडीगढ़,19 अक्टूबर (एजेंसियां)। दीपावली के पावन अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से आज चंडीगढ़ स्थित आवास संत कबीर कुटीर पर देश की विभिन्न सेवाओं में कार्यरत हरियाणा मूल के युवा अधिकारियों तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं ने शिष्टाचार भेंट की है। इस दौरान अधिकारियों एवं समाजसेवियों ने मुख्यमंत्री को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और राज्य के सतत विकास एवं सुशासन की दिशा में उनके नेतृत्व की सराहना की।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सभी को दीपावली की मंगलकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व प्रकाश, सत्य और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने उपस्थित युवाओं से देश और समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के युवाओं ने देशभर में अपने परिश्रम और ईमानदारी से राज्य का नाम रोशन किया है। उन्होंने अधिकारियों को अपनी कार्यशैली में पारदर्शिता, समर्पण और जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रेरणा दी। बैठक के दौरान सौहार्दपूर्ण वातावरण में राज्य और राष्ट्र के विकास से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत 2047 का संकल्प देश के युवाओं के समक्ष रखा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आप सभी युवा अधिकारी जिस भी क्षेत्र में कार्यरत हैं, राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत को अपनाकर इस संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मुख्यमंत्री ने पिछले 11 वर्षों में हरियाणा की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राज्य ने विकास और सुशासन के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उन्होंने बताया कि ई–गवर्नेंस के माध्यम से प्रशासन को पारदर्शी, जवाबदेह और सुलभ बनाया गया है। इसके साथ ही बिना पर्ची, बिना खर्ची की नीति के तहत युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरियां देकर उनके सपनों को साकार किया गया है।

शिवकुमार ने ए-खाता के उचित उपयोग का आह्वान किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि सरकार ने आपके संपत्ति रिकॉर्ड को सही करने का एक अच्छा अवसर प्रदान किया है, सभी को ई-खाता प्राप्त करना चाहिए। सरकार ने बी खाते को ए खाते में बदलने का अवसर प्रदान किया है, और किसी को भी इस अवसर को नहीं छोड़ना चाहिए। रविवार को बेंगलूरु के कोरमंगला स्थित वीर योद्धा पार्क में आयोजित बेंगलूरु नदीगे अभियान के तहत नागरिकों को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि जनता ने सीए साइट का प्रस्ताव दिया है, और सरकार इस मुद्दे पर एक अलग नीति तैयार कर रही है। मैंने योजना प्राधिकरण की जिम्मेदारी, जो पहले बीडीए द्वारा संभाली जाती थी, जीबीए को सौंप दी है। उन्होंने कहा कि जीबीए बेंगलूरु में बड़ी परियोजनाओं को संभालेगा, और शेष छोटी परियोजनाओं को निगमों द्वारा किया जाएगा। लोगों को भोजन मिलना चाहिए। हमने लोगों को मूल्य वृद्धि की समस्या से बचाने के लिए पाँच गारंटी योजनाएँ लागू की हैं। हम इसके लिए हर साल 52 हजार करोड़ खर्च कर रहे हैं। इसके अलावा, हम किसानों को मुफ्त बिजली देने के लिए हर साल 20 हजार करोड़ रुपये दे रहे हैं। इस प्रकार, हम जन कल्याणकारी कार्यक्रमों के लिए 1 लाख करोड़ रुपये आवंटित कर रहे हैं। राज्य सरकार एक सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण करा रही है, और आप सभी को इसमें भाग लेना चाहिए। हम यह पूरे समाज के भविष्य के लिए कर रहे हैं। आपको आवश्यक जानकारी प्रदान करनी चाहिए और अनावश्यक प्रश्नों को अनदेखा करना चाहिए। आपने रामलिंगा रेड्डी पर अपार विश्वास व्यक्त किया है। वह बेंगलूरु दक्षिण के प्रभारी मंत्री हैं और पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं। आप भाग्यशाली हैं कि आपको ऐसे वरिष्ठ नेता मिले हैं।

मुझे विश्वास है कि आपने उन्हें 8 बार चुना है और वह बेंगलूरु के और विकास के लिए हमारा मार्गदर्शन करेंगे। बेंगलूरु वॉक कार्यक्रम के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा कि मैं स्वयं लोगों से उनकी राय, सुझाव और शिकायतें जानने और सुशासन प्रदान करने के लिए संपर्क कर रहा हूँ, लोग भी अच्छा सहयोग दे रहे हैं, और इससे मुझे एक नया अनुभव मिला है।

उन्होंने कहा कि अधिकारी लोगों की शिकायतों का समाधान करेंगे। एजीपुर फ्लाईओवर का निर्माण कब पूरा होगा, यह पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इसे जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा। आईटी और बीटी कंपनियों के सीईओ के साथ उनकी बैठक कब होगी, यह पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वह उनके साथ अलग से बैठक करेंगे। उन्होंने कहा कि वह इस बारे में मंत्री प्रियांक खड़गे और एम.बी. पाटिल से चर्चा करेंगे। खाता परिवर्तन के लिए 5 प्रतिशत भुगतान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि लोगों के लिए अपनी संपत्ति के रिकॉर्ड ठीक करवाने के लिए यह कोई बड़ी रकम नहीं है। खाता परिवर्तन से उनकी संपत्ति का मूल्य दोगुना हो जाएगा। कई लोगों ने राजस्व भूखंड खरीदे हैं, और हमें सभी को समान सेवा प्रदान करनी चाहिए। इसलिए, उनका सहयोग आवश्यक है।

हसनम्बा दर्शन: कुमारस्वामी के साथ शिष्टाचार का पालन न करने का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस विधायक एच.पी. स्वरूप प्रकाश के नेतृत्व में हसनम्बा के मुख्य द्वार के पास एक विशाल विरोध प्रदर्शन किया गया। विरोध प्रदर्शन में आरोप लगाया गया कि केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के दर्शन के लिए, हसनम्बा आने पर जिला प्रशासन ने शिष्टाचार का पालन नहीं किया। पूर्व मंत्री एच.के. कुमारस्वामी, पूर्व विधायक लिंगेश, नेता मंजेगौड़ा और विधायक स्वरूप प्रकाश के नेतृत्व में जेडीएस कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी, जो शनिवार को अपने परिवार के साथ हसनम्बा आए थे, उनके साथ स्थानीय विधायक स्वरूप प्रकाश सहित दस से अधिक विधायक थे। कुमारस्वामी ने आरोप लगाया है कि उस समय जिला कलेक्टर ने उनका स्वागत नहीं किया। हसनम्बा देवी के दर्शन के बाद जब वे बाहर आए तो जिला प्रशासन ने उन्हें श्रद्धांजलि नहीं दी। विरोध प्रदर्शन यह आरोप लगाते हुए किया गया कि केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के आने पर जिला कलेक्टर, एसपी और प्रशासनिक अधिकारी नहीं आए। प्रदर्शन के दौरान बोलते हुए स्वरूप प्रकाश ने कहा कि जब मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री आए तो जिला प्रशासन ने उनका सम्मान किया। लेकिन जब एच.डी. कुमारस्वामी आए तो उनका अनादर क्यों किया गया? मंदिर का विकास जनप्रतिनिधियों की बदौलत है। कुमारस्वामी का भी इसमें योगदान है। भाजपा-जेडीएस गठबंधन सरकार के दौरान 2 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया था। जिले के एक किसान के बेटे कुमारस्वामी ने इस बात पर असंतोष जताया कि जिला कलेक्टर और उप-मंडल अधिकारी ने मंदिर आने पर शिष्टाचार के अनुसार सम्मान नहीं दिखाया। धार्मिक यात्रा सुचारू रूप से चल रही है। व्यवस्था दुरुस्त है। साइंस कॉलेज का स्टेडियम खंडहर हो गया है। उन्होंने बिना किसी की जानकारी के वहाँ एक खाद्य मेला आयोजित कर दिया। मुझे, विधायक को, इसके उद्घाटन में आमंत्रित नहीं किया गया। उन्होंने कहा हमने सरकार के इस तरह के तानाशाही रवैये की निंदा करते हुए विरोध प्रदर्शन किया है।

तटीय क्षेत्र के लिए अलग पर्यटन नीति तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध: शिवकुमार

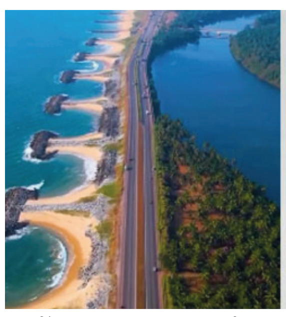

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कहा है कि तटीय क्षेत्र के लोगों ने कर्नाटक को सांस्कृतिक, शैक्षिक और धार्मिक रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथ एक मजबूत बैंकिंग प्रणाली स्थापित करके राष्ट्र के लिए अमूल्य योगदान दिया है। शिवकुमार ने कहा तटीय क्षेत्र के लोग स्वास्थ्य सेवा सहित सभी क्षेत्रों में उन्नत हैं। तटीय कर्नाटक के लोग, खासकर दक्षिण कन्नड़ के लोग, शिक्षित, बुद्धिमान और अत्यधिक जागरूक हैं। सरकार आपके साथ पूरी तरह खड़ी है। उन्होंने आगे आश्वासन दिया कि स्थानीय युवाओं को रोजगार की तलाश में पलायन करने से रोकने के उद्देश्य से मेंगलूरु और उडुपी सहित तटीय क्षेत्र के लिए एक अलग पर्यटन नीति तैयार की जाएगी। शिवकुमार ने दोहराया कि तटीय क्षेत्र में ही रोजगार के अवसर पैदा करने के प्रयास किए जाने चाहिए ताकि लोगों को रोजगार के लिए अपनी मातृभूमि छोड़ने की जरूरत न पड़े।

ई-स्वाथु जारी करने के लिए रिश्वत लेते ग्राम पंचायत सचिव गिरफ्तार

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के लोकायुक्त अधिकारियों ने कर्नाटक के तुमकुरु जिले के कोराटगेरे तालुक में थोविनकेरे ग्राम पंचायत के सचिव और बिल कलेक्टर को एक व्यवसायी से आधिकारिक लाभ के लिए रिश्वत लेते हुए पकड़ा। आरोपी ने कथित तौर पर टी.के. मोहम्मद से ई-स्वाथु (ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति के स्वामित्व का डिजिटल डेटाबेस) जारी करने के लिए 8,000 की मांग की थी। मोहम्मद ने लोकायुक्त से संपर्क किया और शिकायत दर्ज की, जिसके आधार पर अधिकारियों ने 16 अक्टूबर को सुमा और उसके सहायक मारुति को रंगे हाथों पकड़ लिया। दोनों पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच के लिए हिरासत में ले लिया गया है।

छुट्टियों के कारण बेंगलूरु से अपने गृहनगर जा रहे लोगों के कारण रही भारी ट्रैफिक जाम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सप्ताहांत और दिवाली के बाद, राजधानी में रहने वाले लोग अपने गृहनगर, मंदिरों और अपने परिवारों के साथ घूमने के लिए निकल पड़े हैं, और बस और रेलवे स्टेशन यात्रियों से खचाखच भरे हुए हैं।

शनिवार शाम से ही लोग अपने गृहनगर जा रहे हैं, और मैजेस्टिक में बड़ी संख्या में लोग देखे गए। रविवार को सप्ताहांत की छुट्टियां हैं। सोमवार को नरक चतुर्दशी है, मंगलवार को लक्ष्मी पूजा है, और बुधवार को बलिपद्यमी है, और लोग अपने गृहनगर जा रहे हैं। लोग हुब्बळ्ळी, धारवाड़, रायचूर, बेलगावी, हासन, मदिकेरी, मेंगलूरु, चिक्कमगलूरु, शिवमोग्गा, उडुपी, कोडागु और तमिलनाडु, केरल, गोवा, पुदुचेरी जैसे अन्य बाहरी राज्यों की यात्रा कर रहे हैं।

इस पृष्ठभूमि में, रात में मैजेस्टिक के आसपास भारी भीड़भाड़ और ट्रैफिक जाम रहा। गोरगुंटेपल्या, यशवंतपुर, जल्ली क्रॉस, 8वां मील, मैसूरु रोड समेत प्रमुख सड़कों पर यातायात जाम रहा। यातायात पुलिस को यातायात सुचारू करने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। त्योहारों को देखते हुए, केएसआरटीसी ने 2500 अतिरिक्त बसें चलाई हैं और ज्यादातर लोगों ने पहले से टिकट बुक कराकर अपनी यात्राएँ भी बढ़ा दी हैं। दूर-दराज के जिलों और बाहरी राज्यों से यात्री रेलगाड़ियों से यात्रा कर रहे हैं और क्रांतिवीर संगोली रायन्ना रेलवे स्टेशन और यशवंतपुर रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार रात और शनिवार सुबह बड़ी संख्या में यात्री पहुँचे।

इसके अलावा, निजी यात्राओं पर भी बुकिंग हुई है और चालुक्य सर्कल, आनंदराव सर्कल और मैसूरु सर्कल जैसे बुकिंग केंद्रों पर यात्रियों की लंबी कतारें देखी गईं। इसके अलावा, हसनम्बा दर्शनोत्सव भी चल रहा है और परिवहन बसें यात्रियों से खचाखच भरी हुई हैं। कुछ लोग अपने स्वयं के वाहनों से यात्रा कर रहे थे और रात में, तुमकुरु रोड पर 8वें माइल टोल, नेलमंगला टोल और मैसूरु रोड टोल पर वाहनों की कतारें देखी गईं।

अवैध पशु वध पर कार्रवाई के तहत दक्षिण कन्नड़ में तीन संपत्तियां जब्त

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ में अवैध पशु वध के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में, पुलिस ने बंटवाल ग्रामीण, बेल्टांगडी और उप्पिनंगडी पुलिस थानों के अधिकार क्षेत्र में ऐसी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली तीन संपत्तियों की पहचान कर उन्हें जब्त कर लिया है। पुलिस अधीक्षक अरुण के. ने बताया कि अवैध पशु वध में लिप्त व्यक्तियों के साथ-साथ ऐसे अपराधों में सहायता करने या उन्हें आश्रय देने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। एसपी ने कहा हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि इन गतिविधियों में शामिल लोगों को कानून के तहत परिणाम भुगतने पड़ें। यह कार्रवाई भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), कर्नाटक पशु वध निवारण एवं संरक्षण अधिनियम, और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज कई मामलों की जाँच के बाद की गई है। बंटवाल ग्रामीण क्षेत्र में, बीएनएस की धारा 302(2), कर्नाटक मवेशी अधिनियम की धारा 4 और 12, तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11(डी) के तहत दर्ज एक मामले की जाँच कर

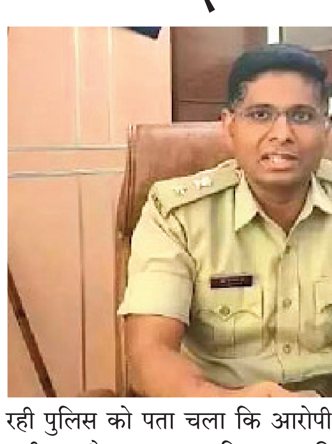

रही पुलिस को पता चला कि आरोपी नसीर और अन्य, इदिनब्बा की संपत्तियों का इस्तेमाल अवैध गोहत्या के लिए कर रहे थे। जब्त की गई संपत्तियों में एक घर, एक बूचड़खाना और एक शेड शामिल था। जांच के बाद, मेंगलूरु के सहायक आयुक्त को एक रिपोर्ट सौंपी गई, जिन्होंने कर्नाटक मवेशी वध निवारण एवं संरक्षण अधिनियम की धारा 8(1) के तहत संपत्तियों की कुर्की का आदेश जारी किया। बेल्टांगडी में, कुवेट्टू गाँव में अवैध मवेशी वध से संबंधित, कर्नाटक मवेशी वध निवारण एवं संरक्षण अधिनियम की धारा 4, 5, 7 और 12 के साथ-साथ बीएनएस की धारा 112(2) और 303(2) के तहत मामला दर्ज किया गया। संबंधित संपत्ति मोहम्मद रफीक की थी और जाँच अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर, पुत्तूर के सहायक आयुक्त ने उसी अधिनियम के तहत उसकी कुर्की का आदेश जारी किया। इसी तरह, उप्पिनंगडी थाना क्षेत्र में, मोहम्मद मंसूर के खिलाफ कर्नाटक मवेशी अधिनियम की धारा 4 और 12 के साथ-साथ बीएनएस की धारा 331(4) और 305 के तहत मामला दर्ज किया गया। मामला अवैध वध और मांस की बिक्री से संबंधित था और संबंधित संपत्ति - मेंगलूरु शहर के बंदर के भटकल बाजार में स्थित एक इमारत - कुर्की के लिए प्रस्तुत की गई थी। बाद में मेंगलूरु के सहायक आयुक्त ने अधिनियम की धारा 8(1) के तहत आदेश जारी किया। एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, मेंगलूरु के सहायक आयुक्त ने, बंटवाल ग्रामीण पुलिस की एक रिपोर्ट के बाद, कर्नाटक में पहली बार, पुदु ग्राम पंचायत में स्थित मारिपळ्ळा हसनब्बा के एक घर और अवैध बूचड़खाने को औपचारिक रूप से कुर्क किया है। एसपी अरुण के ने कहा तीनों मामलों में, इस कृत्य के लिए इस्तेमाल किए गए स्थानों और इमारतों को कर्नाटक मवेशी वध निवारण एवं संरक्षण अधिनियम, 2020 के तहत जब्त कर लिया गया है।

सार्वजनिक स्थान पर युवकों की झड़प के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बंटवाल ग्रामीण पुलिस ने मांची गांव के मांची कट्टे में एक सार्वजनिक स्थान पर कथित तौर पर हंगामा करने और लड़ाई में शामिल होने के आरोप में युवाओं के एक समूह के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बंटवाल ग्रामीण पुलिस स्टेशन के हेड कांस्टेबल कृष्णा नाइक 12 अक्टूबर को मांची गांव में बीट ड्यूटी पर थे, जब उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि युवाओं का एक समूह इलाके में अशांति फैला रहा है। मौके पर पहुंचने पर, पुलिस ने देखा कि भीड़ जमा हो गई है और युवाओं का एक समूह - जिनकी पहचान विजेथ, रक्षित कोट्टारी, पुष्पराज, अजय, जमीर और मोहम्मद मुस्तफा के रूप में हुई है - तीखी नोकझोंक में लगे हुए हैं। वे कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे और इस तरह से लड़ रहे थे जिससे सार्वजनिक शांति और सांप्रदायिक सद्भाव बिगड़ सकता था। घटना के बाद, बंटवाल ग्रामीण पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। आगे की जांच पड़ताल जारी है।

निर्दलीय चुनाव लड़ेंगी पवन सिंह की पत्नी ज्योति ! चर्चा जोरों पर

स्थानीय लोगों ने किया स्वागत

रोहतास (एजेंसियां)। भोजपुरी स्टार और अभिनेता पवन सिंह से चल रहे विवाद के बीच अब उनकी पत्नी ज्योति सिंह ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में उतरने का ऐलान कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, ज्योति सिंह काराकाट विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही हैं। उनके समर्थकों में इस फैसले को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। ज्योति सिंह संभवतः सोमवार को नामांकन दाखिल कर सकती हैं।

हाल ही में ज्योति सिंह के पिता रामबाबू सिंह ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि अगर पवन सिंह उनकी बेटी को स्वीकार कर लेते हैं तो वह चुनाव नहीं लड़ेंगी, लेकिन यदि ऐसा नहीं हुआ तो काराकाट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरेंगी। ज्योति सिंह बीते लोकसभा चुनाव से ही काराकाट क्षेत्र में लगातार सक्रिय रही हैं। वे कई निजी आयोजनों में शामिल होती रही हैं और लोगों से लगातार मुलाकात कर रही हैं।

कुछ दिन पहले ज्योति सिंह ने जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर से मुलाकात की थी। इसके बाद यह चर्चा थी कि वह जन सुराज के टिकट पर

चुनाव लड़ सकती हैं। हालांकि अब संकेत मिल रहे हैं कि प्रशांत किशोर के साथ उनकी बात नहीं बनी, जिसके चलते वे निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में उतरेंगी।

ज्योति सिंह के चुनाव लड़ने से काराकाट सीट पर मुकाबला और दिलचस्प हो गया है। यहां भाजपा-माले गठबंधन के अरुण सिंह और जदयू के पूर्व सांसद महाबली सिंह पहले ही नामांकन दाखिल कर चुके हैं। अब ज्योति सिंह के उतरने से त्रिकोणीय मुकाबले के आसार प्रबल हो गए हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के प्रशंसकों का बड़ा वर्ग उनके साथ जुड़ सकता है।

ज्योति सिंह के चुनावी ऐलान को लेकर स्थानीय लोगों में भी जोश देखने को मिल रहा है। सासाराम के स्थानीय निवासी चंद्र मोहन पांडे ने कहा कि पवन सिंह और ज्योति सिंह के विवाद को देखते हुए जनता की सहानुभूति ज्योति सिंह के साथ होगी। उन्होंने कहा कि पवन सिंह को लोग 'दिल फेंक आशिक' के रूप में जानते हैं, इसलिए, जनता अब ज्योति सिंह के पक्ष में खड़ी दिख रही है। वहीं, स्थानीय नागरिक शशि कुमार ने कहा कि बीते लोकसभा चुनाव में पवन सिंह को मिले वोटों में ज्योति सिंह की बड़ी भूमिका रही थी। एक महिला उम्मीदवार के रूप में वे लोगों से सीधे जुड़ीं और मतदाताओं को प्रभावित किया। शशि कुमार का कहना है कि अगर ज्योति सिंह चुनाव लड़ती हैं तो वे काराकाट सीट से एक मजबूत दावेदार साबित होंगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com